रजिस्ट्री सं० डी० (डी०)-73

REGISTERED No. D.(D)-73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 47] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 24, 1979/अग्रहायण 3, 1901

No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 24, 1979/AGRAHAYANA 3, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़ कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1979

का० आ० 3799.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग, गुजरात, सरकार के परामर्श से श्री आर० पर्थासार्थी के स्थान पर श्री आर० वी० चन्द्रमौली, सचिव शिक्षा विभाग को तारीख 25 अक्तूबर, 1979 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक गुजरात राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में एतद्द्वारा नामनिर्देशित करता है ।

[सं० 154/गुज०/79]

वी० नागसुब्रमण्यन, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

S.O. 3799.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Gujarat hereby nominates Shri R. V. Chandramouli, Secretary to Government, Education Department as the Chief Electoral Officer for the State of Gujarat with effect from the afternoon of 25th October, 1979 and until further orders vice Shri R. Parthasarathy.

[No. 154/GJ/79]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1979

का० आ० 3800.—एकाधिकार एवं निर्बन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स आर० बी० गूजरमल मोदी एण्ड ब्रास प्राइवेट लिमिटेड के कथित अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 648/70) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[संख्या 23/43/79-एम० 1]

इन्दरलाल नागपाल, अवर सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 12th November, 1979

S.O. 3800.—In pursuance of sub-section (3) of Section 20 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the Registration of M/s. R. B. Gujarmal Modi and Bros, Private Limited under the said Act (Certificate of Registration No 648/70).

[No. 23/43/79-M(1)]

I. L. NAGPAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1979

का. आ. 3801.—केन्द्रीय सरकार, कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेगुलेशन्स 1959 के विनियम 20 के खण्ड (ख) के अनुसरण में, भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना संख्या का. नि. आ. 2118, तारीख 19 सितम्बर, 1959 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में क्रम संख्या 35 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली द्वारा संचालित अखिल भारतीय उच्च स्कूल प्रमाण-पत्र परीक्षा (12 वर्ष)।"

[फा. सं. 2/9/78-सी.एल.-5]

के. एन. रामचन्द्रन, उप-सचिव

New Delhi, the 19th November, 1979

S.O. 3801.—In pursuance of clause (b) of regulation 20 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the late Ministry of Commerce and Industry (Department of Company Law Administration) No. S. R. O. 2118 dated the 19th September, 1959, namely :—

In the said notification, after serial number 35 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be inserted, namely :—

"36. All India Senior School Certificate Examination (12 years), conducted by the Central Board of Secondary Education, New Delhi"

[F. No. 2/9/78-CL-V]

K. N. RAMCHANDRAN, Dy. Secy.

गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1979

का० आ० 3802.—दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा श्री ए०के० दत्ता, अधिवक्ता, पटना को स्पेशल मजिस्ट्रेट, पटना के न्यायालय में मैसर्स जे० बी० इंडस्ट्रीज तथा अन्यों के विरुद्ध दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना नियमित मामला संख्या 1/73-रांची तथा नियमित मामला संख्या 2/74-रांची का संचालन करने के लिए विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० 225/13/79-ए०वी०डी० 2]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 8th November, 1979

S.O. 3802.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri A. K. Datta, Advocate, Patna as a Special Public Prosecutor for the purposes of conducting the prosecution of the Delhi Special Police Establishment regular case No. 1/73-Ranchi and regular case No. 2/74-Ranchi, against M/s J. B. Industries and others, in the Court of the Special Magistrate, Patna.

[No. 225/13/79-AVD-II]

का० आ० 3803.—दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा निम्नलिखित अपराधों को ऐसे अपराध विनिर्दिष्ट करती है, जिनकी दिल्ली पुलिस स्थापना द्वारा जांच की जानी है। अर्थात् :—

(क) कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 68 के अधीन दण्डनीय अपराध ; और

(ख) खण्ड (क) में उल्लिखित अपराधों के सम्बन्ध में, या उनसे सम्बन्धित प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों तथा षड्यंत्रों और उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न हुई वैसी ही कार्रवाई के दौरान किया गया अन्य कोई अपराध।

[सं० 228/11/79-ए०वी०डी०-2]

S.O. 3803.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government hereby specifies the following offences as the offences which are to be investigated by the Delhi Special Police Establishment, namely :—

(a) Offences punishable under section 68-A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956); and

(b) attempts, abetments and conspiracies in relation to, or in connection with, the offences mentioned in clause (a) the any other offence committed in the course of the same transaction arising out of the same facts.

[No. 228/11/79-AVD-II]

आदेश

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 1979

का० आ० 3804.—दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, पश्चिम बंगाल राज्य सरकार की सहमति से, एतद्द्वारा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना नियमित मामला संख्या 1/78-एस० आई० यू० (ii) दिनांक 20-2-1978 के सम्बन्ध में साधारण बीमा कारबार (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 (1972 का 57) की धारा 25 के अधीन दण्डनीय अपराधों तथा उक्त अपराधों के सम्बन्ध में या उनसे सम्बन्धित प्रयत्नों, दुष्प्रेरणाएं और षड्यंत्रों तथा उन्हीं तथ्यों के कारण उत्पन्न हुई वैसी ही कार्रवाई के दौरान किए गए अन्य किसी अपराध का अन्वेषण करने के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और क्षेत्राधिकार का सम्पूर्ण पश्चिम बंगाल राज्य में विस्तार करती है।

[सं० 228/3/78-ए०वी०डी०II]

टी. के. सुब्रह्मण्यन, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 13th November, 1979

S.O. 3804.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5, read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government, with the consent of the Government of the State of West Bengal, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Estab-

lishment to the whole of the State of West Bengal for the investigation of offences punishable under section 25 of the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 (57 of 1972) and attempts, abetments and conspiracies in relation to, or in connection with, the said offences and any other offence committed in the course of the same transaction, arising out of the same facts, in regard to Delhi Special Police Establishment Regular case No. 1/78-SIU(II) dated 20-2-1978.

[No. 228/3/78-AVD. II]

T. K. SUBRAMANIAN, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 25 अक्तूबर, 1979

आयकर

का० आ० 3805.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, श्री एन० के० मिश्र को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है ।

2. श्री एस० एम० प्रसाद की, कर वसूली अधिकारी के रूप में जो नियुक्ति 7 मई, 1977 के अधिसूचना सं० 1763 (फा० सं० 404/27/77-आ० क० स० क०) के अन्तर्गत कि गयी थी, वह एतद्द्वारा रद्द की जाती है ।

3. यह अधिसूचना, श्री एन०के० मिश्र द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख से लागू होगी ।

[सं० 3040/फा०सं० 404/125 (क०व०अ०-बिहार)/79-आ०क०स०क०]

एच० वेंकटारामन, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 25th October, 1979

INCOME TAX

S.O. 3805.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri N. K. Mishra being a gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri S. M. Prasad as Tax Recovery Officer made vide Notification No. 1763 (F. No. 404/27/77-ITCC) dated 7th May, 1977 is hereby cancelled.

3. This Notification shall come into force with effect from the date Shri N. K. Mishra takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3040/F. No. 404/125 (TRO-Bihar)/79-ITCC]

H. VENKATARAMAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 3 अक्तूबर, 1979

आय-कर

का० आ० 3806.—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा 23-ग के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'नीलगिरीस डायोसेसन सोसाइटी, ऊटाकामंड' के निर्धारण वर्ष 1977-78, 1978-79 और 1979-80 के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है ।

[सं० 3025/फा० सं० 197/17/78-आ०क० (ए-1)]

जे.पी. शर्मा, निदेशक

New Delhi, the 3rd October, 1979

INCOME-TAX

S.O. 3806.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961), the Central Government hereby notifies 'Nilgiris Diocesan Society, Ootacamund' for the purpose of the said section for the assessment years 1977-78, 1978-79 and 1979-80.

[No. 3025/F. No. 197/17/78-IT(AI)]

J. P. SHARMA, Director

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1979

का० आ० 3807.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) के प्रशासनिक नियंत्रण में स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

1. क्षेत्रीय कार्यालय, कानपुर
2. क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली
3. मण्डलीय कार्यालय, कानपुर
4. मण्डलीय कार्यालय, लखनऊ
5. मण्डलीय कार्यालय, वाराणसी
6. मण्डलीय कार्यालय, आगरा
7. मण्डलीय कार्यालय, मेरठ
8. मण्डलीय कार्यालय, इन्दौर
9. मण्डलीय कार्यालय, जबलपुर
10. मण्डलीय कार्यालय, रायपुर
11. मण्डलीय कार्यालय, अजमेर
12. मण्डलीय कार्यालय, जयपुर
13. मण्डलीय कार्यालय, पटना
14. मण्डलीय कार्यालय, मुजफ्फरपुर

[सं० ई० 11011/7/79-हि०का०क०]

ना०द्वा० मूर्पानी, उप-सचिव

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 7th November, 1979

S.O. 3807.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (use for official purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices of the Life Insurance Corporation of India, (under the administrative control of the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs), the staff whereof have acquired a working knowledge of Hindi :—

1. Zonal Office, Kanpur.
2. Zonal Office, Delhi.
3. Divisional Office, Kanpur.
4. Divisional Office, Lucknow.
5. Divisional Office, Varanasi.
6. Divisional Office, Agra.
7. Divisional Office, Meerut.
8. Divisional Office, Indore.
9. Divisional Office, Jabalpur.
10. Divisional Office. Raipur.
11. Divisional Office, Ajmer.
12. Divisional Office, Jaipur.
13. Divisional Office, Patna.
14. Divisional Office, Mujaffarpur.

[No. 11011/7/79-HIC]

N. D. MURPANI, Dy. Secy.

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 31 अक्तूबर, 1979

का० आ० 3808.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबंध 11 सितम्बर, 1980 तक कर्नाटक बैंक लिमिटेड, मंगलौर पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक इनका संबंध निम्नलिखित गैर-बैंकिंग परिसम्पत्तियों अर्थात् मंगलौर तालुका के बुलूर ग्राम में (क) उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित भवन के दरवाजा संख्या 6-334, 334-ए तथा 334-बी के साथ 13/2 सेंट की आर० एस० संख्या 167-1, टी० एस० संख्या 741-1 तथा (ख) दक्षिण पूर्वी भाग में स्थित भवन के दरवाजा संख्या 6-336-ए, 337, 337-ए, 337-बी तथा 337-सी के साथ 11 सेंट की आर० एस० 167-1, टी० एस० संख्या 741-11, की धारिता से है।

[संख्या 15(32)-बी०ओ०-III/79]

(Banking Division)

New Delhi, the 31st October, 1979

S.O. 3808.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, hereby declares that the provisions of Section 9 of the said Act shall not apply upto 11th September, 1980 to the Karnataka Bank Ltd., Mangalore, in respect of the non-banking assets, viz., properties bearing (a) R. S. No. 167-1, T. S. No. 741-1 of 13½ Cents with building door Nos. 6-334, 334-A and 334-B, North East portion and (b) R. S. No. 167-1, T. S. No. 741-11 of 11 cents with building door Nos. 6-336-A, 337, 337-A, 337-B and 337-C South East portion situated in Boloor Village, Mangalore Taluka.

[No. 15(32)-B.O. III/79]

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1979

का० आ० 3809.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (3) के उपबंध 14 जनवरी, 1980 तक जम्मू एण्ड कश्मीर बैंक लिमिटेड, जम्मू पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक ये उपबंध उक्त बैंक पर, जम्मू एण्ड कश्मीर इंडस्ट्रीयल एण्ड टेक्नीकल कन्सलटैंसी आरगेनाइजेशन लिमिटेड, जम्मू की शेयर धारिता पर इसलिए रोक लगाते हैं कि यह कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अंतर्गत एक पंजीकृत कम्पनी है।

[संख्या 15(33)-बी०ओ०-III/79]

एन० डी० बत्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 8th November, 1979

S.O. 3809.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (3) of section 19 of the said Act shall not apply to the Jammu & Kashmir Bank Ltd., Jammu, upto 14th January, 1980 in so far as the said provisions prohibit the said bank from holding shares in the Jammu & Kashmir Industrial and Technical Consultancy Organisation Ltd., Jammu, being a company registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

[No. 15(33)-B.O. III/79]

N. D. BATRA, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

भारतीय पूर्त अक्षय निधि के कोषपाल का कार्यालय

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1979

का०आ० 3810—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग भारतीय पूर्त अक्षय निधि के कोषपाल के कार्यालय की दिनांक 15 जून, 1979 की अधिसूचना संख्या 1/1/79-टी०सी०ई० जो 30 जून, 1979 के भारत के राजपत्र के भाग II खण्ड 3 उप-खण्ड (ii) में पृष्ठ संख्या 1863 से 1891 में प्रकाशित की गई है, का शुद्धि पत्र :—

क्रम संख्या	पृष्ठ संख्या	कॉलम संख्या	पंक्ति संख्या	अशुद्ध	शुद्ध
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	1863	—	—	नई दिल्ली,	नई दिल्ली
2.	1870	3	8	2,66,678,27	2,66,678.27
3.	1874	12	9	(ग) 10,24,667.00	..
4.	1874	12	10	..	1,02,667.00
5.	1876	6	10	59.40	65.32
6.	1876	6	10	6.60	0.68
7.	1876	7	10	94,304.48	9,304.48
8.	1876	21	5	..	3,35,325.72
9.	1876	21	6	..	29,742.25
10.	1876	21	3	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946	भारतीय स्टेट बैंक बम्बई के पास मियादी जमा
11.	1876	21	4	5,45,300 00	3,26,225.72
12.	1876	21	5	5,54,00.00	..
13.	1887	11	11	82.07	82.04
14.	1891	3	10	(22)	1,000

मंगल दास पाल,

कोषपाल, भारतीय पूर्त अक्षय निधि।

(Office of the Treasurer of Charitable Endowments for India)

ERRATA

New Delhi, the 12th November, 1979

S.O. 3810.—In the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Office of the Treasurer of Charitable Endowments for India No. F. 1/1/79-TCE published as S.O. 2205 in the Gazette of India, Part II, Section 3(ii), dated the 30th June, 1979 at pages 1891 to 1912.

Page No.	Sr. No.	Column	Line	For	Read
1891		Heading	4	Endowment	Endowments
1892	4 & 5	6	14–15	Snadhurst	Sandhurst
1899	4	4	1	Convention	Conversion
,,	5	4	1	Convention	Conversion
,,	7	9	3	(c)	(d)
Maharashtra					
1901	2	3	2	Sicence	Science
Tamilnadu					
1907	5	11 (total)	5	2,178.70	1,178.70
Bihar					
1910	2	3	1	Treasuerer	Treasurer
Uttar Pradesh					
1910	3	2	1	Waliam	William
1911	10	3	2	Secnodary	Secondary

M. D. PAL, Treasurer of Charitable Endowments for India

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1979

(आय-कर)

का० आ० 3811.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं० 679 [फा० सं० 187/2/74-आ० क० (ए)], तारीख 20-7-74 में निम्नलिखित संशोधन करता है ।

(1) आयकर आयुक्त, पुणे-II, पुणे, के भारसाधन से संबंधित क्रम सं० 19क के सामने स्तम्भ 3 के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि, 'एन-वार्ड, पुणे' को हटा दिया जाएगा ।

(2) आयकर आयुक्त, पुणे-I, पुणे, के भारसाधन से संबंधित क्र० सं० 19 के सामने स्तम्भ 3 के अन्तर्गत 'एन-वार्ड, पुणे' प्रविष्टि अन्तःस्थापित की जाएगी ।

यह अधिसूचना 1-9-1979 से प्रभावी होगी ।

[सं० 2986 (फा० सं० 187/13/79-आ० क० (एआई)]

बी० एम० सिंह, अवर सचिव

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 1st September, 1979

(INCOME-TAX)

S.O. 3811.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) the Central Board of Direct Taxes, hereby makes the following amendments to the Notification No. 679 (F. No. 187/2/74-IT(AI) dated 20-7-1974 as amended from time to time.

(1) The existing entry 'N-ward, Pune' under Col. 3 against S. No. 19A in respect of the Charge of Commissioner of Income-tax, Pune-II, Pune, shall be deleted.

(2) The entry 'N-Ward, Pune' shall be inserted under Col. 3 against S. No. 19 in respect of the Charge of the Commissioner of Income-tax, Pune-I, Pune.

This notification shall take effect from 1-9-1979.

[No. 2986 (F. No. 187/13/79-IT(AI)]

B. M. SINGH, Under Secy.

(आयकर आयुक्त का कार्यालय, केरल)

कोचीन, 26 अक्तूबर, 1979

(आयकर)

का०आ० 3812.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 287 की उपधारा (1) और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के आदेश एफ० सं० 83/108/69-ऐ० टी० (बी), दिनांक 26-12-1970 के अनुसरण में, मैं एतद्द्वारा ऐसे करदाताओं का नाम प्रकाशन करता हूं जिनसे वित्तीय वर्ष 1978-79 में एक लाख रुपये से अधिक प्राप्य कर बट्टे खाते में लिखा गया है, उनका नाम संलग्न अनुसूची 1 में दिया गया है:

अनुसूची 1

जिन करदाताओं से केरल प्रभार-II में, एक लाख रुपये से अधिक प्राप्य कर वित्तीय वर्ष 1978-79 में, बट्टे खाते में लिखा गया है, उनका नाम निम्नलिखित है।

क्रम सं०	करदाताओं का नाम तथा पता	स्थिति	निर्धारण वर्ष	बट्टे खाते में डाले हुए रकम	अपलेखन का कारण संक्षेप में
1	2	3	4	5	6
1.	श्री ए० उण्णाम, टिम्बर मरचेन्ट, चेट्टियांगड़ी, निलम्बूर ।	व्यक्ति	1963-64	रु० 1,24,823	करदाताके विरुद्ध कारवाई करने, इनके पास कोई चल या अचल सम्पत्ति नहीं है ।
2.	श्री पय्यन्तरा बीरान, पुदुपाड़ी, 27वीं मील, कालिकट-वयनाड रोड ।	—वही—	1971-72	रु० 1,21,657	—वही—

टिप्पणी : "एक व्यक्ति से प्राप्य कर बट्टे खाते में डाला गया है, इसका अर्थ सिर्फ यह है कि आयकर विभाग की राय में इस प्रकाशन की तारीख तक करदाता के विदित आस्तियों से वसूल नहीं किया जा सकता है । प्रकाशन से यह आशय नहीं है कि कानून के अनुसार यह रकम अशोध्य है या करदाता को उक्त रकम चुकाने के उत्तरदायित्व से उन्मुक्त किया गया है ।"

[सी० सं० 42/टी० आर०/79-80]
बी० जे० चाक्को, आयकर आयुक्त

(Office of the Commissioners of Income-tax Kerela)

Cochin, the 26th October, 1979

INCOME-TAX

S.O. 3812.—In pursuance of sub-section (i) of Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in pursuance of order F. No. 83/108/69-IT(B) dated 26th December, 1970 of the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), Government of India, I hereby publish the names of assessees in whose cases tax dues exceeding Rs. 1 lakh have been written-off during the financial year 1978-79 as per Schedule-I appended hereto :—

SCHEDULE I

Name of Assessees in whose cases Tax dues over Rs. 1 lakh have been written off during the year 1978-79 in the charge of the Commissioner of Income-tax, Kerala-II.

Sl. No.	Name & address of the assessee	Status	Asst. Year	The amount written-off	Brief reasons for the write-off.
1	2	3	4	5	6
1.	Sri. A. Unniamoo, Timber Merchant, Chettiangadi, Nilambur.	Individual	1963-64	Rs. 1,24,823	The assessee does not own any movable or immovable properties which could be proceeded against.
2.	Sri. Payyanthra Beeran, Pudupadi, 27th Mile, Calicut-wynad Road.	-do-	1971-72	Rs. 1,21,657	-do-

Note :—The statement that the tax dues from a person has been written-off only means that in the opinion of the Income-tax Department it cannot on the date of publication be realised from the known assets of the assessee. The publication does not imply that the amount is irrecoverable in law or that the assessee is discharged from his liability to pay the amount in question.

[C. No. 42/TR/79-80]

B. J. CHACKO, Commissioner of Income-tax.

(आयकर आयुक्त कार्यालय, हरियाणा)

रोहतक, 6 नवम्बर, 1979

आयकर

का० आ० 3813.—यतः केन्द्रीय सरकार, की राय है कि लोकहित में यह आवश्यक तथा समीचीन है कि 31-3-1979 को दो वर्ष या अधिक की अवधि के लिए 1,00,000 रु० अथवा उससे अधिक कर की अदायगी में चूक करने वाले व्यक्तियों से सम्बन्धित यहां इसके पश्चात् विनिर्दिष्ट नाम तथा अन्य विशिष्टियां प्रकाशित की जाए :—

और यतः आयकर अधिनियम (1961 का 43) की धारा 287 द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने अपने आदेश दिनांक 10 अगस्त, 1977 द्वारा सभी आयकर आयुक्तों को वित्तीय वर्ष 1978-79 के अंत में उनके अधिकार क्षेत्र के भीतर स्थित करदाताओं से संबंधित नाम, पते तथा कर चूक की राशि प्रकाशित करने के लिए प्राधिकृत किया है ।

अतः अब केन्द्रीय सरकार द्वारा दिनांक 10 अगस्त, 1977 के पूर्वोक्त आदेश द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं इससे संलग्न अनुसूची में पूर्वोक्त करदाताओं के नाम तथा अन्य विशिष्टियां एतद्द्वारा प्रकाशित करता हूं ।

आयकर विभाग हरियाणा, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 287 के अधीन चूककर्ताओं की सूची जैसी 31-3-79 को थी (1) चूक की कुल रकम के लिए जो दो वर्ष और उससे अधिक अवधि के लिए है ।

1. श्री व्यास देव डोगरा प्रोप्राइटर मैसर्ज डोगरा स्टील इंडस्ट्रीज, फरीदाबाद (1) रुपए 5,49,938।

[फा० सं० 418(3)/78-79-एच०क्यू०]

(Office of the Commissioner of Income-tax, Haryana)

Rohtak, the 6th November, 1979

INCOME-TAX

S.O. 3813.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars hereinafter specified relating to persons in default of payment of tax of Rs. 1,00,000 or more for periods exceeding 2 years or more as on 31st March, 1979.

And whereas in exercise of the powers conferred by section 287 of the Income-tax Act, (43 of 1961) and all other powers enabling them in this behalf, the Central Government by its order dated 10th August, 1977 authorised all the Commissioners of Income-tax to publish the names, addresses and the amount of tax in default relating to assessees within their jurisdiction as at the end of the financial year 1978-79.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred on me by the Central Government by its aforesaid order dated 10th August, 1977, I hereby publish in the schedule, hereto annexed, the names and other particulars of the assessees aforesaid.

INCOME TAX DEPARTMENT, HARYANA, ROHTAK

List of defaulters as on 31st March, 1979 u/s 287 of the Income-tax Act, 1961; (i) for total amount in default for a period of two years or more.

1. Shri Bias Dev Dogra, Prop. M/s Dogra Steel Industries Faridabad (i) Rs. 5,49,938.

[F. No. 418(3)/78-79/HQ]

का० आ० 3814.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह आवश्यक तथा समीचीन है कि वित्तीय वर्ष 1978-79 के दौरान यहां इसके पश्चात् विनिर्दिष्ट ऐसे सभी करदाताओं के,

(1) जो व्यक्ति अथवा हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब हैं, जिनकी आय दो लाख रुपये से अधिक निर्धारित की गई है, तथा

(2) जो फर्म, कम्पनियां, अथवा अन्य व्यक्ति संगम हैं, जिनकी आय दस लाख रुपये से अधिक निर्धारित की गई है,

नाम तथा उनसे सम्बन्धित अन्य विशिष्टियां प्रकाशित की जाएं, और यतः आयकर अधिनियम (1961 का 43) की धारा 287 द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने अपने आदेश दिनांक 10 अगस्त, 1977 के द्वारा सभी आयकर आयुक्तों को वित्तीय वर्ष 1978-79 के दौरान उनके अधिकार क्षेत्र के भीतर (स्थित) करदाताओं से सम्बन्धित नाम, पते, हैसियत तथा कर निर्धारण वर्ष तथा ऐसे करदाताओं द्वारा विवरणित आय, निर्धारित आय, देय कर तथा दिए गए कर को प्रकाशित करने के लिए प्राधिकृत किया है ।

अतः अब केन्द्रीय सरकार द्वारा दिनांक 10 अगस्त, 1977 के पूर्वोक्त आदेश द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं इससे संलग्न अनुसूची में उपर्युक्त करदाताओं के नाम तथा अन्य विशिष्टियां एतद्द्वारा प्रकाशित करता हूं ।

आयकर विभाग, हरियाणा

ऐसे सभी व्यक्तियों तथा हिन्दू अविभक्त कुटुम्बों के नाम जिनकी आय वित्तीय वर्ष 1978-79 के दौरान दो लाख रु० से अधिक निर्धारित की गई है तथा सभी फर्मों व्यक्ति-संगम तथा कम्पनियों के नाम जिनकी आय दस लाख रु० से अधिक निर्धारित की गई है :—

(1) हैसियत के लिए है :— 'आई' व्यष्टि के लिए, 'सो' कम्पनी के लिए, 'एफ' फर्म के लिए ।

(2) कर निर्धारण वर्ष के लिए (3) दी गई आय विवरणी के लिए (4) निर्धारित आय के लिए (5) दिए जाने वाले कर के लिए है (6) दिए गए कर के लिए है ।

---

1. मैसर्ज दीपक वुल्न मिल्ज (एक्सपोर्ट) पानीपत (1) एफ (2) 1977-78 (3) 1399620 (4) 1481640 (5) 375753 (6) 354100

2. श्री अशोक राज नाथ मार्फत राज वुल्न इंडस्ट्रीज पानीपत (1) आई (2) 1976-77 (3) 432890 (4) 428350 (5) 306393 (6) 306393

3. श्री दीपक राज नाथ मार्फत राज वुल्न इंडस्ट्रीज पानीपत (1) आई (2) 1976-77 (3) 349680 (4) 368650 (5) 246600 (6) 246600

4. श्री राजेश्वर नाथ मार्फत राज वुल्न इंडस्ट्रीज पानीपत (1) आई (2) 1976-77 (3) 489350 (4) 485450 (5) 349745 (6) 349745

5. श्री विश्वनाथ मार्फत राज वुल्न इंडस्ट्रीज पानीपत (1) आई (2) 1976-77 (3) 251760 (4) 259620 (5) 176466 (6) 176466

6. श्री राकेश महाजन, महाजन हाऊस पानीपत (1) आई (2) 1976-77 (3) 266740 (4) 261750 (5) 177034 (6) 177034

7. श्रीमती अनीता नगरथ, पानीपत (1) आई (2) 1976-77 (3) 214510 (4) 218580 (5) 144866 (6) 144866

8. श्रीमती मीनाक्षी महाजन, पानीपत (1) आई (2) 1976-77 (3) 279960 (4) 276770 (5) 189673 (6) 189673

9. श्री एम० एम० महाजन, पानीपत (1) आई (2) 1976-77 (3) 236320 (4) 232290 (5) 149456 (6) 149456

10. श्रीमती किरण गर्ग, किशोर हाऊस, पानीपत (1) आई (2) 1977-78 (3) 216130 (4) 232710 (5) 130204 (6) 130204

[फा०सं० 418(1)/78-79/मुख्यालय]

टी०आर०अग्रवाल, आयकर आयुक्त

S.O. 3814.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars hereinafter specified relating to assessees :

(i) being individual, or Hindu undivided families, who have been assessed on an income of more than two lakhs of rupees, and

(ii) being firms, companies, or other association of persons, who have been assessed on an income of more than ten lakhs of rupees,

during the financial year 1978-79.

And whereas in exercise of the powers conferred by section 287 of the Income-tax Act (43 of 1961) and all other powers enabling them in this behalf, the Central Government has by its order dated 10th August, 1977, authorised all Commissioners of Income-tax to publish the names, addresses, status and assessment year, relating to assessees within their jurisdiction and the income returned by, the income assessed on, the tax payable by, and the tax paid by, such assessees during the financial year, 1978-79 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred on me by the Central Government by its aforesaid order dated 10th August, 1977, I hereby publish in the schedule, hereto annexed the names and other particulars of the assessees aforesaid.

INCOME TAX DEPARTMENT, HARYANA, ROHTAK

Names of all individuals, and Hindu Undivided Families assessed on an income of more than Rs. two lakhs, and of all firms, Association of persons and companies assessed on an income of more than Rs. ten lakhs during the financial year 1978-79. (i) is for Status, 'I' for Individual, 'H' for Hindu Undivided Family 'C' for company, 'F' for Firm, 'A' for A.O.P., (ii) for assessment year ; (iii) for income returned, (iv) for income assessed ; (v) for tax payable ; and (vi) for tax paid.

1. M/s Deepak Woollen Mills, (Export) Panipat (i) 'F' (ii) 1977-78 (iii) Rs. 13,99,620 (iv) Rs. 14,81,640 (v) Rs. 3,75,753 (vi) Rs. 3,54, 100.

2. Shri Ashok Raj Nath C/o. Raj Woollen Industries, Panipat (i) 'I' (ii) 1976-77 (iii) Rs. 4.32.890 (iv) Rs. 4,28,350 (v) Rs. 3,06,393 (vi) Rs. 3,06,393.

3. Shri Deepak Raj Nath C/o Raj Woollen Industries, Panipat (i) 'I' (ii) 1976-77 (iii) Rs. 3,49,680 (iv) Rs. 3,68,050 (v) Rs. 2,46,600 (vi) Rs. 2,46,600.

4. Shri Rajeshwar Nath C/o Raj Woollen Industries. Panipat (i) 'I' (ii) 1976-77 (iii) Rs. 4.89,350 (iv) Rs. 4,85,450 (v) Rs. 3,49,745 (vi) Rs. 3,49,745.

5. Shri Vishwanath C/o Raj Woollen Industries, Panipat (i) 'I' (ii) 1976-77 (iii) Rs. 2,51,760 (iv) Rs. 2,59,620 (v) Rs. 1,76,466 (vi) Rs. 1,76,466.

6. Shri Rakesh Mahajan, Mahajan House, Panipat (i) 'I' (ii) 1976-77 (iii) Rs. 2,66,740 (iv) Rs. 2,61,750 (v) Rs. 1,77,034 (vi) Rs. 1,77,034.

7. Smt. Anita Nagrath, Panipat (i) 'I' (ii) 1976-77 (iii) Rs. 2,14, 510 (iv) Rs 2,18,580 (v) Rs. 1,44,866 (vi) Rs. 1,44,866.

8. Smt. Meenakshi Mahajan, Panipat (i) 'I' (ii) 1976-77 (iii) Rs. 2,79,960 (iv) Rs. 2,76,770 (v) Rs. 1,89,673 (vi) Rs. 1,89,673.

9. Shri M. M. Mahajan, Panipat (i) 'I' (ii) 1976-77 (iii) Rs. 2,36,320 (iv) Rs. 2,32,290 (v) Rs. 1,49,456 (vi) Rs. 1,49,456.

10. Smt. Kiran Garg Kishore House, Panipat (i) 'I' (ii) 1977-78 (iii) Rs. 2,16,130 (iv) Rs. 2,32,710 (v) Rs. 1,30,204 (vi) Rs. 1,30,204.

[F. No. 418(1)/78-79/HQ]

T. R. AGGARWAL, Commissioner of Income Tax

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय)

बंगलौर, 24 अगस्त, 1979

का०आ० 3815.—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के नियम 5 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं इसके द्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के मंडलीय भारी आधिकारिक सहायक समाहर्ताओं को भारत सरकार की दिनांक 24-7-79 की अधिसूचना संख्या 127/79 द्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के नियम 93(ख) के अधीन सभी तम्बाकू उत्पादों के निर्माताओं के रपत, बाहरी आवरण, तथा पर्चियों (लेबल) को अनुमोदित करने की, समाहर्ता की शक्तियों का प्रयोग करने का प्राधिकार प्रदान करता हूं।

2. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के उस समय प्रवृत नियम 93(ख) के अधीन मण्डलीय सहायक समाहर्ता को प्राधिकृत करने वाली इस समाहर्तालय की दिनांक 18-3-61 को जारी पहली अधिसूचना सं० 1/61 रद्द की जाती है।

[सं० 3/79]

आर०एन० शुक्ला, समाहर्ता

(Office of the Collector of Central Excise)

Bangalore, the 24th August, 1979

S.O. 3815.—In exercise of the powers conferred on me under Rule 5 of Central Excise Rules, 1944, I hereby empower the jurisdictional Assistant Collectors of Central Excise incharge of Divisions to exercise the powers of the Collector under the Rule 93-(b)(iii) of Central Excise Rules, 1944 inserted vide Government of India Notification No. 127/79-CE dated 24-3-79 to approve the wrappers, outer-coverings and labels of the manufacturers of all Tobacco Products.

2. This Collectorate earlier Notification No. 1/61 dated 18-3-61 empowering the Divisional Assistant Collectors of Central Excise under the then existed Rule 93(b) of Central Excise Rules, 1944 stands cancelled.

[No. 3/79]

R. N. SHUKLA, Collector

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 31 अक्तूबर, 1979.

का० आ० 3816.—भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण की संख्या अंत-नियमावली के नियम 59 (2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति श्री पी०के० कौल, अपर सचिव, वाणिज्य विभाग और भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण के अंश-कालिक निदेशक को 24 अक्तूबर, 1979 से प्राधिकरण के निदेशक बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करते हैं।

[क्रमांक 7/79(1/1/77-टी.एफ.)]

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Commerce)

New Delhi, the 31st October, 1979

S.O. 3816.—In exercise of the powers conferred under Article 59(2) of the Articles of Association of the Trade Fair Authority of India, the President is pleased to appoint Shri P. K. Kaul, Additional Secretary, Department of Commerce and part-time Director of the Trade Fair Authority of India, as Chairman of the Board of Director of the Authority with effect from 24th October, 1979

[S. No. 7/79(1/1/77-TF)]

का० आ० 3817.—भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण की संस्था अंतर्नियमावली के नियम 59 (7) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति श्री पी०के० कौल, अपर सचिव, वाणिज्य विभाग, को 24 अक्तूबर, 1979 से भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण प्रगति मैदान, नई दिल्ली के अंश-कालिक निदेशक के रूप में नियुक्त करते हैं ।

[क्रमांक 8/79(1/1/77-टी०एफ०)]

गिरीश धूमे, निदेशक

S.O. 3817.—In exercise of the powers conferred under Article 59(7) of the Articles of Association of the Trade Fair Authortiy of India, the President is pleased to appoint Shri P. K. Kaul, Additional Secretary, Department of Commerce, as a part-time Director of the Trade Fair Authority of India, Pragati Maidan, New Delhi, with effect from 24th October, 1979.

[S. No. 8/79 (1/1/77-TF)]

GIRISH DHUME, Director

आदेश

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1979

का० आ० 3818.—डा० प्रेम कुमार करौली, सुपुत्र स्वर्गीय डा० जे० एन०करौली, 666-बेगम बाग, मेरठ उत्तर प्रदेश को एक एन०पी० बोर पिस्तौल का आयात करने के लिए 900 रुपये का एक सीमा शुल्क निकासी परमिट सं० पी/जे/3056784/एन/एम एन/66/एच77/ए एल एस, दिनांक 22-2-78 जारी किया गया था। सीमा-शुल्क निकासी परमिट का दो बार 22-11-78 और 22-2-79 तक पुनर्वधीकरण किया गया था। डा० प्रेम कुमार करौली ने सीमा-शुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि प्रति के लिए आवेदन किया है क्योंकि मूल सीमा शुल्क प्रति खो गई है। आगे यह भी बताया गया है कि मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट किसी भी सीमा-शुल्क सदन में पंजीकृत नहीं कराया गया था और उपयोग में भी नहीं लाया गया था।

इस तर्क के समर्थन में डा० प्रेम कुमार करौली ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। उन्होंने सीमा-शुल्क निकासी परमिट को बाद में मिल जाने पर इस कार्यालय के रिकार्ड के लिए वापस करने की वचनबद्धता दी है। मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट रद्द किया गया समझा जाए ।

[मि०सं० 315-4/49/ए एम-78/ए एल एस/252]

ए०एन० चटर्जी, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 24th September, 1979

S.O. 3818.—Dr. Prem Kumar Caroli S/o. late Dr. J. L. Caroli, 666, Begum Bagh, Meerut, U.P. was granted Custom Clearance Permit No. P/J/3056784/N/MN/66/H/77/ALS dated 22-2-78 for Rs. 900 for import of One N. P. Bore Revolver. The C.C.P. was revalidated twice upto 22-11-78 & 22-2-79. Dr. Prem Kumar Caroli has applied for a duplicate copy of the Custom Clearance Permit as the original C.C.P. has been lost. It is further stated that the original C.C.P. was not registered with any Custom House and not utilised.

In support of this contention Dr. Prem Kumar Caroli has filed an affidavit. He has undertaken to return the C.C.P. if traced later to this office for record. I am satisfied that the original C.C.P. No. P/J/3056784/N/MN/66/H/77/ALS dated 22-2-78 has been lost and direct that a duplicate C.C.P. should be issued to him. The original Custom Clearance Permit may be treated as cancelled.

[F. No. 315-IV/49/AM78/ALS/252]

A. N. CHATTERJI, Dy. Chief Controller

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1979

का. आ. 3819.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार संभरण एवं निपटान के महा निदेशालय (निरीक्षण विंग) एन आई बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली को उससे उपबन्धित अनुसूची में विनिर्दिष्ट उस्मारोधी ईटों के निर्यात से पूर्व निरीक्षण के लिए अभिकरण के रूप में एक वर्ष की अवधि के लिए मान्यता देती है ।

अनुसूची

1. अग्निसह मिट्टी की उष्मासह ईटें
2. आधारभूत उष्मासह ईटें
3. सिलिका उष्मासह ईटें
4. अम्ल रोधी उष्मासह ईटें
5. सिलिमेनाईट ईटें
6. उच्च एलूमीना ईटें
7. उष्मारोधी ईटें ।

[5(5)/79-नि.नि. तथा नि.उ.]

सी. बी. कुकरेती, संयुक्त निदेशक

New Delhi, the 24th November, 1979

S.O. 3819.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby recognises for a period of one year the Directorate General of Supplies and Disposals (Inspection Wing), N. I. Building, Parliament Street, New Delhi as an agency for the inspection of Refractory Bricks specified in schedule annexed hereto, prior to export.

SCHEDULE

1. Fireclay Refractory Bricks
2. Basic Refractory Bricks,
3. Sillica Refractory Bricks
4. Acid Resisting Refractory Bricks
5. Sillimanite Bricks
6. High Alumina Bricks
7. Insulaxting Bricks.

[No. 5(5)/79-EI&EP]

C. B. KUKRETI, Jt. Director

(नागरिक पुर्ति विभाग)

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 1979-10-31

का०आ० 3820.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के नियम 3 के उपविनियम 2 तथा विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे 1976-09-30 को निर्धारित किए गए हैं :

अनुसूची

क्रम संख्या	निर्धारित भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा रद्द किए गए भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	अन्य विवरण
1	2	3	4
1.	IS : 398 (भाग 3)—1976 शिरोपरि पावर प्रेषण कार्यों के लिए एलुमिनियम चालक की विशिष्टि भाग 3 एलुमिनियम चालक, एलुमिनियम चढ़ी इस्पात प्रबलित (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 398—1961 शिरोपरि पावर प्रेषण कार्यों के लिए सक्त खिंचे लड़दार एलुमिनियम और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालकों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	—
2.	IS : 707—1976 इमारती लकड़ी के शिल्पविज्ञान और उपयोग सम्बन्धी शब्दावली (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 707—1968 इमारती लकड़ी और उससे बने समान सम्बन्धी शब्दावली (पहला पुनरीक्षण)	—
3.	IS : 1005—1976 खाने के उपयुक्त मक्की के खाद्य स्टार्च (कार्न फ्लोर) की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1005—1969 खाने के उपयुक्त मक्की के खाद्य स्टार्च (कार्न फ्लोर) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	31 अगस्त, 1976 को स्थापित हुआ "ISI" प्रमाणन चिह्न योजना के लिए IS : 1005—1969 30 नवम्बर, 1976 तक IS : 1005—1976 के साथ साथ लागू रहेगा ।
4.	IS : 1200 (भाग 3)—1976 इमारती और सिविल इंजीनियरी कार्यों की मापन पद्धतियां भाग 3 ईंट चिनाई (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 1200 (भाग 3)—1970 इमारती और सिविल इंजीनियरिंग कार्यों की मापन पद्धतियां भाग 3 ईंट चिनाई (दूसरा पुनरीक्षण)	—
5.	IS : 1448 (पी : 15)—1976 पेट्रोलियम और उसके उत्पादों की परीक्षण पद्धतियां भाग पी : 15 तांबे की पत्ती के बदरंग होने सम्बन्धी परीक्षण द्वारा पेट्रोलियम पदार्थों द्वारा तांबे के संक्षारण का पता लगाना (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1448 (पी : 15)—1968 पेट्रोलियम और उसके उत्पादों की परीक्षण पद्धतियां भाग पी : 15 तांबे की पत्ती का संक्षारण परीक्षण (पहला पुनरीक्षण)	—
6.	IS : 1538 (भाग 1 से 23)—1976 जल-मल और गैस के लिए दबावदार पाइप के ढलवां लोहे की फिटिंग की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1538—1969 जल-मल और गैस के लिए दबाव-दार पाइप के ढले लोहे की फिटिंग की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	31 अगस्त, 1976 को स्थापित हुआ ।
7.	IS : 1889 (भाग 1)—1976 नवीनीकृत सेलुलोज के तन्तुओं और सूत के द्विअंगी मिश्रणों की परिमाणात्मक रसायनिक विश्लेषण पद्धति भाग 1 सोडियम जिंकेट पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1889—1962 नवीनीकृत सेलुलोज के तन्तु और सूत के द्विअंगी मिश्रणों के परिमाणात्मक रसायनिक विश्लेषण पद्धति	—
8.	IS : 2052—1975 गाय-बैलों के लिए मिश्रित आहार की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 2052—1968 गाय-बैलों के लिए मिश्रित आहार की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	30 अप्रैल, 1976 को स्थापित हुआ ।
9.	IS : 2631—1976 आइसो प्रोपाइल अल्कोहल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2631—1964 आइसो प्रोपाइल अल्कोहल की विशिष्टि	—
10.	IS : 2667—1976 बिजली के तार लगाने की अनम्य इस्पात तार नालियों की फिटिंगों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2667—1964 बिजली के तार लगाने की अनम्य इस्पात तार नालियों की फिटिंग की विशिष्टि	—
11.	IS : 3314—1976 इस्पात के बने कपड़े रखने के लॉकर की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3314—1865 धातु के बने कपड़े रखने के लॉकर की विशिष्टि	—
12.	IS : 3419—1976 अनम्य अधात्विक तार नालियों की फिटिंगों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3419—1965 अनम्य अधात्विक तार नालियों की फिटिंगों की विशिष्टि	—

1	2	3	4
13.	IS : 3499 (भाग 2)—1976 आफिस के लिए धातु की कुर्सियों की विशिष्टि भाग 2 घूमने और झुकने वाली (पहला पुनरीक्षण)	IS : 349—1966 आफिस के लिए धातु की कुर्सियां (आफिस वाली) की विशिष्टि	—
14.	IS : 4021—1976 लकड़ी के दरवाजों, खिड़कियों और रोशनदानों के फ्रेम की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4021—1967 लकड़ी के दरवाजों, खिड़कियों और रोशनदानों के फ्रेम की विशिष्टि	—
15.	IS : 4159—1976 खनिजयुक्त खोलदार गरमाए एलीमेन्ट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4159—1967 खनिजयुक्त खोलदार गरमाने के एलीमेन्ट की विशिष्टि	—
16.	IS : 4880 (भाग 2)—1976 जलप्रवाही सुरंग की डिजाइन की रीति संहिता भाग 2 रेखागणित डिजाइन (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4880 (भाग 2)—1968 जलप्रवाही सुरंग की डिजाइन की रीति संहिता भाग 2 रेखागणित डिजाइन	—
17.	IS : 4926—1976 तैयार मिश्रित कंक्रीट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4926—1968 तैयार मिश्रित कंक्रीट की विशिष्टि	—
18.	IS : 5508 (भाग 17 और 18)—1976 मछली पकड़ने के साज सामान की संदर्शिका	—	—
19.	IS : 5786 (भाग 3)—1976 जड़े प्रतिरोधकों की विशिष्टि टाइप एफ आर 2 भाग 3 प्रतिरोधक	—	—
20.	IS : 5786 (भाग 4)—1976 जड़े प्रतिरोधकों की विशिष्टि भाग 4 टाइप एफ आर 3 प्रतिरोधक	—	—
21.	IS : 5786 (भाग 9)—1976 जड़े प्रतिरोधकों की विशिष्टि भाग 9 टाइप एफ आर 8 प्रतिरोधक	—	—
22.	IS : 7063 (भाग 4)—1976 पनारीदार फाइबर बोर्ड की परीक्षण पद्धति भाग 4 अलग करने के बाद अंगभूत कागजों का पदार्थ निर्धारण	—	—
23.	IS : 7906 (भाग 2)—1975 कुण्डलाकार कम्प्रेशन कमानियां भाग 2 गोल काट के तार और छड़ों से बने शीत कुण्डलित कमानी की विशिष्टि	—	31 अगस्त, 1976 को स्थापित हुआ ।
24.	IS : 7907 (भाग 1)—1976 सर्पिल एक्सटेंशन कमानियां भाग 1 गोल काट के तार और छड़ों से बनी कमानियों के लिए डिजाइन और गणना	—	31 अगस्त, 1976 को स्थापित हुआ ।
25.	IS : 7975 (भाग 2)—1976 हस्तचालित वर्गाकार चाल के साकेट रिंचों के चालक पुर्जों की विशिष्टि भाग 2 माप	—	—
26.	IS : 8061—1976, 650 वोल्ट तक की सर्विस लाइनों के डिजाइन, स्थापना और देखरेख की रीति संहिता	—	—
27.	IS : 8062 (भाग 2)—1976 इस्पात की बनी संरचनाओं के कैथोडीय बचाव की रीति संहिता भाग 2 भूमिगत पाइपलाइन	—	—
28.	IS : 8072—1976 सिवनालफोस, तकनीकी की विशिष्टि	—	—
29.	IS : 8081—1976 खाचेदार सेक्शनों की विशिष्टि	—	—
30.	IS : 8085 (भाग 1)—1976 जूतों आदि की परीक्षण पद्धतियां भाग 1 माप, फिटिंग और लेपकता परीक्षण	—	—
31.	IS : 8086—1976 बच्चों के माप की मुड़ने वाली पहियेदार कुर्सी की विशिष्टि	—	—
32.	IS : 8087—1976 ब्रीफकेसों की विशिष्टि	—	—
33.	IS : 8088—1976 हस्तचालित तीन पहियें की साइकिल की विशिष्टि	—	—

1	2	3	4
34.	IS : 8089—1976 औद्योगिक कारखाने में बाहरी सुविधाओं के विन्यास के लिए सुरक्षा रीतियों की संहिता	—	—
35.	IS : 8091—1976 औद्योगिक कारखाने के विन्यास की सुरक्षा रीतियों की संहिता	—	—
36.	IS : 8095—1976 दुर्घटना निवारक बिल्लों की विशिष्टि	—	—
37.	IS : 8096—1976 आग घापी की विशिष्टि	—	—
38.	IS : 8100—1976 छात्रों के जल-रंगों की विशिष्टि	—	—
39.	IS : 8101—1976 पोस्टर रंगों की विशिष्टि	—	—
40.	IS : 8112—1976 साधारण उपयोग के लिए उच्च सामर्थ्य पोर्टलैण्ड सीमेन्ट की विशिष्टि	—	—
41.	IS : 8113—1976 मक्खन की पैकेजबन्दी के लिए प्राथमिक दफ्ती के डिब्बों (कार्टनों) की विशिष्टि	—	—
42.	IS : 8115—1976 कीटनाशकों के लिए डबल पटसन के टाट बोरों की विशिष्टि	—	—
43.	IS : 8116—1976 मोपेड की तीलियां और तीलियों की घुंडियों की विशिष्टि	—	—
44.	IS : 8117—1976 कीटनाशकों के लिए दोहरे ताने वाले तिरपाल की परत लगे पटसन के बोरों की विशिष्टि	—	—
45.	IS : 8118—1976 डीजल गाड़ियों के लिए धुआं निकलने की सीमाएं	—	—
46.	IS : 8123—1976 कटे फल, फलों का रस और फलों की सलाद की बिक्री के लिए सफाई स्थितियों की संहिता	—	—
47.	IS : 8126—1976 लकड़ी एवं धातु की दफ्तर की मेजों की विशिष्टि	—	—
48.	IS : 8128—1976 फेराब्यूफ नमूने के एलिवेटर की विशिष्टि	—	—
49.	IS : 8129—1976 स्कॉट नमूने की वक्र टान्सिल धमनी की फोर्सेप्स की विशिष्टि	—	—
50.	IS : 8137—1976 साधारण केलिको करघों की कमानी की विशिष्टि	—	—
51.	IS : 8158—1976 बोमैन नमूने की आंख डिससिशन (विपाटन) की सलाई की विशिष्टि	—	—

इन भारतीय मानकों की प्रतियां मूल्य पर भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9-बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 में उपलब्ध हैं और उसके अहमदाबाद, बंगलौर, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास, पटना व त्रिवेन्द्रम शाखा कार्यालयों से प्राप्त की जा सकती है।

[सं० सी० एम० डी० 13 : 2]

(Department of Civil Supplies)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 1979-10-31

S. O. 3820.—In pursuance of Sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1976-09-30 :

SCHEDULE

Sl. No.	No and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 398 (P III)-1976 Aluminium conductors for overhead transmission purposes Part III Aluminium conductors, aluminized steel reinforced (second revision)	IS : 398-1961 Specification for hard-drawn stranded aluminium and steel-cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes (revised)	—
2.	IS : 707-1776 Glossary of terms applicable to timber technology and utilisation (second revision)	IS : 707-1968 Glossary of terms applicable to timber and timber products (first revision)	—
3.	IS : 1005-1967 Specification for edible maize starch (corn flour) (second revision).	*IS : 1005-1969 Specification for edible maize starch (corn flour) (first revision)	Established on 1976-08-31 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme ; IS : 1005-1969 shall run corcurrenetly with IS: 1005-1976 upto 1976-11-30.
4.	IS : 1200 (Pt. III) -1976 Method of Measurement of building and civil engineering works (Pt III Brickwork (third revision)	IS : 1200 (Pt III)-1970 Method of measurement of building and civil engineering works Pt III Brickwork (second revision)	—
5.	IS : 1448 (P : 15)-1976 Methods of test for petroleum and its products P : 15 Detection of copper corrosion from petroleum products by the copper strip tarnish test (second revision)	IS : 1448 (P : 15)-1968 Methods of test for petroleum and its products P : 15 Copper strip corrosion test (first revision)	—
6.	IS - 1538 (Pt I to XXIII)-1976 Specification for cast iron fittings for pressure pipes for water, gas and sewage (second revision)	IS : 1538-1967 Specification for cast iron fittings for pressure pipes for water, gas and sewage (first revision))	Established on 1976-8-31
7.	IS : 1889 (Pt I)-1976 Method for quantitative chemical analysis of binary mixture of regenerated cellulose fibres and cotton Pt I sodium zincate method (first revision)	IS : 1889-1962 Method for quantitative chemical analysis of binary mixtures of regenerated cellulose fibres and cotton.	—
8.	IS : 2052-1975 Specification for compounded feeds for cattle (second revision)	IS : 2052-1968 Specification for compounded feeds for cattle (first revision)	Established on 1976-04-30
9.	IS : 2631-1976 Specification for isopropyl alcohol (first revision)	IS : 2631-1964 Specification for isopropyl alcohol	—
10.	IS : 2667-1976 Specification for fittings for rigid steel conduits for electrical wiring (first revision)	IS : 2667-1964 Specification for fittings for rigid steel conduits for electrical wiring	—
11.	IS : 3314-1976 Specification for steel clothes lockers (first revision)	IS : 3314-1965 Specification for metal clothes lockers	—
12.	IS : 3419-1976 Specification for fittings for rigid non-metallic conduits (first revision)	IS : 3419-1965 Specification for fittings for rigid non-metallic conduits	Established on 1976-08-31
13.	IS : 3499 (Pt II)-1976 Specification for metal chairs for office purposes Pt II Revolving and tilting (first revision)	IS : 3499-1966 Specification for metal chairs (office type)	—
14.	IS : 4021-1976 Specification for timber door, window and ventilator frames (first revision)	IS : 4021-1967 Specification for timber door, window and ventilato. frames	Established on 1976-06-30
15.	IS : 4159-1976 Specification for mineral filled sheathed heating elements (first revision)	IS : 4159-1967 Specification for mineral filled sheathed heating elements	Established on 1976-07-31
16.	IS : 4880 (Pt III)-1976 Code of practice for design of tunnels conveying water Pt II Geometric design (first revision)	IS : 4880 (Pt III)-1968 Code of practice for design of tunnels conveying water Pt II Gometric design	
17.	IS : 4926-1976 Specification for ready-mixed concrete (first revision)	IS : 4926-1968 Sp. cification for ready-mixed concrete	

1	2	3	4
18.	IS: 5508 (Pts XVII and XVIII) -1976 Guide for fishing gear		—
19.	IS : 5786 (Pt III)-1976 Specification for fixed resistors Pt III Resistors type FR 2	—	—
20.	IS : 5786 (Pt IV)-1976 Specification for fixed resistors Pt IV Resistors type FR 3	—	—
21.	IS : 5786 (Pt IX)-1976 Specification for fixed resistors Pt IX Resestor type FR8	—	—
22.	IS : 7063 (Pt IV)-1976 Method of test for corrugated fibre board Pt IV Determination of substance of the component papers after separation	—	—
23.	IS : 7906 (Pt II)-1975 Helical compression springs Pt II Specification for cold coiled springs made from circular section wire and bar.	—	Established on 1976-08-31
24.	IS : 7907 (Pt I)-1976 Helical extension springs Pt I Design and calculation for springs made from circular section wire and bar.	—	Established on 1976-08-31
25.	IS : 7975 (Pt II)-1976 Specification for driving parts for hand operated square drive socket wrenches Pt II Dimensions	—	—
26.	IS : 8061-1976 Code of practice for design, installation and maintenance of service lines up to and including 650 V	—	—
27.	IS : 8062 (Pt II)-1976 Code of practice for cathodic protection of steel structures Pt II Underground-pipelines	—	
28.	IS : 8072-1976 Specification for quinalphos, technical	—	
29.	IS : 8081-1976 Specification for slotted sections	—	—
30.	IS : 8085 (Pt I)-1976 Methods of test for footwear PT I Dimensions, fitting and adhesion test	—	—
31.	IS : 8086-1976 Specification for wheel chair, folding type, junior size	—	—
32.	IS : 8087-1976 Specification for brief cases	—	—
33.	IS : 8088-1976 Specification for tricycle, hand propelled	—	—
34.	IS : 8089-1976 Code of safe practice for layout of outside facilities in an industrial plant.	—	—
35.	IS : 8091-1976 Code of safe practice for industrial plant layout.	—	—
36.	IS : 8095-1976 Specification for accident prevention tags.	—	—
37	IS : 8096-1976 Specification for fire beater	—	—
38	IS : 8100-1976 Specification for water colours for students		—
39	IS : 8101-1976 Specification for poster colours		—
40	IS : 8112-1976 Specification for high strength ordinary portland cement	—	—
41.	IS : 8113-1976 Specification for primary cartons for packaging butter.	—	—
42.	IS : 8115-1976 Specification for double hessian jute bags for pesticides.	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
43.	IS : 8116-1976 Specification for moped spokes and nipples for spokes.	—	—
44.	IS : 8117-1976 Specification for DW tarpaulin laminated jute bags for pesticides.	—	—
45.	IS - 8118-1976 Smoke emission levels for diesel vehicles.	—	—
46.	IS : 8123-1976 Code of hygienic conditions for sale of cut-fruits, fruit juice and fruit salad.		
47.	IS : 8126-1976 Specification for composite office tables	—	—
48.	IS : 8128-1976 Specification for elevator, Farabeuf's pattern.	—	—
49.	IS : 8129-1976 Specification for forceps, tonsil artery, curved, scott's pattern.		—
50.	IS : 8137-1976 Specification for springs for plain calico looms.	—	—
51.	IS : 8158-1976 Specification for needle, eye, discission, Bowman's pattern.	—	—

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, N. Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chndigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 2]

का०आ० 3821.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के नियम 3 के उपविनियम 2 तथा विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, 1976-10-31 को निर्धारित किए गए हैं :

अनुसूची

क्रम संख्या	निर्धारित भारतीय मानक का पदनाम और शीर्षक.	नवीन भारतीय मानक द्वारा निरस्त भारतीय मानक अथवा मानकों के पदनाम और शीर्षक, यदि हों	कैफियत
1	2	3	4
1.	*IS : 366—1976 बिजली की इस्तरियों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 366—1965 बिजली की इस्तरियो की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	1976-08-31 को निर्धारित भा० मा० संस्था प्रमाणन चिह्न *योजना कार्यों के लिए IS : 366—1976 दिनांक 1977-01-01 से लागू होगा ।
2.	IS : 376—1978 सोडियम हाइड्रोक्साइड, विश्लेषक प्रतिकर्मक की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 376—1969 सोडियम हाइड्रोक्साइड विश्लेषक प्रतिकर्मक की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—
3.	IS : 581—1976 वनस्पति कमाए द्रविक चमड़े की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 581—1962 वनस्पति कमाए द्रविक चमड़े की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	—
4.	IS : 838—1976 सूती छल्ला कताई फ्रेमों के लिये टीन बेलनों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 838—1962 सूती छल्ला कताई फ्रेमों के लिये टीन बेलनों की विशिष्टि	—
5.	IS : 1569—1976 उच्च दाब पारा और अल्प दाब सोडियम भाप विसर्जन वाले प्रतिदीप्त ट्यूबों के परिपथों में प्रयुक्त कैपेसिटरों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1569—1963 विद्युत विसर्जन ट्यूबों (प्रतिदीप्त और पारा वाष्प) के कैपेसिटरों की विशिष्टि	1976-09-31 को निर्धारित
6.	IS : 2510—1976 ड्राफ्टिंग तन्त्र के निचले बेलनों की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 2510—1971 सूती छल्ला कताई बुनाई और गति फ्रेमों के निचले बेलनों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—
7.	IS : 2652—1976 लेक्लांचे टाइप प्रारम्भिक बैटरियों के टर्मिनल की अनुसूची	IS : 2652—1964 लेक्लांचे टाइप प्रारम्भिक बैटरियों के टर्मिनल की अनुसूची	—

1	2	3	4
8.	IS : 3020--1976 ऑयल सीलों के चमड़े की विशिष्टि	IS : 3020--1964 ऑयल सीलों और वाशरों के चमड़े की विशिष्टि	--
9.	IS : 3495 (भाग 1 से 4 तक)--1976 मिट्टी की पकी इमारती ईंटों की परीक्षण पद्धतियां (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 3495 (भाग 1 से 4 तक)--1973 मिट्टी की पकी इमारती ईंटों की परीक्षण पद्धतियां (पहला पुनरीक्षण)	--
10.	IS : 4260--1976 फेरिटिक इस्पात में वेल्डों के पराश्रव्य परीक्षण का सिफारिशी रीति (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4260--1967 फेरिटिक इस्पात में वेल्डों के पराश्रव्य परीक्षण का सिफारिशी रीति	--
11.	IS : 4470--1976 ताना बनाने की सम्पूर्ण धातु की लीजिंग रीड़ों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4470--1976 ताना बनाने की सम्पूर्ण धातु की लीजिंग रीड़ों के लिए विशिष्टि	-- 1976-07-31 को निर्धारित
12.	IS : 5045--1976 मेटानिलिक अम्ल, तकनीकी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5045--1976 मेटानिलिक अम्ल, तकनीकी की विशिष्टि	--
13.	IS : 5786 (भाग 6)--1976 जड़े प्रतिरोधित्र; भाग 6 प्रतिरोधित्र टाइप एक और 5 की विशिष्टि	--	--
14.	IS : 7416 (भाग 11)--1976 टी वी फेर्राइट पुर्जों के आयाम : भाग 11 वालुन कोर	--	--
15.	IS : 8063--1976 विस्फोटक तथा आतिशबाजी उद्योग के लिए रेड लेड की विशिष्टि	--	--
16.	IS : 8080--1976 चांदी का पानी चढ़े तांबे के तार की विशिष्टि	--	--
17.	IS : 8090--1976 अग्नि शमन वाली होज रील नली में प्रयुक्त होने वाले कपलिंगों, शाखा पाइप, नोजल की विशिष्टि	--	--
18.	IS : 8098 (भाग 1)--1976 स्वचल वाहनों की बाड़ियों को फिनिश देने की रीति संहिता : भाग 1 सवारी कार को फिनिश देना	--	--
19.	IS : 8104--1976 स्कोविले ऊष्मा इकाइयों द्वारा मिर्चों की तीक्ष्णता की परीक्षण पद्धतियां	--	--
20.	IS : 8105--1976 स्कोविले ऊष्मा इकाइयों द्वारा काली मिर्च की तीक्ष्णता की लिए ऐंद्रिक मूल्यांकन पद्धति	--	--
21.	IS : 8111--1976 डाई मिथाइल एनीलीन की विशिष्टि	--	--
22.	IS : 8114--1976 लघु वायुयानों के नोदक हबों के आयामों के अनुसार मशीन करने की संदर्शिका	--	--
23.	IS : 8119--1976 तांबे की पर्त चढ़ी इस्पात नलिका की विशिष्टि	--	--
24.	IS : 8120--1976 शीफर्स अम्ल (सोडियम लवण) तकनीकी की विशिष्टि	--	--
25.	IS : 8124--1976 गन्ने के रस की बिक्री सम्बन्धी सफाई स्थितियों की संहिता	--	--
26.	IS : 8127--1976 दाब औज़ार सेटों के गाइड बुशों की विशिष्टि	--	--
27.	IS : 8131--1976 मशीनी औज़ारों की गोल मेजों (630 मिमी व्यास तक की मेज़) के परीक्षण चार्ट	--	--
28.	IS : 8132--1976 कृषि ट्रैक्टरों एवं यंत्रों के लिए प्रचालक मैनुअल तथा तकनीकी प्रकाशनों के प्रस्तुतीकरण सम्बन्धी मार्गदर्शन	--	--

1	2	3	4
29.	IS : 8133—1976 कृषि ट्रैक्टरों एवं यंत्रों के प्रचालक नियंत्रकों के स्थान निर्धारण तथा प्रचालन सम्बन्धी मार्गदर्शन	—	—
30.	IS : 8134—1976 मध्यवर्ती अति अपघर्षण भट्टी (आई ए एस एफ) की कालिख की विशिष्टि	—	—
31.	IS : 8139—1976 करघो के पिकिंग कोन तथा कावलों की विशिष्टि	—	—
32	IS : 8145—1976 स्थिर सापेक्षिक आर्द्रता के लिए अन्तःक्षेपणेतर प्रकार के परीक्षण चैम्बरों के लिए विशिष्टि	—	—
33.	IS : 8146—1976 प्रेक्षागृह में अनुरणन काल मापन की पद्धति	—	—
34.	IS : 8153—1976 ताजे फलों के ऐंद्रिक मूल्यांकन की पद्धति	—	—
35.	IS : 8154—1976 पूर्व रूपित केल्सियम सिलिकेट रोधन (650 सें० तापमान तक के लिए) की विशिष्टि	—	—
36.	IS : 8155—1976 पोर्टफोलियों की विशिष्टि	—	—
37.	IS : 8159—1976 आकृति लक्षणों तथा ध्रुवीय आरेखों के आलेखन के पैमानों और आकारों की विशिष्टि	—	—
38.	IS : 8167—1976 लोह अयस्क तथा सिन्टर की खण्डनीयता निर्धारण पद्धति	—	—
39.	IS : 8170—1976 निर्यात के लिए फिनिशकृत चमड़े की पहचान सम्बन्धी मार्गदर्शन	—	—
40.	IS : 8171—1976 पॉलिशों और सम्बद्ध सामग्रियों सम्बन्धी शब्दावली	—	—
41.	IS : 8172—1976 ऊर्ध्व इस्पात सीढ़ियों की विशिष्टि	—	—
42.	IS : 8180—1976 धुलाई के लिए संश्लिष्ट अपमार्जक टिकियों की विशिष्टि	—	—
43.	IS : 8190 (भाग 2)—1976 कीटनाशकों की पैकिंग सम्बन्धी अपेक्षाएं, भाग 2 द्रव कीटनाशक	—	—
44.	IS : 8202—1976 मरोड़दार (रेम्शार्न) हत्थों रहित बढ़इयों के लकड़ी के नोज रन्दों की विशिष्टि	—	—
45.	IS : 8203—1976 बढ़इयों के लकड़ी के बने नोज रन्दों की विशिष्टि	—	—
46.	IS : 8204—1976 बढ़इयों के लकड़ी के बने जैक रन्दों की विशिष्टि	—	—
47.	IS : 8205—1976 बढ़इयों के लकड़ी के बने ट्राई रन्दों की विशिष्टि	—	—
48.	IS : 8206—1976 बढ़इयों के लकड़ी के बने चिकनाने के रन्दों की विशिष्टि	—	—
49.	IS : 8207—1976 रोंगर वस्त फोर्सेप्स की विशिष्टि	—	—

इन भारतीय मानकों की प्रतियां भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9-बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 में तथा अहमदाबाद, बंगलौर, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास, पटना और त्रिवेन्द्रम स्थित उसके शाखा कार्यालयों से खरीदी जा सकती हैं ।

[सं० सी० एम० डी० 13 : 2]

S. O. 3821.—In pursuance of Sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1976-10-31 :

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	*IS : 366-1976 Specification for electric irons (Second Revision).	IS : 366-1965 Specification for electric irons (revised)	Established on 1976-08-31 *For purposes of ISI certification Marks Scheme : IS : 366-1976 shall come into force with effect from 1977-01-01
2.	IS : 376-1976 Specification for sodium hydroxide, analytical reagent (Second Revision)	IS : 376-1969 Specification for sodium hydroxide, analytical reagent (first revision)	—
3.	IS : 581-1976 Specification for vegetable tanned hydraulic leather (Second Revision).	IS : 581-1962 Specifiaction for vegetable tanned hydraulic leather (revised).)	—
4.	IS : 838-1976 Specification for tin rollers for cotton ring spinning frames (First revision).	IS : 838-1962 Specification for tin rollers for cotton ring spinning frames.	
5.	IS : 1569-1976 Specification for capacitors for use in tabular fluorescent, high pressure mercury and low pressure soldum vapour discharge lamp circuits (First revision).	IS : 1569-1963 Specification for capacitors for electric discharge lamps (fluorescent and mercury vapour).	Established on 1976-09-31
6.	IS : 2510-1976 Specification for bottom rollers for drafting systems (Third revision).	IS : 2510-1971 Specification for bottom rollers for cotton ring spinning and speed frames (second revision).	—
7.	IS :2652-1976 Schedule of terminals for leclanche type primary batteries.	IS : 2652-1964 Schedule of terminals for leclanche type primary batteries.	—
8.	IS : 3020-1976 Specification for leather for oil seals (First Revision).	IS : 3020-1964 Specification for leather for oil seals and washers.	—
9.	IS : 3495 (Parts I to IV)-1976 Methods of tests of burnt clay building bricks (Second Revision).	IS : 3495 (Parts I to IV)-1973 Method of tests for clay building bricks(first revision).	—
10.	IS : 4260-1976 Recommended practice for ultrasonic testing of welds in ferritic steel (First revision).	IS : 4260-1967 Recommended practice for ultrasonic testing of welds in ferritic steel.	—
11.	IS : 4470-1976 Specification for all-metal leasing reeds for warping (First revision).	IS : 4470-1967 Specification for all-metal lessing reeds for warping.	Established on 1976-07-31
12.	IS : 5045-1976 Specification for metanilic acid, technical (First revision).	JS : 5045-1976 Specification for metanilic acid, technical.	—
13.	IS : 5786 (Part VI)-1976 Specification for fixed resistors Part VI Resistors type FR-5.	—	—
14.	IS : 7416 (Part XI)-1976 Dimensions for TV ferrite components : Part XI Balun core.	—	—
15.	IS : 8063-1976 Specification for red lead for explosive any pyrotechnic industry.	—	
16.	IS : 8080-1976 Specification for silver coated copper wire.	—	—
17.	IS : 8090-1976 Specification for couplings, branch pipe, nozzle used in hose reel tubing for fire fighting.	—	
18.	IS : 8098 (Part I)-1976 Code of practice for finishing of automobile bodies : Part I Finishing of passenger car.	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
19.	IS : 8104-1976 Method of test for pungency of chillies by scoville heat units.	—	—
20.	IS : 8105-1976 Method for sensory evaluation of pungency of black pepper by scoville heat units.	—	—
21.	IS : 8111-1976 Specification for N, N-dimethylaniline	—	—
22.	IS : 8114-1976 Guidelines for machining dimensions of propeller hubs for small craft	—	—
23.	IS : 8119-1976 Specification for copper brazed steel tubing	—	—
24.	IS : 8120-1976 Specification for schaeffer's acid (sodium salt), technical	—	—
25.	IS : 8124-1976 Code of hygienic conditions for sale of sugarcane juice	—	—
26.	IS : 8127-1976 Specification for guide bushes for press tool sets	—	—
27.	IS : 8131-1976 Test chart for circular tables for machine tools (table diameter up to 630 mm)	—	—
28.	IS : 8132-1976 Guidelines for presentation of operator manuals and technical publications for agricultural tractors and machinery	—	—
29.	IS : 8133-1976 Guidelines for location and operation of operator controls on agricultural tractors and machinery	—	—
30.	IS : 8134-1976 Specification for intermediate super abrasion furnace (ISAF) carbon black	—	—
31.	IS : 8139-1976 Specification for picking cone and bolt for looms	—	—
32.	IS : 8145-1976 Specification for test chambers of non-injection type for constant relative humidity	—	—
33.	IS : 8146-1976 Method of measurement of reverberation time in auditoria	—	—
34.	IS : 8153-1976 Method for sensory evaluation of fresh fruits	—	—
35.	IS : 8154-1976 Specification for preformed calcium silicate insulation (for temperature up to 650°C)	—	—
36.	IS : 8155-1976 Specification for portfolios	—	—
37.	IS : 8159-1976 Specification for scales and sizes for plotting frequency characteristics and polar diagrams	—	—
38.	IS : 8167-1976 Method for determination of reducibility of iron ore and sinter	—	—
39.	IS : 8170-1976 Guidelines for identification of finished leathers for export	—	—
40.	IS : 8171-1976 Glossary of terms relating to polishes and related materials	—	—
41.	IS : 8172-1976 Specification for vertical steel ladders	—	—
42.	IS : 8180-1976 Specification for synthetic detergent tablets for laundry use	—	—
43.	IS : 8190 (Pt II)—1976 Requirements for packing of pesticides Part II Liquid pesticides	—	—
44.	IS : 8202-1976 Specification for carpenter's wooden bodied nose planes without ramshorn handle	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
45.	IS : 8203-1976 Specification for carpenter's wooden bodied nose planes	—	—
46.	IS : 8204-1976 Specification for carpetner's wooden bodied jack planes	—	—
47.	IS : 8205-1976 Specification for carpenters' wooden bodied try planes	—	—
48.	IS : 8206-1976 Specification for carpenter's wooden bodied smoothing planes	—	—
49.	IS : 8207-1976 Specification for forceps, Rongeur, dental	—	—

Copies of these, Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch office at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No.CMD/13 : 2]

का० आ० 3822.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे दिए गए हैं वे 1976-11-30 की अवधि में निर्धारित किए गए हैं –

अनुसूची

क्रम संख्या	निर्धारित भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा निष्प्रभावित भारतीय मानक यदि हो की, पद सं० और शीर्षक	संक्षिप्त विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 455–1976 पोर्टलैंड स्लैग सीमेंट की विशिष्टि (सीसरा पुनरीक्षण)	IS : 455–1967 पोर्टलैंड फुकवा भट्टी स्लैग सीमेंट (दूसरा पुनरीक्षण)	—
2.	IS : 1200(भाग 4)–1976 भवन निर्माण तथा सिविल इंजीनियरी निर्माणों के मापन की पद्धति भाग 4 पत्थर चिनाई (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 1200(भाग 4)–1970 भवन निर्माण तथा सिविल इंजीनियरी निर्माणों के मापन की पद्धति भाग 4 पत्थर चिनाई । (दूसरा पुनरीक्षण)	
3.	IS : 1381(भाग) 1)–1976 उबालने के फ्लास्कों की विशिष्ट भाग 1 सादी गरदन वाले फ्लास्क (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1381–1959 उबालने के फ्लास्कों (संकरी गरदन वाले) की विशिष्ट	—
4.	IS : 1448(पी:85)–1976 पेट्रोलियम और उसके उत्पादों (बी०:85 की) परीक्षण पद्धतियां ग्रीजों के भंडारण में तेल विलगन ।	—	—
5.	IS : 1489–1976 पोर्टलैंड पोस्सोलाना सीमेंट की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1489–1976 पोर्टलैंड पोस्सोलाना सीमेंट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1976-09-30 को स्थापित
6.	IS : 1956(भाग 7)–1976 लोहा और इस्पात संबंधी शब्दावली भाग 7 पिटवां लोहा (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1956–1962 लोहा और इस्पात संबंधी शब्दावली	—
7.	IS : 1956(भाग 8)–1976 लोहा और इस्पात संबंधी शब्दावली भाग 8 इस्पात ट्यूब और पाइप (पहला पुनरीक्षण)		—
8.	IS : 2081(भाग 1)–1976 स्वचल वाहनों की बैटरियों के गावबुम टर्मिनल वाले केबल कनेक्टरों की विशिष्टि भाग–1 पीतल वाले कनेक्टर (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2081–1962 स्वचल वाहन की बैटरियों के गावबुम टर्मिनल केबल कनेक्टर की विशिष्ट	—
9.	IS : 2163–1976 कार्बाइड टिप लगे एक प्वाइंट वाले टर्निंग औजार की विशिष्टि	IS : 2163–1963 टिप लगे एक प्वाइंट वाले टर्निंग औजार की विशिष्टि	—

(1)	(2)	(3)	(4)
10.	IS : 2206(भाग 2)–1976 ज्वाला रोधी विद्युत प्रकाश फिटिंगों की विशिष्टि भाग 2 कांच नलिका वाले फिटिंग	—	—
11.	IS : 2492–1976 सड़क द्वारा दूध लाने के स्टेनलेस इस्पात के टैंकरों की विशिष्टि	IS : 2492–1963 सड़क द्वारा दूध लाने के टैंकरों की विशिष्टि	—
12.	IS : 2898–1976 रोलिंग बेयरिंगों में प्रयुक्त इस्पात छरों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2898–1965 क्रोमियम मिश्र इस्पात छरों की विशिष्टि	—
13.	IS : 3400(भाग 18)–1976 वल्कनीकृत रबड़ों की परीक्षण पद्धतियां भाग 18 कम ताप पर कड़ापन (जेहयन परीक्षण)	—	—
14.	IS : 3400(भाग 19)–1976 वल्कनीकृत रबड़ों की परीक्षण पद्धतियां भाग 19 गैसों की पारगम्यता (सम आयतन पद्धति)	—	—
15.	IS : 4116–1976 लकड़ी की खानेदार अलमारियां (घटबढ़ सकने वाली) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4116–1967 लकड़ी की खानेदार अलमारियों (घटबढ़ सकने वाली) की विशिष्टि	—
16.	IS : 4696 (भाग 1)–1976 धारे के दांतों के माप भाग 1 बुनियादी और डिजाइन रूप रेखायें (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4696–1968 धारे के दांतों के बुनियादी माप	—
17.	IS : 4696 (भाग 3)–1976 धारे के दांतों के माप भाग 3 बुनियादी माप (पहला पुनरीक्षण)	—	—
18.	IS : 5786 (भाग 2)–1976 स्थिर प्रतिरोधकों की विशिष्टि भाग 2 प्रतिरोधक टाइप एफ आर।	—	—
19.	IS : 5786 (भाग 5)–1976 स्थिर प्रतिरोधकों की विशिष्टि भाग 5 प्रतिरोधक टाइप एफ आर 4	—	—
20.	IS : 5786 (भाग 8)–1976 स्थिर प्रतिरोधकों की विशिष्टि भाग 8 प्रतिरोधक टाइप एफ आर 8	—	—
21.	IS : 5878 (भाग 5)–1976 पानी पहुंचाने की सुरंगों के निर्माण की रीति संहिता भाग 5 कंक्रीट अस्तर वाली (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5878 (भाग 5)–1971 सुरंगों के निर्माण की रीति संहिता भाग 5 कंक्रीट अस्तर वाली	—
22.	IS : 7063 (भाग 2)–1976 पनारीदार फाइबर बोर्ड की परीक्षण पद्धतियां भाग 2 गर्तों की किनारों पर से दलन प्रतिरोधिता।	—	—
23.	IS : 7063 (भाग 3)–1976 पनारीदार फाइबर बोर्ड की परीक्षण पद्धतियां भाग 3 डुबाने पर सरेस जोड़ की जल प्रतिरोधिता	—	—
24.	IS : 7092 (भाग 2)–1976 सिंचाई कार्यों के लिए मिश्र एलुमिनियम की नलियां की विशिष्टि (भाग 2) बस कड़वां नली (पहला पुनरीक्षण)	IS : 7092–1973 सिंचाई कार्यों के लिए मिश्र एलुमिनियम की नलियों की विशिष्टि	—
25.	IS : 7326 (भाग 3)–1976 पनबिजली केन्द्रों और तलों के लिए जल कपाट और टरबाइन प्रवेश मार्गों के बटरफ्लाई वाल्व भाग 3 प्रचालन और अनुरक्षण संबंधी सिफारिशें।	—	—
26.	IS : 7356 (भाग 2)–1976 मिट्टी तथा शैल बांधों में छिद्र दबाव मापन उपकरणों के संस्थापन, प्रेक्षण तथा अनुरक्षण की रीति संहिता भाग 2 दोहरी नली वाले द्रव चालित दाब मापी	—	—

1	2	3	4
27	IS 7785 (भाग 2)-1976 हवाई अड्डो पर ऊंचाई पर लगे प्रकाश फिटिंग की विशिष्टि भाग 2 धावन मार्ग के किनारो पर स्थिर फोकस वाली उच्च तीव्रता वाली द्विदिश प्रकाश फिटिंग	—	—
28	IS 7785 (भाग 3)-1976 हवाई अड्डो पर ऊंचाई पर लगे प्रकाश फिटिंग की विशिष्टि भाग 3 धावन मार्ग के किनारो पर मन्द तीव्रता प्रकाश फिटिंग ।	—	—
29	IS 7877-(भाग 1 से 5 तक))-1976 हाथ के बने गलीचो की बानगी लेने की और परीक्षण पद्धतिया	—	—
30	IS 8066-1976 खानो मे प्रयुक्त कारो की विशिष्टि	—	—
31	IS 8073-1976 इस्पात सयत्रो के नि स्रावो की उपचार और व्ययन संदर्शिका	—	—
32.	IS 8084-1976 1. किवा से और 36 किवा० तक एसी वोल्टता के लिए अन्तर्संबधी बसबारो की विशिष्टि	—	—
33	IS 8062 (भाग 1)-1976 इस्पात सरचनाओ की कैथोडी सुरक्षा की रीति संहिता भाग 1 सामान्य सिद्धात	—	—
34.	IS 8121-1976 भीगी नील स्थिति मे क्रोमित सफ किए क्रोम का खाल की विशिष्टि	—	—
35.	IS 8122 (भाग 1)-1976 कटाई एव मढाई संयुक्त मशीन की परीक्षण संहिता भाग 1 शब्दावली	—	—
36	IS 8125-1976 सीमेंट घूर्णक भट्टो, घटको और सहायकांगो के आयाम और सामग्री (निलम्बन पूर्व तापयुक्त शुष्क विधि)	—	—
37.	IS 8135-1976 द्रुत काढत भट्टो की कालिख की विशिष्टि	—	—
38	IS 8138-1976 करघो के पिकिंग नोज बॉस और गोम की विशिष्ट	—	—
39	IS 8140-1976 खाद्य और पेय पदार्थों के ऐन्द्रिक मूल्यांकनार्थ विज्ञदल चयन संदर्शिका	—	—
40	IS 8143-1976 प्रतिरोधिता बक्सो के प्लगो और कुजियों की विशिष्टि	—	—
41.	IS 8149-1976 कार्बन डाई-ऑक्साइड अग्नि शामक युग्म (ट्राली पर लगे) संबधी कायकारी अपेक्षाएं	—	—
42.	IS: 8152-1976 ध्वनि भरने और फिर बजाने के उपकरणो मे गति की घटबढ़ मापन पद्धति	—	—
43.	IS: 8156-1976 संश्लिष्ट हुक एव छल्ला फीता वाले बधनों की विशिष्टि	—	—
44.	IS. 8160-1976 स्पर्शज्या धारामापियो की विशिष्टि	—	—
45.	IS 8162-1976 गेहूं के आटे मे नम ग्लूटेन की मात्रा ज्ञात करने की पद्धति	—	—
46	IS. 8168-1976 खाद्य पदार्थों मे उपलब्ध लाइसीन की मात्रा ज्ञात करने की पद्धति	—	—
47.	IS 8173-1976 छोटे जहाजो मे नोदको के शाफ्ट की विशिष्टि		
48	IS 8178 (भाग 2)-1976 आई एस ओ सिरीज उष्माधारकों की विशिष्टि भाग 2 परीक्षण	—	—
49.	IS 8179-1976 बागवानी के हस्त खुरपो की विशिष्टि	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
50.	IS : 8183-1976 चिपके खनिज रेशों (ऊन) की विशिष्टि	—	—
51.	IS : 8190 (भाग 1)-1976 कीट नाशकों के पैक करने संबंधी अपेक्षाएं	—	—
52.	IS : 8193-1976 2—नाइट्रोक्लोरोबेंजीन की विशिष्टि	—	—
53.	IS : 8194-1976 3—नाइट्रोक्लोरोबेंजीन की विशिष्टि	—	—
54.	IS : 8195-1976 4—नाइट्रोक्लोरोबेंजीन की विशिष्टि	—	—
55.	IS : 8196-1976 2, 4-डाई नाइट्रोजन टालुईन की विशिष्टि	—	—
56.	IS : 8200-1976 विद्युत कर्षण में उपयोग के लिए टॉगल स्विचों की विशिष्टि	—	—
57.	IS : 8209-1976 बढ़इयों के लकड़ी के ढांचे वाले रंदों की पत्ती और टोपी की विशिष्टि	—	—
58.	IS : 8211-1976 खाद्य सोया-प्रोटीन आइसोलेट की विशिष्टि	—	—
59.	IS : 8212-1976 मूंगफली प्रोटीन आइसोलेट की विशिष्टि	—	—
60.	IS : 8213-1976 कृषि उपयोगी ट्रेलरों की विशिष्टि	—	—
61.	IS : 8216-1976 लिफ्टों के तार के रस्सों की निरीक्षण संदर्शिका	—	—

इन भारतीय मानकों की प्रतियां बिक्री के लिए भा मा संस्था, मानक भवन 9, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली 110002 में तथा अहमदाबाद, बंगलौर, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास पटना तथा त्रिवेन्द्रम स्थित शाखा कार्यालयों में उपलब्ध हैं।

[सं० सीएम डी 13:2]

S. O. 3822.—In pursuance of Sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1976-11-30 :

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 455-1976 Specification for portland slag cement (third revision)	IS : 455-1967 Specification for portland blastfurnace slag cement (second revision)	—
2.	IS : 1200 (Pt IV)-1976 Method of measurement of Building and civil engineering works Pt IV Stone masonry (third revision)	IS : 1200(IV)-1970 Method of measurement of building and civil engineering works Pt IV Stone masonry (second revision)	—
3.	IS : 1381 (Pt I)—1976 Specification for boiling flasks Pt I Flasks with plain neck (first revision)	IS : 1381-1959 Specification for boiling flasks (narrow-necked)	—
4.	IS : 1448 (P : 85)-1976 Methods of test for petroleum and its products (P : 85) Oil separation on storage of greases	—	—
5.	IS : 1489-1976 Specification for portland-pozzolana cement (second revision)	IS : 1489-1967 Specification for portland pozzolana cement (first revision)	Established on 1976-09-30
6.	IS : 1956 (Pt VII)-1976 Glossary of terms relating to iron and steel Pt VII Wrought iron (first revision)	IS : 1956-1962 Glossary of terms relating to iron and steel	—
7.	IS : 1956 (Pt VIII)-1976 Glossary of terms relating to iron and steel Pt VIII Steel tubes and pipes (first revision)	-do-	—

(1)	(2)	(3)	(4)
8.	IS : 2081 (Pt I)-1976 Specification for taper terminal cable connectors for automobile batteries Pt I Brass type connectors (first revision)	IS : 2081-1962 Specification for taper terminal cable connectors for automobile batteries	—
9	IS : 2163-1976 Specification for carbide tipped single point turning tools (first revision)	IS : 2163-1963 Specification for carbide tipped single point turning tools	—
10.	IS : 2206 (Pt II)—76 Specification for flameproof electric lighting fittings Pt II Fittings using glass tubes	—	—
11.	IS : 2492-1976 Specification for stainless steel road milk tankers (first revision)	IS : 2492-1963 Specification for road milk tankers	—
12.	IS : 2898-1976 Specification for steel balls for rolling bearings (first revision)	IS : 2898-1965 Specification for chromium alloy steel balls	—
13.	IS : 3400 (Pt XVIII)-1976 Methods of test for vulcanized rubbers Pt XVIII stiffness at low temperature (gehman test)	—	—
14.	IS : 3400 (Pt XIX)-1976 Methods of test for vulcanized rubbers Pt XIX permeability to gas (constant volume method)	—	—
15.	IS : 4116-1976 Specification for wooden shelving cabinets (adjustable type) (first revision)	IS : 4116-1967 Specification for wooden shelving cabinets (adjustable type)	—
16.	IS : 4696 (Pt I)-1976 Dimensions for saw tooth threads Pt I Basic and design profiles (first revision)	IS : 4696-1968 Basic dimensions for saw tooth threads	—
17.	IS : 4696 (Pt III)—1976 Dimensions for saw tooth threads Pt III Basic dimensions (first revision)	-do-	—
18.	IS : 5786 (Pt II)—1976 Specification for fixed resistors Pt II Resistors Type FRI	—	—
19.	IS : 5786 (Pt V)—1976 Specification for fixed resistors Pt V Resistors type FR 4	—	—
20.	IS : 5786 (Pt VIII)—1976 Specification for fixed resistors Pt VIII Resistors type FR 7	—	—
21.	IS : 5878 (Pt V)—1976 Code of practice for construction of tunnels conveying water Pt V concrete lining (first revision)	IS : 5878 (Pt V)—1971 Code of practice for construction of tunnels Pt V Concrete lining	—
22.	IS : 7063 (Pt II)—1976 Methods of test for corrugated fibreboard Pt II Edgewise crush resistance of board	—	—
23.	IS : 7063 (Pt III)—1976 Methods of test for corrugated fibreboard (Pt III) Water resistance of glue bond by immersion	—	—
24.	IS : 7092 (Pt II)—1976 Specification for aluminium alloy tube for irrigation purposes Pt II Extruded tube (first revision)	IS : 7092-1973 Specification for aluminium alloy tube for irrigation purposes	—
25.	IS : 7326 (Pt III)—1976 Penstock and turbine inlet butterfly valves for hydropower stations and systems Part III Recommendations for operations and maintenance	—	—
26.	IS : 7356 (Pt II)—1976 Code of practice for installation, observation and maintenance of instruments for pore pressure measurements in earth and rockfill dams Pt II Twin tube hydraulic piezometers	—	—
27.	IS : 7785 (Pt II)—1976 Specification for elevated type aerodorme lighting fittings. Pt II Fixed focus high intensity bidirectional runway edge lighting fittings.	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
28.	IS : 7785 (Pt III)—1976 Specification for elevated type aerodrome lighting fittings Pt III Low intensity runway edge lighting fittings	—	—
29.	IS : 7877 (Pts I to V)—1976 Methods of sampling and tests for hand-made carpets	—	—
30.	IS : 8066-1976 Specification for mine cars	—	—
31.	IS : 8073-1976 Guide for treatment and disposal of steel plant effluents	—	—
32.	IS : 8084-1976 Specification for interconnecting busbars for AC voltage above 1 kV up to and including 36 kV	—	—
33.	IS : 8062 (Pt I)—1976 Code of practice for cathodic protection of steel structures Pt I General principles	—	
34.	IS : 8121-1976 Specification for chromed buff calf sking in wet-blue condition	—	—
35.	IS : 8122 (Pt I)—1976 Test code for combine-harvester thresher Pt I Terminology	—	—
36.	IS : 8125-1976 Dimensions and materials of cement rotary kilns, components and auxiliaries (dry process with suspension preheater)	—	—
37.	IS : 8135-1976 Specification for fast extrusion furnace (FEF) carbon black	—	
38.	IS : 8138-1976 Specification for picking nose, boss and shell for looms	—	—
39.	IS : 8140-1976 Guide for selection of panel for sensory evaluation of foods and beverages	—	—
40.	IS : 8143-1976 Specification for plugs and keys for resistance boxes	—	—
41.	IS : 8149-1976 Functional requirements for twin co2 fire extinguisher (Trolley mounted)	—	—
42.	IS : 8152-1976 Method of measurement of speed fluctuations in sound recording and reproducing equipment	—	—
43.	IS : 8156-1976 Specification for fastener, hook and loop tape, synthetic	—	
44.	IS : 8160-1976 Specification for tangent galvanometers	—	—
45.	IS : 8162-1976 Method for determination of wet gluten in wheat flour	—	—
46.	IS : 8168-1976 Method for determination of available lysine in foods	—	—
47.	IS : 8173-1976 Specification for propeller shafts for small craft	—	—
48.	IS : 8178 (Pt II)—1976 Specification for ISO series 1 thermal containers Pt II testing	—	—
49.	IS : 8179-1976 Specification for garden dutch hoe	—	—
50.	IS : 8183-1976 Specification for bonded mineral wool	—	—
51.	IS : 8190 (Pt I)—1976 Requirements for packing of pesticides Pt I Solid pesticides	—	
52.	IS : 8193-1976 Specification for 2-nitro chlorobenzene	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
53.	IS : 8194-1976 Specification for 3-nitro chlorobenzene	—	—
54.	IS : 8195-1976 Specification for 4-nitro cholorbenzene	—	—
55.	IS : 8196-1976 Specification for 2, 4-dinitrotoluene	—	—
56.	IS : 8200-1976 Specification for toggle switches for traction application	—	—
57.	IS : 8209-1976 Specification for cut irons and cap irons for carpenters' wooden bodies bench planes	—	
58.	IS : 8211-1976 Specification for edible soya protein isolate	—	
59.	IS : 8212-1976 Specification for edible ground-nut protein isolate	—	
60.	IS : 8213-1976 Specification for agricultural trailer	—	—
61.	IS : 8216-1976 Guide for inspection of lift wire ropes	—	—

Copies of these Indian Standards are availalble for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/ 13: 2]

का० आ० 3823.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के नियम 3 के उपविनियम 2 तथा विनियम 3 के उप विनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था एतद् द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे 1976-12-31 को निर्धारित किए गए है :

अनुसूची

क्रम सं०	निर्धारित भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा रद्द किए गए भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	अन्य विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS: 38-1976 रंग रोगन के लिए ऐन्टिमनी आक्साइड की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 38-1950 रंग रोगन के लिए ऐन्टिमनी आक्साइड की विशिष्टि	—
2.	IS: 58-1976 लिथार्ज की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 58-1950 रंग रोगन के लिए लिथार्ज की विशिष्टि	—
3.	IS: 342-1976 अम्ल प्रतिरोधी वार्निश की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 342-1952 अम्ल प्रतिरोधी वार्निश, (क) साफ और (ख) रंगदार, की विशिष्ट	—
4	IS: 398 (भाग 1)-1976 शिरोपरि बिजली प्रेषण के लिए एलुमिनियम चालक भाग 1 एलुमिनियम के लड़दार चालक (दूसरा पुनरीक्षण)	*IS: 398-1961 शिरोपरि बिजली प्रेषण के लिए सख्त खिंचे गुंथे हुए एलुमिनियम के और इस्पात की कोर के एलूमीनियम चालकों की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	1976-10-31 को निर्धारित *आई०एस० आई० प्रमाण चिह्न योजना के लिए IS: 398-1961, 28 फरवरी 1977 तक IS: 398-(भाग 1)-1976 के साथ लागू रहेगा ।
5.	IS : 398 (भाग II) 1976 शिरोपरि बिजली प्रेषण के लिए एलुमिनियम चालक भाग 2 अस्तीकृत इस्पात प्रबलित एलुमिनियम चालक (दूसरा पुनरीक्षण)	*IS : 398-1961 शिरोपरि बिजली प्रेषण के लिए सख्त खिंचे गुंथे हुए एलुमिनियम के और इस्पात की कोर के एलुमिनियम चालकों की विशिष्ट (पुनरीक्षण)	1976-11-30 को निर्धारित *आई०एस०आई० प्रमाणन चिह्न के लिए IS: 398-1961, 28 फरवरी 1977 तक IS: 398 (भाग 2)-1976 के साथ लागू रहेगा ।
6.	IS: 797-1976 रासायनिक उद्योगों के लिए नमक की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 797-1967 रासायनिक उद्योगों के लिए नमक की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1976-11-30 को निर्धारित
7.	*IS: 1485-1976 मैकरोनी, स्पाघेटी और सेंवई की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 1485-1959 मैकरोनी, स्पाघेटी और सेंवई की विशिष्टि	आई० एस० आई० प्रमाणन चिह्न योजना के लिए IS : 1485-1976, 10 मार्च, 1977 से लागू होगा।

(1)	(2)	(3)	(4)
8.	*IS : 1551–1976 टाइपिंग मशीन के कार्बन कागज की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1551–1959 टाइप मशीन के कार्बन कागज की विशिष्टि	1976-04-30 को निर्धारित आई०एस०आई० प्रमाणन् चिह्न योजना के लिए IS: 1551–1976, 1 नवम्बर, 1976 से लागू होगा ।
9	IS : 1581–1975 फेरो गैलो टैनेट फाउनटेन पैन स्याही (0.2 प्रतिशत लोहांश वाली) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1581–1960 फेरो गैलो टैनेट फाउनटेन पैन स्याही (0.2 प्रतिशत लोहांश वाली) की विशिष्टि	1975–12–31 को निर्धारित
10.	IS : 1835–1976 रस्सों के लिये गोल इस्पात के तार की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	*IS : 1835–1972 रस्सों के लिये इस्पात के तार की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	1976–10–31 को निर्धारित *आई० एस० आई० प्रमाणन् चिह्न योजना के लिए IS : 1835–1972, 28 फरवरी, 1977 तक IS : 1835-1976 के साथ लागू रहेगा।
11.	IS : 1956 (भाग 6)–1976 लोहा और इस्पात सम्बन्धी शब्दावली भाग 6 गढ़ाई (ड्राप गढ़ाई सहित) (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1956–1962 लोहा और इस्पात सम्बन्धी शब्दावली	—
12.	IS : 2783–1976 ऊन की सादी बुनी बालाक्लावा टोपों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 2783–1969 सादी बुनी बालाक्लावा टोपों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—
13.	IS : 3078–1976 कताई और दोहराई फ्रेम के रिंग की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	(1) IS : 3078–1971 कताई फ्रेम के रिंग की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण) (2) IS : 6317–1971 दोहराई (बटने) फ्रेम के रिंग (फ्लास-आकार ट्रेवलर्स) की विशिष्टि	—
14.	*IS : 3450–1976 हाथ लिखाई के लिये कार्बन कागज की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 3450–1960 हाथ लिखाई के लिये कार्बन कागज की विशिष्टि	1976–04–30 को निर्धारित आई०एस०आई० प्रमाणन् चिह्न योजना के लिए IS : 3450–1976, 1 नवम्बर, 1976 से लागू होगा।
15	IS : 3694–1976 लकड़ी पर काम करने की खराद का परीक्षण चार्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3694–1966 लकड़ी पर काम करने की खराद का परीक्षण चार्ट	—
16.	IS : 3842 (भाग 10)–1976 ऐसी प्रणाली के बिजली के रिले की उपयोग संबंधिका भाग 10 अनुप्रस्थ अंतर बचाव के रिले	—	—
17.	IS : 3880–1976 डिब्बा बंद आम के गूदे की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3880–1966 डिब्बा बंद आम के गूदे की विशिष्टि	—
18.	IS : 3967–1975 कच्छ की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3967–1967 कच्छ की विशिष्टि	—
19.	IS : 4050–1976 मोटर गाड़ियों के हॉर्न स्विचों की परीक्षण पद्धतियाँ (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4050–1967 मोटर गाड़ियों के हॉर्न स्विचों की परीक्षण पद्धतियाँ	—
20	IS : 4287–1976 स्टार्च सम्बन्धी शब्दावली (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4287–1967 स्टार्च सम्बन्धी शब्दावली	—
21.	*IS : 4526–1976 2,5–डाइक्लोरा–एनिलिन की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4526–1968 2, 5–डाइक्लोरो–एनिलिन की विशिष्टि	1976–11–30 को निर्धारित आई० एस० आई० प्रमाणन् चिह्न योजना के लिए IS : 4526–1976, 1 अप्रैल 1977 से लागू होगा।
22.	IS : 4569 (भाग 1)–1976 आँख कैंची की विशिष्टि भाग 1 कार्निय। सम्बन्धी (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4569–1968 आँख कैंची की विशिष्टि	—
23.	IS : 5085–1976 ऊन की बुनी टोपी (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5085–1969 बुनी एक पीस की टोपी की विशिष्टि	—
24.	IS : 5450–1976 ऊन के बुने वस्त्रानों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5450–1969 बुने वस्त्रानों की विशिष्टि	—

(1)	(2)	(3)	(4)
25.	IS : 6240–1976 अल्पदाब वाले गैस सिलेंडरों के लिए गर्म वेल्लित इस्पात की पट्टी (6 मिमी तक), चद्दर और पत्ती की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	*IS : 6240–1971 अल्पदाब गैस सिलेंडरों के लिए गर्म वेल्लित इस्पात की चद्दर की विशिष्टि	1976-10-31 को निर्धारित *आई० एस० आई प्रमाणन चिह्न योजना के लिए IS : 6240–1971, 28 फरवरी 1977 तक IS : 6240–1976 के साथ लागू रहेगा।
16.	IS : 6834 (भाग 2)-1976 कनवेग्रर जंजीर, जंजीरदार पहिये और उपकरण की विशिष्टि भाग 2 जंजीरदार पहिये	—	—
27.	IS: 6834 (भाग 3)–1976 कनवेग्रर जजीर, जंजीरदार पहिये और उपकरण की विशिष्टि भाग 3 जुड़नार	—	—
28.	IS: 7688 (भाग 2)–1976 पैकेजबंद खाद्य पदार्थो पर लेबल लगाने की रीति संहिता भाग 2 दावों सम्बन्धी मार्ग दर्शन	—	—
29.	IS: 7688 (भाग 3)–1976 पैकेजबंद खाद्य पदार्थों पर लेबल लगाने की रीति संहिता भाग 3 पौष्टिक आहार सम्बन्धी लेबल लगाना	—	—
30.	IS: 8075–1976 टाइपिंग मशीनों के लिए पृष्ठलेप किए कार्बन कागज की विशिष्टि	—	1976-08-31 को निर्धारित
31.	IS: 8141–1976 वैमानिकी में प्रयुक्त चूड़ियों के लिए छूटें	—	—
32.	IS: 8142–1976 प्रवेश प्रतिरोध द्वारा कंक्रीट के सेट होने का समय ज्ञात करने की पद्धति	—	—
33.	IS: 8151–1976 लिफ्ट चलाने की एक गति तीन फेजी प्रेरण मोटर की विशिष्टि	—	—
34.	IS: 8157–1976 हीथ नमूने के कफिकायन (ग्रेनुलेशन) फोर्सेप्स की विशिष्टि	—	—
35.	IS: 8161 (भाग 1)–1976 उपकरण विश्वसनीयता परीक्षण संदर्शिका भाग 1 सिद्धान्त और क्रियाविधि	— —	— —
36.	IS : 8163–1976 जेगर नमूने के आँखों के केराटोम छुरी की विशिष्टि	—	—
37.	IS: 8164–1976 प्रचलन अस्तर रहित अस्पताली रबड़ की चद्दरों की विशिष्टि	—	—
38.	IS: 8165–1976 मशीन-औजार के लिये हस्त-चालित विभाजकहेड के परीक्षण चार्ट	—	—
39.	IS: 8169–(भाग 1)–1976 बड़े विमानों के वैमानिक भार धारकों प्रमुख डेक धारकों (2438 × 2438 मिमी) की विशिष्टि भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं	—	—
40.	IS: 8169 (भाग 2)–1976 बड़े विमानों के वैमानिक भार धारकों प्रमुख डेक धारकों (2438 × 2438 मिमी) की विशिष्टि भाग 2 परीक्षण	—	—
41.	IS: 8174–1976 डैन्डी नमूने के धमनी फोर्सेप्स की विशिष्टि	—	—
42.	IS : 8175–1976 ह्यू केयर्न नमूने के सीधे व गोलाकार, चपटे धमनी फोर्सेप्स की विशिष्टि	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
43.	IS: 8176–1976 पेनफील्ड नमूने के विच्छेदक की विशिष्टि	—	—
44.	IS: 8178 (भाग 1)–1976 आई०एस०ओ० सिरीज 1 ऊष्मीय धारकों की विशिष्टि भाग 1 सामान्य अपेक्षाएँ		
45.	IS: 8181–1976 पुतली पुनर्स्थापित्र की विशिष्टि	—	—
46.	IS: 8182–1976 प्रक्रमित मांस पदार्थों की सफाई स्थिति संहिता	—	—
47.	IS: 8184–1976 खाद्यानों में अर्गट की मात्रा ज्ञात करने की पद्धति	—	—
48.	IS: 8185–1976 फौसजीन की सुरक्षा संहिता	—	—
49.	IS: 8191–1976 मौलीसल नमूने के टॉन्सिल निष्कासित्र और स्तम्भ और अग्रवर्ती रिट्रैक्टर की विशिष्टि	—	—
50.	IS: 8189 (भाग 1)–1976 संपीड़ित गैसों के इस्पात सिलिंडरों की रीति संहिता भाग 1 वायु मण्डलीय गैसें	—	—
51.	IS: 8198 (भाग 2)-1976 संपीड़ित गैसों के लिये इस्पात सिलिंडरों की रीति संहिता भाग 2 हाइड्रोजन गैस	—	—
52.	IS: 8198 (भाग 3)–1976 संपीड़ित गैसों के लिये इस्पात सिलिंडरों की रीति संहिता भाग 3 उच्च दाब द्रवणीय गैसें	—	—
53.	IS: 8198 (भाग 4)–1976 संपीड़ित गैसों के लिये इस्पात सिलिंडरों की रीति संहिता भाग 4 घुलित ऐसिटिलीन गैस	—	—
54.	IS: 8214 (भाग 5)–1976 जहाजों की द्रवगतिक शब्दावली भाग 5 युक्तिचालन योग्यता	—	—
55.	IS: 8214 (भाग 6)–1976 जहाजों की द्रवगतिक शब्दावली भाग 6 सामर्थ्य और कम्पन	—	—
56.	IS: 8218 (भाग 1)–1976 कारखानों की रेलों की सुरक्षा संहिता भाग 1 विन्यास	—	—
57.	IS : 8219–1976 रबड़ उद्योग के लिए लोहे के संश्लिष्ट रेड ऑक्साइड की विशिष्टि (बेनेशियन लाल को छोड़कर)	—	—
58.	IS : 8222-1976 खाद्य उपयोग के लिये पत्ता प्रोटीन सांद्र की विशिष्टि		
59.	IS : 8233–1976 फिलाइल पेरी अम्ल, तकनीकी की विशिष्टि	—	—

इन भारतीय मानकों की प्रतियां बिक्री के लिए भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, में तथा इसके शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलोर, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास, पटना और बम्बई, तिरुवेन्द्रम में उपलब्ध हैं ।

[सं० सी० एम०डी०/13:2]

S.O. 3823.— In pursuance of Sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of the Indian Standars Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1976-21-31:

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS: 38—1976 Specification for antimony oxide for paints (First Revision)	IS : 38—1950 Specification for antimony oxide for paints.	..
2.	IS: 58—1976 Specification for litharge (First Revision.	IS: 58—1950 Specification for litharge for paints.	..
3.	IS: 342—1976 Specification for varnish, acid resisting (First Revision)	IS: 342—1952 Specification for varnish, acid resisting, (a) clear, and (b) tinted.	..
4.	IS: 398 (Pt-I)—1976 Specification for aluminium conductors for overhead transmission purposes Part I aluminium stranded conductors (Second Revision.	*IS: 398—1961 Specification for hard-drawn stranded aluminium and steel cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes (revised).	Established on 1976-10-31 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 398—1961 shall run concurrently with IS: 398 (Part I)—1976 upto 1977-02-28
5.	IS :398 (Part II)—1976 Specification for Aluminium Conductors for overhead transmission purposes Part II aluminium conductors, galvanised steel-reinforced (Second Revision).	*IS : 398—1961 Specification for hard-drawn stranded aluminium and steel-cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes (revised)	Established on 1976-11-30. *For purposes of ISI Certification Marks Scheme : IS: 398—1961 shall run concurrently with IS: 398 (Pt I)—1976 upto 1977-02-28
6.	IS: 797—1976 Specification for Common Salt for Chemical Industries (Second Revision).	IS: 797—1967 Specification for Common salt for chemical industries (first revision)	Established on 1976-11-30
7.	*IS: 1485—1976 Specification for macaroni, spaghetti and vermicelli (First Revision)	IS: 1485—1959 Specification for macaroni, spaghetti and vermicelli	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme: IS: 1485—1976 shall come into force with effect from 1977-03-10.
8.	*IS : 1551 —1976 Specification for Carbon Papers for typewriter (First Revision).	IS: 1551—1959 Specification for carbon paper for typewriters.	Established on 1976-04-30. *For purposes of ISI Certification Marks Scheme, IS: 1551—1976 shall come into force with effect from 1976-11-01.
9	IS: 1581—1975 Specification for ferro-gallo tannate fountain pen ink (0.2 percen iron content) (first revision).	IS: 1581—1960 Specification for ferro-gallo tannate fountain pen ink (0 2 percent iron content)	Established on 1975-12-31
10.	IS: 1835—1976 Specification for round steel wire for ropes (Third Revision)	*IS: 1835—1972 Specification for steel wire for ropes (Second Revision)	Established on 1976-10-31 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 1835—1972 shall run concurrently with IS : 1835—1976 upto 1977-02-28
11.	IS: 1956 (Pt VI)—1976 Glossary of Terms relating to iron and steel, Part VI forging including drop forging) (First Revision)	IS: 1956—1962 Glossary of terms relating to iron and steel.	
12.	IS: 2783—1976 Specification for balaclava caps, wool plain-knitted (Second Revision)	IS: 2783—1969 Specification for balaclava caps, plain knitted (first revision).	..
13.	IS: 3078—1976 Specification for rings for spinning and doubling frames (Third Revision)	(i) IS: 3078—1971 Specification for rings for spinning frames (Second Revision) (ii) IS: 6317—1971 Specification for rings for ring doubling (twisting) frames (for earshaped travellers).	.. ..

(1)	(2)	(3)	(4)
14.	*IS: 3450—1976 Specification for carbon papers, handwriting (First Revision)	IS: 3450—1966 Specification for carbon papers, handwriting.	Established on 1976-04-30 *For purposes of IS Certification Marks Scheme; IS: 3450—1976 shall come into force with effect from 1976-11-01
15.	IS: 3694—1976 Test Chart for wood turning lathes (First Revision)	IS: 3694-1966 Test Chart for wood turning Lathes	..
16.	IS: 3842 (Pt X)—1976 Application guide for electrical relays for AC systems Part X relays for transverse differential protection.	..	..
17.	IS: 3880—1976 Specification for canned mango pulp (First Revision)	IS: 3880—1966 Specification for canned mango pulp	..
18.	IS: 3967—1976 Specification for Cutch (First Revision).	IS: 3967—1967 Specification cutch	..
19.	IS: 4050—1976 Methods of tests for horn switches for automobiles (First Revision).	IS: 4050—1967 Methods of tests for horn switches for automobiles.	..
20	IS 4287—1976 Glossary of terms relating to starch (First Revision)	IS: 4287—1967 Glossary of terms relating to starch.	..
21.	*IS: 4526—1976 Specification for 2,5-dichloroaniline (First Revision).	IS: 4526—1968 Specification for 2,5—dichloroaniline.	Established on 1976-11-30 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme : IS: 4526—1926 shall come into force with effect from 1977-04-01
22	IS: 4569 (Pt I)—1975 Specification for scissors, eye Part I corneal (First Revision)	IS: 4569—1968 Specification for scissors, eye.	..
23.	IS: 5085—1976 Specification for berets wool knitted (First Revision)	IS: 5085—1969 Specification for berets knitted, one piece.	
24.	IS: 5450—1976 Specification for gloves, wool, knitted (First Revision)	IS: 5450—1969 Specification for gloves, knitted.	..
25.	IS: 6240—1976 Specification for hot rolled steel plate (up to 6 mm) sheet and strip for the manufacture of low pressure gas cylinders (First revision)	*IS 6240—1971 Specification for hot-rolled steel sheets for the manufacture of low pressure gas cylinders.	Established on 1976-10-31. *For purposes of ISI Certification Marks Scheme: IS: 6240—1971 shall run concurrently with IS: 6240—1979 upto 1977-02-28
26	IS: 6834 (Pt II)—1976 Specification for conveyor chains chain-wheels and attachments Part II chain-wheels	..	..
27.	IS: 6834 (Pt III)—1976 Specification for conveyor chains, chain-wheels and attachments Part III attachments.	..	..
28.	IS: 7688 (Pt II) —1976 Code of practice for labelling of prepackaged foods Part II guidelines on claims.	..	..
29.	IS: 7688 (Pt III)—1976 Code of Practice for labelling of prepackaged foods Part III nutritional labelling.	..	..
30.	IS: 8075—1976 Specification for back coated carbon papers for typewriter.	..	Established on 1976-08-31.
31.	IS: 8141—1976 Tolerances for screw threads used in aeronautics.	..	..
32	IS: 8142—1976 Method of Test for determining setting time of concrete by penetration resistance.	..	..
33.	IS: 8151—1976 Specification for single-speed three-phase induction motors for driving lifts.	..	.
34.	IS: 8157—1976 Specification for forceps, granulation, Health's pattern.	..	..
35.	IS: 8161 (Part I)—1976 Guide for equipment reliability testing Part I principles and procedures.	..	..

(1)	(2)	(3)	(4)
36	IS 8163—1976 Specification for knife, keratome, eye Jaeger's pattern	.	
37.	IS· 8164—1976 Specificaion for hospital rubber sheeting without reinforcing fabric	..	
38.	IS· 8165—1976 Test chart for manually operated dividing heads for machine tools		
39	IS 8169 (Pt I)—1976 Specification for air cargo containers—main deck container (2433 X 2438 mm) for high capacity aircraft Part I general requirements	.	..
40	IS 8169 (Pt II)—1976 Specification for air cargo containers—main deck container (2438X2438 mm) for high capacity aircraft Part II testing.	..	..
41	IS· 8174—1976 Specification for forceps artery, Dandy's pattern	..	..
42	IS· 8175—1976 Specification for forceps, artery, straight and curved on flat, Hugh Cairn's pattern	..	.
43	IS. 8176—1976 Specification for dissectors, Penfield's pattern.	.	.
44.	IS· 8178 (Part I)—1976 Specification for ISO series 1 thermal containers Part I general requirements	.	..
45	IS· 8181—1976 Specification for repositor, Iris	..	..
46	IS: 8182—1976 Code of Hygienic conditions for processed meat products	..	..
47.	IS: 8184—1976 Method for determination of ergot in foodgrains	..	..
48	IS 8185—1976 Code of safety for phosgene.	.	.
49	IS 8191—1976 Specification for retractor, pillar, anterior and tonsil enucleator, Mollison's pattern.	..	
50.	IS: 8198 (Pt I)—1976 Code of practice for steel cylinders for compressed gases Part I atmospheric gases.	..	..
51.	IS 8198 (Pt II)—1976 Code of practice for steel cylinders for compressed gases Part II hydrogen gas.		.
52	IS· 8198 (Pt III)—1976 Code of practice for steel cylinders for compressed gases Part III high pressure liquefiable gases.		..
53.	IS· 8198 (Pt IV)—1976 Code of practice for steel cylinders for compressed gases Part IV dissolved acetylene gas.	..	.
54.	IS: 8214 (Pt V)—1976 Glossary of ship's hydrodynamic terms Part V manoeuvrability.		Established on 1976-11-30.
55.	IS. 8214 (Pt VI)—1976 Glossary of ships' hydrodynamic terms Part VI strength and vibration.	.	.
56.	IS: 8218 (Pt I)—1976 Safety code for plant railways Part I layout	.	..
57.	IS: 8219—1976 Specification for synthetic red oxide of iron for rubber industry (excluding venetian red)	.	
58	IS· 8222—1976 Specification for edible leaf protein concentrate.	..	.
59.	IS: 8233—1976 Specification for phenyl peri acid, technical.		.

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum

[No. CMD/13:2]

का० आ० 3824.—भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1978-09-30 में प्रकाशित वाणिज्य एवं नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय (नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता विभाग) (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना संख्या एस०ओ० 2875 दिनांक 1978-09-13 में आंशिक संशोधन स्वरूप भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि प्रेशर कुकर के रबड़ गास्केट से सम्बन्धित मानक चिह्न का पुनरीक्षण किया गया है । मानक चिह्न की परिवर्तित डिजाइन उसके शाब्दिक विवरण और तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दी गई है ।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 के और उसके अधीन बने नियमों के और विनियमों के निमित्त यह मानक चिह्न 1979-06-28 से लागू होगा।

अनुसूची

क्रम सं०	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	संबद्ध भारतीय मानक की संख्या एवं नाम	मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण
1.	ISI IS 7466	प्रेशर कुकर के लिए रबड़ गास्केट	IS : 7466—1974 प्रेशर कुकर के रबड़ गास्केट की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और डिजाइन में जैसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम के दाईं ओर भारतीय मानक संख्या अभिलिखित है ।

[संख्या सी०एम०डी०/13:9]

S.O. 3824.— In partial modification of the Ministry of Commerce, Civil Supplies and Co-operation (Department of Civil Supplies & Cooperation) (Indian Standards Institution) notification number S.O. 2875 dated 1978-09-13, published in the Gazette of India, Part-II Section-3, Sub-section (ii) dated 1978-09-30, the Indian Standard Institution, hereby notifies that the Standard Mark for rubber gasket for pressure cooker has been revised. The revised design of the Standard Mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design is given in the following Schedule.

This Standard Mark for the purposes of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1979-06-28 :

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Design of the Standard Mark
1.	ISI IS 7466	Rubber gasket for pressure cookers.	IS: 7466—1974 Specification for rubber gasket for pressure cookers.	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the right-hand side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13:9]

का०आ० 3825.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) 1955 के नियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि संस्था ने कुछ मानक चिह्न निर्धारित किए हैं जिनके डिजाइन, शाब्दिक विवरण तथा भारतीय मानकों के शीर्षक सहित अनुसूची में दिए गए हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों और विनियमों के निमित्त ये मानक चिह्न प्रत्येक के सामने दी गई तिथियों से लागू होंगे :

अनुसूची

क्रम सं०	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पद संख्या और पदनाम	मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	ISI IS 7532	नरम साबुन	IS: 7532—1974 नरम साबुन की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया और जैसा चित्रांकन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी गई है।	1979-06-16

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2.		गद्दों-गद्दियों के लिए रबड़कृत नारियल जटा की शीट	IS: 8391-1977 गद्दों-गद्दियों के लिए रबड़कृत नारियल जटा की शीट	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संख्या दी गई है ।	1979-07-16

[सं० सी० एम० डी/13 : 9]

S.O. 3825.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each:

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard.	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.		Soft soap	IS: 7532—1974 Specification for soft soap.	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1979-06-19
2.		Rubberized coir sheets for cushioning.	IS: 8391—1977 Specification for rubberized coir sheets for cushioning.	-do-	1979-07-16

[No. CMD/13:9]

का०आ० 3826.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम 3 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस अनुसूची में दिए गए ब्यौरों के अनुसार निर्धारित की गई है और प्रत्येक के आगे दी गई तिथियों से लागू होगी :

अनुसूची

क्रम० सं०	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने	लागू होने की तिथी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	नरम साबुन	IS:7532-1974 नरम साबुन की विशिष्टि	एक टन मीटरी	1. पहली 200 इकाइयों के लिए रु० 5.00 प्रति इकाई । 2. 201वीं से 1000 इकाइयों तक रु० 3.00 प्रति इकाई, । 3. 1001वीं और अधिक इकाईयों के लिए रु० 1.00 प्रति इकाई ।	1979-06-15
2.	गद्दों-गद्दियों के लिए रबड़ीकृत नारियल जटा की शीट	IS: 8391-1977 गद्दों गद्दियों के लिए रबड़ीकृत नारियल जटा की शीट की विशिष्टि	एक टन मीटरी	1. पहली 200 इकाइयों के लिए रु० 10.00 प्रति इकाई, । 2. 201वीं और अधिक इकाइयों के लिए रु० 5.00 प्रति इकाई ।	1979-07-16

[सी०एम०डी/13 : 10]

S.O. 3826.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fee(s) per unit for various products details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each :

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Soft soap	IS: 7532 –1974 Specification for soft soap.	One Tonne	(i) Rs. 5.00 per unit for the first 200 units; (ii) Rs. 3.00 per unit for the 201st to 1000 units and (iii) Re 1.00 per unit for the 1001st unit and above.	1979-06-16
2.	Rubberized coir sheets for cushioning	IS: 8391—1977 Specification for rubberized coir sheets for cushioning.	One Tonne	(i) Rs. 10.00 per unit for the first 200 units and (ii) Rs. 5.00 per unit for the 201st unit and above.	1979-07-16

[No. CMD/13:10]

नई दिल्ली, 1979-11-07

का० आ० 3827.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 149 लाइसेंस के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनका अक्टूबर 1976 के मास में नवीकरण किया गया है।

अनुसूची

क्रम संख्या	सीएम/एल संख्या	वैध		भारतीय मानक विशिष्टि की पद संख्या
		से	तक	
1	2	3	4	5
1.	24	76-07-01	77-06-30	IS : 21–1975
2.	82	76-11-01	77-10-31	IS : 10–1970
3.	195	76-10-01	77-09-30	IS : 303–1960
4.	200	76-10-01	77-09-30	IS : 564–1975
5.	201	76-10-01	77-09-30	IS : 565–1975
6.	202	76-10-01	77-09-30	IS : 561–1972
7.	348	76-10-01	77-09-30	IS : 916–1975
8.	367	76-10-01	77-03-31	IS : 1310–1974
9.	451	76-09-16	77-09-15	IS : 325–1970
10.	588	76-10-16	77-10-15	IS : 694 (पार्ट 1 और 2)–1964
11.	595	76-10-01	77-03-31	IS : 1310–1974
12.	610	76-10-01	77-09-30	IS : 694 (पार्ट 1 और 2)–1964
13.	721	76-08-01	77-07-31	IS : 1977–1975
14	1150	76-10-01	77-09-30	IS . 1554 (पार्ट 1)–1964 IS : 1554 (पार्ट 2)–1970
15.	1190	76-09-01	77-08-31	IS : 562–1972
16.	1191	76-09-01	77-08-31	IS : 561–1972
17.	1209	76-10-01	77-09-30	IS : 398–1961
18.	1228	76-11-01	77-10-31	IS . 1308–1974
19.	1276	76-10-01	77-09-30	IS . 226–1975
20.	1277	76-10-01	77-09-30	IS : 1977–1975
21.	1282	76-10-01	77-09-30	IS : 2553–1971
22.	1328	76-09-16	77-09-15	IS : 6352–1971 IS : 6353–1971 IS : 6354–1971 और IS . 6388–1971
23.	1329	76-09-16	77-09-15	IS . 5444–1969 और IS : 5447–1969
24.	1340	76-10-01	77-09-30	IS : 3196–1974
25.	1498	76-10-01	77-09-30	IS : 398–1961

1	2	3	4	5
26	1500	76-09-01	77-08-31	IS . 1308–1974
27	1517	76-09-16	77-09-15	IS 561–1972
28	1518	76-09-16	77-09-15	IS 565–1975
29	1519	76-09-16	77-09-15	IS 562–1972
30.	1520	76-09-16	77-03-31	IS . 1310–1974
31.	1525	76-10-01	77-09-30	IS 1507–1966
32.	1531	76-10-01	77-09-30	IS 10–1970
33.	1532	76-09-16	77-09-15	IS 1729–1964
34	1605	76-03-16	77-03-15	IS : 10–1970
35.	1606	76-01-16	77-01-15	IS 10–1970
36	1619	76-09-01	77-03-31	IS 1310–1974
37	1765	76-10-16	77-10-15	IS 561–1972
38	1784	76-09-16	77-09-15	IS . 278–1969
39	1875	76-10-01	77-09-30	IS . 1596–1970
40	1892	76-09-16	77-09-15	IS . 564–1975
41	1931	76-10-16	77-08-31	IS 565–1975
42	1967	76-09-16	77-09-15	IS 2567–1973
43.	2100	76-10-01	77-09-30	IS 10 (पार्ट 3)–1974
44.	2101	76-10-01	77-09-30	IS 2052–1968
45.	2104	76-10-16	77-10-15	IS 10–1970
46	2111	76-11-01	77-10-31	IS . 21–1975
47	2115	76-10-16	77-10-15	IS : 774–1971
48.	2116	76-10-16	77-10-15	IS . 2556–1974
49.	2158	76-10-01	77-09-30	IS 561–1972
50.	2161	76-10-01	77-09-30	IS 2865–1969
51	2170	76 10-01	72-09-30	IS 564–1975
52.	2187	76-07-01	77-06-30	IS . 326–1975
53.	2188	76-07-01	77-06-30	IS : 1977–1975
54.	2230	76-10-01	77-09-30	IS 633–1975
55.	2231	76-10-01	77-09-01	IS 1308–1974
56.	2272	76-09-16	77-09-15	IS . 3829–1966
				IS 4510–1968
57	2282	76-10-01	77-09-30	IS 2567–1973
58.	2285	76-10-01	77-09-30	IS . 3035 (पार्ट 1 और 2)–1965
				IS . 3035 (पार्ट 3)–1967
59.	2290	76-10-01	77-09-30	IS : 10–1970
60.	2294	76-10-01	77-09-30	IS : 2480–1964
61.	2315	76-10-01	77-09-30	IS . 561–1972
62.	2325	76-10-01	77-09-30	IS . 2567–1975
63	2406	76-09-16	77-09-15	IS 561–1972
64.	2541	76-07-01	77-06-30	IS 1786–1966
65	2658	76-10-01	77-09-30	IS : 434 (पार्ट 1 और 2)–1964
66.	2765	76-09-16	77-09-15	IS . 2509–1973
67	2780	76-10-16	78-03-31	IS : 3975–1967
68	2806	76-09-16	77-09-15	IS 1554 (पार्ट 1)–1964
69.	2908	76-10-01	77-09-30	IS . 1601–1960
70.	2909	76-10-01	77-09-30	IS 779–1968
71.	3005	76-10-01	77-09-30	IS . 1601–1960
72	3034	76-10-01	77-09-30	IS : 3564–1970
73	3042	76-10-16	77-10-15	IS . 10–1970
74.	3168	76-10-01	77-03-30	IS : 1601–1960
75.	3190	76-11-01	77-10-19	IS : 1601–1960
76.	3199	76-11-01	77-10-31	IS : 2400–1963
77.	3253	76-09-01	77-08-31	IS : 1488–1969
78	3309	76-10-01	77-09-30	IS : 10 (पार्ट 3)–1974

1	2	3	4	5
79	3339	76-03-01	77-02-28	IS : 828–1966
80.	3340	76-03-01	77-02-28	IS : 828–1966
81.	3371	76-04-01	77-03-31	IS : 3055–1963
82.	3496	76-10-16	77-10-15	IS : 2077–1962
83	3531	76-08-16	77-06-30	IS : 1507–1966
84.	3532	76-09-16	77-11-30	IS : 6914–1973
85.	3533	76-09-16	77-11-30	IS : 6915–1973
86.	3537	76-09-16	77-03-31	IS : 1310–1974
87.	3541	76-09-16	77-09-15	IS : 4985–1968
88.	3545	76-10-01	77-03-31	IS : 1310–1974
89.	3559	78-10-01	77-09-30	IS : 5430–1969
90.	3561	76-10-01	77-09-30	IS : 1786–1966
91	3576	76-09-16	77-09-15	IS : 226–1976
92.	3577	76-09-16	77-09-15	IS . 1977–1975
93.	3606	76-09-16	77-09-15	IS : 6914–1973
94	3607	76-09-16	77-09-15	IS : 6915–1973
95	3841	76-08-16	77-08-15	IS : 2567–1973
96	3929	76-09-01	77-08-31	IS . 1307–1973
97	3934	76-09-01	77-08-31	IS : 7121–1973
98.	3937	76-09-01	77-08-31	IS : 2507–1975
99.	3943	76-09-16	77-09-15	IS : 563–1973
100.	3944	76-10-01	77-09-30	IS : 563–1973
101.	3953	76-10-01	77-09-15	IS : 3035 (Part I)–1965
102	3960	76-10-01	77-09-30	IS : 561–1922
103	3961	76-10-01	77-09-30	IS : 2567–1973
104.	3984	76-10-16	77-10-15	IS : 4323–1967
105.	3988	76-10-16	77-10-15	IS : 1601–1960
106.	3995	76-10-01	77-09-30	IS : 3470–1966
107.	4013	76-11-01	78-01-31	IS : 4323–1967
108.	4017	76-11-01	77-10-31	IS : 2865–1964
109.	4037	76-10-01	77-09-30	IS : 2339–1963
110.	4038	76-10-01	77-09-30	IS : 427–1965 IS : 428–1969
111.	4123	76-10-01	77-09-30	IS : 5950–1971
112.	4282	76-10-01	77-09-30	IS : 6914–1973
113.	4283	76-10-01	77-09-30	IS : 6915–1973
114.	4358	76-08-16	77-08-15	IS : 561–1972
115.	4377	76-08-16	77-08-15	IS : 633–1975
116.	4378	76-08-16	77-08-15	IS : 564–1975
117.	4384	76-08-16	77-03-31	IS : 1310–1974
118.	4385	76-08-16	77-08-15	IS : 2567–1973
119.	4394	76-08-16	77-08-15	IS : 7123–1973
120.	4409	76-06-01	77-05-31	IS : 4072–1973
121.	4513	76-08-01	77-07-31	IS : 1166–1973
122.	4555	76-08-16	77-08-15	IS : 226–1975
123.	4580	76-09-01	77-08-31	IS : 561–1972
124.	4609	76-09-16	77-09-15	IS : 1601–1960
125.	4613	76-09-16	77-09-15	IS : 565–1961
126.	4614	76-09-16	77-09-15	IS : 3903–1966
127.	4627	76-09-16	77-09-15	IS : 4985–1968
128.	4646	76-09-16	77-09-15	IS . 1989–1973
129.	4655	76-10-01	77-09-30	IS : 419–1967
130.	4657	76-10-01	77-09-30	IS : 561–1972
131.	4658	76-10-01	77-09-30	IS : 562–1972
132.	4670	76-10-01	77-09-30	IS : 633–1975

1	2	3	4	5
133	4672	76-10 01	77-09-30	IS 398–1961
134	4677	76 10-01	77 09-30	IS 4323–1967
135	4682	76-10-01	77-09-30	IS 1165–1967
136	4683	76-10-01	77 09-30	IS 561–1972
137	4685	76-10-01	77 09-30	IS 2465–1969
138	4686	76-10-01	77-09-30	IS 564–1975
139	4698	76-10-01	77 09-30	IS 1848–1971
140	4708	76-10-01	77-09-30	IS 1848–1971
141	4712	76-10-01	77-09-30	IS 1848–1971
142	4713	76-10-01	77-09-30	IS 1848–1971
143	4714	76-10-01	77-09-30	IS 1848–1971
144	4723	76-10-16	77 10-15	IS 1601–1960
145	4730	76-10-16	77-10-15	IS 633–1975
146	4733	76-10-01	77-09-30	IS 325–1972 एण्ड
				IS 1520–1972
147	4745	76-10-16	77 10-15	IS 1925–1974
148	4749	76-11-01	77-10-31	IS 2052–1968
149	1768	76 10-01	77-09-30	IS 1601–1960

[सं० सी एम डी/13 12]
ए० पी० बनर्जी, उपमहानिदेशक

New Delhi, 1979-11-07

S. O. 3827 —In pursuance of sub regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that One hundred and fortynine licences, particulars of which are given in the following schedule, have been renewed during the month of October, 1976

SCHEDULE

Sl. No	CM/L No	Valid		Indian Standard Specification
		Up	To	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	24	76-07-01	77-06-30	IS 21-1975
2	82	76-11-01	77-10-31	IS 10-1970
3	195	76-10-01	77-09-30	IS 303-1960
4.	200	76-10-01	77-09-30	IS 564-1975
5	201	76-10 01	77-09-30	IS 565-1975
6	202	76-10-01	77-09-30	IS 561-1972
7.	348	76-10-01	77-09-30	IS 916-1975
8	367	76-10-01	77-03-31	IS 1310-1974
9.	451	76-09-16	77-09-15	IS 325-1970
10	588	76-10-16	77-10-15	IS 694 (Part I & II)-1964
11	595	76-10-01	77-03-31	IS 1310-1974
12	610	76-10-01	77-09-30	IS 694 (Part I & II)-1964
13	721	76-08-01	77-07-31	IS 1977-1975
14	1150	76-10-01	77-09-30	IS 1554 (Part I) -1964 & IS 1554 (Part II)- 1970
15	1190	76-09-01	77-08-31	IS 562-1972
16	1191	76-09-01	77-08-31	IS 561-1972
17	1209	76-10-01	77-09-30	IS 398-1961
18	1228	76-11-01	77-10-31	IS 1308-1974
19	1276	76-10-01	77-09-30	IS 226-1975
20	1277	76-10-01	77-09-30	IS . 1977-1975
21	1282	76-10-01	77-09-30	IS 2553-1971
22	1328	76-09-16	76-09-15	IS 6352-1971
				IS 6353-1971
				IS 6354-1971 &
				IS 6388-1971
23.	1329	76-09-16	77-09-15	IS 5444-1969 &
				IS 5447-1969
24.	1340	76-10-01	77-09-30	IS 3196-1974
25.	1498	76-10-01	77-09-30	IS 398-1961

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
26.	1500	76-09-01	77-08-31	IS : 1308-1974
27.	1517	76-09-16	77-09-15	IS : 561-1972
28.	1518	76-09-16	77-09-15	IS . 565-1975
29.	1519	76-09-16	77-09-15	IS : 562-1972
30.	1520	76-09-16	77-03-31	IS : 1310-974
31.	5125	76-10-01	77-09-30	IS : 1507-1966
32.	1531	76-10-01	77-09-30	IS : 10-1970
33.	1532	76- 9-16	77-09-15	IS : 1729-1964
34.	1605	76-03-16	77-03-15	IS : 10-1970
35.	1606	76-01-16	77-01-15	IS : 10-1970
36.	1619	76-09-01	77-03-31	IS : 1310-1974
37.	1765	76-10-16	77-10-15	IS : 561-1972
38.	1784	76-09-16	77-09-15	IS : 278-1969
39.	1875	76-10-01	77-09-30	IS : 1596-1970
40.	1892	76-09-16	77-09-15	IS : 564-1975
41.	1931	76-10-16	77-08-31	IS : 1565-1975
42.	1967	76-09-16	77-09-15	IS : 2567-1973
43.	2100	76-10-01	77-09-30	IS : 10 (Part III).-1974
44.	2101	76-10-01	77-09-30	IS : 2052-1968
45.	2104	76-10-16	77-10-15	IS : 10-1970
46.	2111	76-11-01	77-10-31	IS : 21-1975
47.	2115	76-10-16	77-10-15	IS : 774-1971
48.	2116	76-10-16	77-10-15	IS : 2556-1974
49.	2158	76-10-01	77-09-30	IS : 561-1972
50.	2161	76-10-01	77-09-30	IS : 2865-1969
51.	2170	76-10-01	77-09-30	IS : 564-1975
52.	2187	76-07-01	77-06-30	IS : 226-1975
53.	2188	76-07-01	77-06-30	IS : 1977-1975
54.	2230	76-10-01	77-09-30	IS : 633-1975
55.	2231	76-10-01	77-09-01	IS : 1308-1974
56.	2272	76-09-16	77-09-15	IS : 3829-1966 IS : 4510-1968
57.	2282	76-10-01	77-09-30	IS : 2567-1973
58.	2285	76-10-01	77-09-30	IS : 3035 (Part I & II)-1965 IS : 3035 (Part III)-1967
59.	2290	76-10-01	77-09-30	IS : 10-1970
60.	2294	76-10-01	77-09-30	IS : 2480-1964
61.	2315	76-10-01	77-09-30	IS : 561-1972
62.	2325	76-10-01	77-09-30	IS : 2567-1975
63.	2406	76-09-16	77-09-15	IS : 561-1972
64.	2541	76-07-01	77-06-30	IS : 1786-1966
65.	2658	76-10-01	77-09-30	IS : 434 (Part I & II) -1964
66.	2765	76-09-16	77-09-15	IS : 2509-1973
67.	2780	76-10-16	78-03-31	IS : 3975-1967
68.	2806	76-09-16	77-09-15	IS : 1554 (Part I)-1964
69.	2908	76-10-01	77-09-30	IS : 1601-1960
70.	2999	76-10-01	77-09-30	IS : 779-1968
71.	3005	76-10-01	77-09-30	IS : 1601-1960
72.	3034	76-10-01	77-09-30	IS : 3564-1970
73.	3042	76-10-16	77-10-15	IS : 10-1970
74.	3168	76-10-01	77-02-30	IS : 1601-1960
75.	3190	76-11-01	77-10-19	IS : 1601-1960
76.	3199	76-11-01	77-10-31	IS : 2400-1963
77.	3253	76-09-01	77-08-31	IS : 1488-1969
78.	3309	76-10-01	77-09-30	IS : 10 (Part III)-1974
79.	3339	76-03-01	77-02-28	IS : 828-1966
80.	3340	76-03-01	77-02-28	IS : 828-1966
81.	3371	76-04-01	77-03-31	IS : 3055-1963
82.	3496	76-10-16	77-10-15	IS : 2077-1962
83.	3531	76-08-16	77-06-30	IS : 1507-1966
84.	3532	76-09-16	77-11-30	IS : 6914-1973
85.	3533	76-09-16	77-11-30	IS : 6915-1973
86.	3537	76-09-16	77-03-31	IS : 1310-1974
87.	3541	76-09-16	77-09-15	IS : 4985-1968
88.	3545	76-10-01	77-03-31	IS : 1310-1974
89.	3559	78-10-01	77-09-30	IS : 5430-1969
90.	3561	76-10-01	77-09-30	IS : 1786-1966

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
91.	3576	76-09-16	77-09-15	IS : 226-1975
92.	3577	76-09-16	77-09-15	IS : 1977-1975
93.	3606	76-09-16	77-09-15	IS : 6914-1973
94.	3607	76-09-16	77-09-15	IS : 6915-1973
95.	3841	76-08-16	77-08-15	IS : 2567-1973
96.	3929	76-09-01	77-08-31	IS : 1307-1973
97.	3934	76-09-01	77-08-31	IS : 7121-1973
98.	3937	76-09-01	77-08-31	IS : 2507-1975
99.	3943	76-09-16	77-09-15	IS : 563-1973
100.	3944	76-10-01	77-09-30	IS : 563-1973
101.	3953	76-10-01	77-09-15	IS : 3035 (Part I)-1965
102.	3960	76-10-01	77-09-30	IS : 561-1972
103.	3961	76-10-01	77-09-30	IS : 2567-1973
104.	3984	76-10-16	77-10-15	IS : 4323-1967
105.	3988	76-10-16	77-10-15	IS : 1601-1960
106.	3995	76-10-01	77-09-30	IS : 3470-1966
107.	4013	76-11-01	78-01-31	IS : 4323-1967
108.	4017	76-11-01	77-10-31	IS : 2865-1964
109.	4037	76-10-01	77-09-30	IS : 2339-1963
110.	4038	76-10-01	77-09-30	IS : 427-1965 IS : 428-1969
111.	4123	76-10-01	77-09-30	IS : 5950-1971
112.	4282	76-10-01	77-09-30	IS : 6914-1973
113.	4283	76-10-01	77-09-30	IS : 6915-1973
114.	4358	76-08-16	77-08-15	IS : 561-1972
115.	4377	76-08-16	77-08-15	IS : 633-1975
116.	4378	76-08-16	77-08-15	IS : 564-1975
117.	4384	76-08-16	77-03-31	IS : 1310-1974
118.	4385	76-08-16	77-08-15	IS : 2567-1973
119.	4394	76-08-16	77-08-15	IS : 7123-1973
120.	4409	76-06-01	77-05-31	IS : 4072-1973
121.	4513	76-08-01	77-07-31	IS : 1166-1973
122.	4555	76-08-16	77-08-15	IS : 226-1975
123.	4580	76-09-01	77-08-31	IS : 561-1972
124.	4609	76-09-16	77-09-15	IS : 1601-1960
125.	4613	76-09-16	77-09-15	IS : 565-1961
126.	4614	76-09-16	77-09-15	IS : 3903-1966
127.	4627	76-09-16	77-09-15	IS : 4985-1968
128.	4646	76-09-16	77-99-15	IS : 1989-1973
129.	4655	76-10-01	77-09-30	IS : 419-1967
130.	4657	76-10-01	77-09-30	IS : 561-1972
131.	4658	76-10-01	77-09-30	IS : 562-1972
132.	4670	76-10-01	77-09-30	IS : 633-1975
133.	4672	76-10-01	77-09-30	IS : 398-1961
134.	4677	76-10-01	77-09-30	IS : 4323-1967
135.	4682	76-10-01	77-09-30	IS : 1165-1967
136.	4683	76-10-01	77-09-30	IS : 561-1972
137.	4685	76-10-01	77-09-30	IS : 2465-1969
138.	4686	76-10-01	77-09-30	IS : 564-1975
139.	4698	76-10-01	77-09-30	IS : 1848-1971
140.	4708	76-10-01	77-09-30	IS : 1848-1971
141.	4712	76-10-01	77-09-30	IS : 1848-1971
142.	4713	76-10-01	77-09-30	IS : 1848-1971
143.	4714	76-10-01	77-09-30	IS : 1848-1971
144.	4723	76-10-16	77-10-15	IS : 1601-1960
145.	4730	76-10-16	77-10-15	IS : 633-1975
146.	4733	76-10-01	77-09-30	IS : 325-1972 & IS : 1520-1972
147.	4745	76-10-16	77-10-15	IS : 1925-1974
148.	4749	76-11-01	77-10-31	IS : 2052-1968
149.	4768	76-10-01	77-09-30	IS : 1601-1960

[No. CMD/13 : 12]

A. P. BANERJI, Deputy Director General.

(मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1979

का० आ० 3828—मर्यश्री इल्स्कोप प्रा० लि०, 89-92, इन्डस्ट्रियल एरिया, नरोदा, अहमदाबाद को नीचे दर्शाए गए विवरण के अनुसार सामान्य मुद्रा क्षेत्र के अन्तर्गत संलग्न सूची मे 2,00,000/-रुपए के मूल्य तक कच्चे माल और संघटकों का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी/डी/2206908/सी/एक्सएक्स/62/एच/43-44/रेडियो, दिनांक 21-1-77 को जारी किया गया था ।

2. उन्होंने उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति उसके बैंकर अर्थात् बैंक आफ इण्डिया, भद्रा, अहमदाबाद के पास पंजीकृत कराने और आंशिक रूप से उपयोग में लाने के पश्चात् खो गई/अस्थानस्थ हो गई है । लाइसेंसधारी ने आगे यह भी बताया है कि लाइसेंस में 38,000/-रुपए की धनराशि उपयोग में लानी शेष है ।

3. अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है । अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि आयात लाइसेंस संख्या पी/डी/2206908, दिनांक 21-1-1977 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है और अतः निदेश देता है कि आवेदन को उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति जारी की जानी चाहिए । मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति एतद् द्वारा रद्द की जाती है ।

4. उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति अब अलग से जारी की जानी है ।

लाइसेंस का विवरण

क्रम सं०	लाइसेंस संख्या और दिनांक	माल का विवरण	देश	वैधता अवधि	समाप्ति की तारीख	मूल्य रुपए में	उपयोग में लाया गया मूल्य	शेष धनराशि
1.	पी/डी/2206908/ दिनांक 21-1-77	संलग्न सूची के अनुसार कच्चे माल संघटक	सामान्य मुद्रा क्षेत्र	24 महीने अर्थात् 20-1-1979 तक	31-10-78	2 लाख	1,62,000/-	38,000/-

[संख्या-रेडियो/54(1) 76-77/आरएम-2]

राजिन्दर सिंह, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 6th November, 1979.

S. O. 3828:—M/s. Elscope Private Ltd., 89-92, Industrial Area, Naroda, Ahmedabad were granted import licence No. P/D/2206908/C/XX/62/H/43-44/Radio, dated 21-1-77 for import of Raw Materials and Components as per list attached to it valued at Rs. 2,00,000/-under G. C. A. and as per particulars given below:—

2. They have requested for the issue of duplicate Exchange Control Purpose Copy of the above said licence on the ground that the Exchange Control Prupose Copy has been lost/misplaced after having been registered with their Bankers viz. Bank of India, Bhadra, Ahmedabad and utilized partly. It has been further reported by the licensee that the licence had an unutilised balance of Rs. 38,000/-.

3. In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Exchange Conttol Purpose Copy of import licence No. P/D/2206908 dated 21-1-1977 has been lost and hence directs that duplicate Exchange Conttol Purpose Copy of the said licence should be issued to the applicant. The original Exchange Control Purpose Copy is hereby cancelled.

4. The Duplicate Exchange Control Purpose Copy of the said licence is being issued separately

PARTICULAR OF THE LICENCE.

S. No.	Licence No. & Date	Description of goods	Country	Validity period	Date of expiry	Valuc Rs.	Utilised value	Balance
1.	P/D/2206908 dt. 21-1-77	RM/Components as per list attached.	GCA	24 Months i. e., upto 20-1-79	31-10-78	2 Lakhs	1,62,000	38,000

[File No. Radio/54(1)/76-77/RM-II]

RAJINDER SINGH,

Dy. Chief Controller of Imports & Exports

for Chief Controller of Imports & Exports.

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर, 1979

का० आ० 3829.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में इन्स्ट्रुमेंटेशन लिमिटेड कोटा को जिसके कर्मचारी-वृन्द ने हिन्दी का कार्य साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है।

[फा० सं० ई-12012(2)/79-हि०अ०]
मदन गुप्त, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 19th October, 1979

S.O. 3829.—In pursuance of Sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies Instrumentation Ltd., Kota whose staff have acquired the working knowledge of Hindi.

[No. E-12012/2/79-H.S.]
M. L. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1979

का० आ० 3830.—पेटेन्ट्स अधिनियम, 1970 (1970 का 39) की धारा 31 के खंड (क) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा ट्रेड फेयर अथोरिटी द्वारा नई दिल्ली में 10 नवम्बर, 1979 से लगाई जाने वाली एक प्रदर्शनी नामत. अंतर्राष्ट्रीय उद्योग मेला, 1979 पर उक्त धारा 31 के उपबंधों को लागू करती है।

[स० 8(18)/79-पी०पी०एण्ड सी०]
मोहिन्दर सिंह, उप सचिव

New Delhi, the 9th November, 1979

S.O. 3830.—In exercise of the powers conferred by clause(a) of section 31 of the Patents Act, 1970 (39 of 1970), the Central Government hereby extends the provisions of said section 31 to the International Industries Fair, 1979, an exhibition, organised by the Trade Authority of India in New Delhi from the 10th November, 1979.

[No. 8(18)/79-PP&C]
MOHINDER SINGH, Dy. Secy.

पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पैट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 25 अक्तूबर, 1979

का० आ० 3831.—केन्द्रीय सरकार तेल उद्योग (विकास) अधिनियम, 1974 (1974 का 47) की धारा (3) की उपधारा (1) तथा उप-धारा (3) से (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का, और उसे इस निमित्त समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए 13 जनवरी, 1979 से तेल उद्योग विकास बोर्ड स्थापित करती है, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात् :—

1. श्री ह्वे०न० बहुगणा पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री	अध्यक्ष
2. श्री बी०बी० वोहरा, सचिव, पैट्रोलियम विभाग	पैट्रोलियम विभाग का प्रतिनिधित्व करने की हैसियत से नियुक्त सदस्य
3 श्री टी०एस० नायर, सलाहकार (शोधनशाला) पैट्रोलियम विभाग	-वही-
4. श्री एस०एल० खोसला वित्त सलाहकार पैट्रोलियम विभाग,	वित्त मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करने की हैसियत से नियुक्त सदस्य
5 श्री एस०वी०एस० जुनेजा, संयुक्त सचिव, आर्थिक कार्य विभाग	-वही-
6 डा० एस० वरदराजन, अध्यक्ष, इंडियन पैट्रो-कैमिकल्स कारपोरेशन लि०	निगमों का प्रतिनिधित्व करने के लिए उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (3) के खण्ड (ग) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त सदस्य।
7. श्री पी०टी० वेणुगोपाल, अध्यक्ष, तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग	
8. श्री सी० आर० दासगुप्ता, अध्यक्ष, इंडियन आयल कार्पोरेशन लि०	निगमों का प्रतिनिधित्व करने के लिए उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (3) के खण्ड (ग) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त सदस्य।
9. श्री के०सी० शर्मा, अध्यक्ष, फर्टिलाइजर्स कार्पोरेशन आफ इंडिया	
10. डा० आई०बी० गुलाटी, निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ पेट्रोलियम	उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (3) के खण्ड (च) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त सदस्य।

2 अध्यक्ष और उपरोक्त अन्य सदस्य (जो पदेन नियुक्त नहीं है) 13 जनवरी, 1979 से 2 वर्ष की अवधि तक के लिए अपने पद पर बने रहेंगे।

[संख्या 7(4)/79-वित्त-II]

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS & FERTILIZERS

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 25th October, 1979

S. O. 3831.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and sub-sections (3) to (4) of section 3 of the Oil Industry (Development) Act, 1974 (47 of 1974), and of all other powers herein to enabling, the Central Government hereby establishes, with effect from the 13th January, 1979, the Oil Industry Development Board consisting of the following members, namely :—

1. Shri H. N. Bahuguna, Minister of Petroleum, Chemicals and Fertilizers	Chairman
2. Shri B. B. Vohra, Secretary, Department of Petroleum	Member appointed by virtue of his office to represent the Department of Petroleum.
3. Shri T. S. Nayar, Adviser (Refineries), Department of Petroleum	Member appointed by virtue of his office to represent the Department of Petroleum.
4. Shri S. L. Khosla, Financial Adviser to the Department of Petroleum.	Member appointed by virtue of his office to represent the Ministry of Finance.
5. Shri S. V. S. Juneja, Joint Secretary, Department of Economic Affairs.	Member appointed by virtue of his office to represent the Ministry of Finance.

6. Dr. S. Varadarajan, Chairman, Indian Petrochemicals Corporation Limited 7. Shri P. T. Venugopal, Chairman, Oil & Natural Gas Commission 8. Shri C R. Das Gupta, Chairman, Indian Oil Corporation Limited.	Members appointed by the Central Government under clause (c) of sub-section (3) of section 3 of the said Act to represent Corporations.
9. Shri K. C. Sharma, Chairman, Fertilizer Corporation of India	Members appointed by the Central Government under clause (c) of sub-section (3) of section 3 of the said Act to represent Corporations.
10. Dr. I. B. Gulati, Director, Indian Institute of Petroleum	Member appointed by the Central Government under clause (d) of sub-section (3) of secton 3 of the said Act.

2. Chairman and other members (not being a member appointed by virtue of his office) aforesaid shall hold office for a period not exceeding two years with effect from the 13th January, 1979.

[No. 7(4)/79-Fin.II]

का०आ० 3832.—तेल उद्योग (विकास) अधिनियम, 1974 (1974 का 47) की धारा 3 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री श्री अरविन्द बाला पजनौर को तत्काल तेल उद्योग विकास बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 7(4)/79-वित्त-II]
राजेश्वर सेन, डेस्क अधिकारी

S.O. 3832.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 3 of the Oil Industry (Development) Act, 1974 (47 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri Arvinda Bala Pajnor, Minister of Petroleum, Chemicals and Fertilizers as Chairman of the Oil Industry Development Board with immediate effect.

[No. 7(4)/79-Fin. II]
RAJESH SEN, Desk Officer

इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1979

का० आ० 3833.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि उससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि से कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है ।

2. इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण, सेन्ट्रल कोल्ड फील्ड लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) के दरभंगा हाउस रांची-834001 में स्थित कार्यालय या जिला मजिस्ट्रेट धेनकानल (उड़ीसा) या कोयला नियंत्रक के कौंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित कार्यालय में किया जा सकता है । इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति उस अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के भीतर राजस्व अधिकारी, सेन्ट्रल कोल फील्ड लि०, दरभंगा हाउस, रांची-834001 को परिदत्त कर दें ।

अनुसूची

अनन्तबेरिनी ब्लाक

तालचर कोयला क्षेत्र

जिला धेनकानल

उड़ीसा

[रेखांक सं० राज०/42/79]

तारीख 1-6-1979

(पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचित क्षेत्र)

क्रम सं०	ग्राम	थाना	उप-मण्डल	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पण
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	नकई पासी	कोयला क्षेत्र	तालचर	—	धेनकानल		भाग
2.	दसरथीपुर	,,	,,	—	,,		पूर्ण
3.	पद्मावतीपुर	,,	,,	—	,,		भाग
4.	रकास	,,	,,	—	,,		भाग
5.	अनन्तबेरिनी	,,	,,	—	,,		पूर्ण
6.	पविलपुर	,,	,,	—	,,		पूर्ण

1	2	3	4	5	6	7
7.	लक्ष्मणपुर	,,	,,	—	,,	भाग
8.	बैदेश्वर	,,	,,	—	,,	पूर्ण
		योग	क्षेत्र	1472.00 एकड़ (लगभग)		
		या		595.69 हेक्टेयर (लगभग)		

सीमा वर्णन

क–ख रेखा नकई पासी, पद्मावती पुर और रकास ग्रामों से होकर गुजरती है ।

ख–ग रेखा, रकास और मादूपुर (अल्हादपुर) ग्रामों के सम्मिलित, सीमा के एक भाग से, रकास और दामोदर पुर, अनन्तबेरिनी और दामोदरपुर, लक्ष्मणपुर और दामोदरपुर, लक्ष्मणपुर और नखलपुर ग्रामों (जो दामोदरपुर ब्लाक के लिए कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन अर्जित क्षेत्र की सम्मिलित सीमा है) की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है।

ग–घ–ङ रेखाएं लक्ष्मणपुर ग्राम से होते हुए भरतपुर ग्राम के साथ साथ (जो भरतपुर ब्लाक के लिए कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन अर्जित क्षेत्र की सम्मिलित सीमा है) जाती है ।

ङ–च रेखा लक्ष्मणपुर और बालन्दा, लक्ष्मणपुर और बड़ासिगदा ग्रामों (जो दक्षिणी बालन्दा ब्लाक के लिए कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन अर्जित क्षेत्र की सम्मिलित सीमा है) की सम्मिलित सीमा से होकर जाती है ।

च–छ–ज–झ–ञ रेखाएं, लक्ष्मणपुर और जामू बहाली, बैदेसर और जामू बहाली, पवित्रपुर और जामू बहाली, पवित्रपुर और दानरा, अनन्तबेरिनी और दानरा, पद्मावतीपुर और दानरा दसरथीपुर और दानरा ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ साथ और नकईपासी और दानरा ग्रामों (जो नांदिरा ब्लाक के लिए कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन अर्जित क्षेत्र की सम्मिलित सीमा है) के एक भाग से होकर जाती है ।

ञ–क रेखा, नकईपासी ग्राम से होकर गुजरती है और आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है ।

[फा० सं० 19/26/79–सी० एल०]

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL

(Department of Coal)

New Delhi, the 7th November, 1979

S. O. 3833:—Whereas it appears to the Central Govt. that the Coal is likely to be obtained from the lands in the locality mentioned in the Schedule hereto annexed.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan of the area covered by this notification can be inspected at the Office of the Central Coalfields Ltd., (Revenue Section) Darbhanga House, Ranchi-834001, or at the Office of the District Magistrate, Dhenkanal (Orissa), or at the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-700001.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coalfields Ltd., Darbhanga House, Ranchi-834001 within 90 days from the date of the publication of this notification.

SCHEDULE

Anantaberini Block

Talcher Coalfield

Distt. Dhenkanal

Orissa.

Drg. No. Rev/42/79

Dated : 1-6-1979

(Area notified for prospecting)

Sl. No.	Village	P. S.	Sub-division	Thana No.	District	Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Nakalpasi	Colliery	Talcher	..	Dhenkanal		Part
2.	Dasarathipur	,,	,,	..	,,		Full
3.	Padmabatipur	,,	,,	..	,,		Part
4.	Rakas	,,	,,	..	..		Part
5.	Anantaberini	,,	,,	..	,,		Full
6.	Pabitrapur	,,	,,	..	,,		Full

1	2	3	4	5	9	7	8
7. Lachhmanpur		,,	,,	..	,,		Part
8. Baideswar		,,	,,	..	,,		Full

Total area: 1472.00 acres (approximately)
or 595.69 hect. (approximately)

Boundary Description

A-B — line passes through villages Nakaipasi, Padamatipur and Rakas.

B-C — line passes along the part common boundary of villages Rakas and Madupur (Alhadnagar), common boundary of villages Rakas and Damodarpur, Anantaberini & Damodarpur, Lachhmanpur & Damodarpur, Lachhmanpur, & Nakhatrapur which forms common boundary with the area acquired under section 9(1) of the Coal Act for Damodarpur Block.

C-D-E — lines pass through village Lachhmanpur and along the boundary of village Bharatpur (which forms common boundary with the area acquired u/s 9(1) of the Coal Act for Bharatpur Block.

E-F — line passes along the common boundary of villages Lachhamanpur & Balanda, Lachhmanpur & Badasingada (which forms common boundary with the area acquired u/s 9(1) of the Coal Act for South Balanda Block.

F-G-H-I-J — line passes along the common boundary of villages Lachhmanpur & Jamu Bahali, Baidessar & Jamu Bahali, Pabitrapur & Jamu Bahali, Pabitrapur & Danra, Anantaberini & Danra Padambatipur & Danra, Dasarathipur & Danra, & part of villages Nakaipasi & Danra (which forms common boundary with the area acquired u/s 9 (1) of the Coal Act for Nandira Block.

J-A — line passes through village Nakaipasi and meets at starting point 'A'.

[No. 19(26)/79-CL]

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1979

का॰ आ॰ 3834—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (II) असाधारण, तारीख 4 अगस्त, 1979 के पृष्ठ 769–773 पर प्रकाशित, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं॰ का॰ आ॰ 450(अ) तारीख 4 अगस्त, 1979 में,

(1) पृष्ठ 769 पर :—
"अधिसूचना" के नीचे लाइन 2 में : "तारीख 10 अगस्त 2976" के स्थान पर "तारीख 10 अगस्त, 1976" पढ़िए ।

(2) पृष्ठ 770 पर :—
लाइन 1 में : "खनिज ले जाने के अधिकारी'" के स्थान पर "खनिज ले जाने के अधिकार" पढ़िए ।

शीर्ष दुर्गापुर ग्राम में अर्जित भूखण्ड संख्यांक के नीचे,—
लाइन 9 में दर्शाए गए प्लाट :

(i) प्लाट "(133/3, 149/3, 150/3)" को निकाल दीजिए ;

(ii) प्लाट "(133/4, 149/4, 150/4), (133/5, 149/5, 150/6)" के स्थान पर "(133/4, 149/4, 150/4) (133/5, 149/5, 150/5) (133/6, 149/6, 150/6)" पढ़िए ।

लाइन 11 में,—

(i) प्लाट "162/2(पी)" के स्थान पर "161/2(पी)" पढ़िए ;

(ii) प्लाट "163(पी)" के स्थान पर "163/1(पी)" पढ़िए ।

(3) पृष्ठ 771 पर,—
शीर्ष बैदई गोविन्दपुर ग्राम में अर्जित भूखण्ड संख्यांक,—
लाइन 1 में,

(i) प्लाट "107/24(पी), 107/25 (बी)" के स्थान पर,

(ii) "107/24 (पी), 107/25ए, 107/25बी" पढ़िए ;

लाइन 2 में,—
प्लाट "107/73 (पी)" के स्थान पर "107/33(पी)" पढ़िए ।

सीमा वर्णन :

रेखा क-ख-ग-घ में,—

"107/35" के स्थान पर "107/33" पढ़िए ;

"107/79" के स्थान पर "107/29" पढ़िए ;

"35, 34" के स्थान पर "35, 33, 34" पढ़िए ।

रेखा म — द में,—

"(कम्पा सं॰ 40)" के स्थान पर "(कम्पा सं॰ 400)" पढ़िए ।

रेखा द —ध में,—

"बिन्दु क पर मिलती है" के स्थान पर "बिन्दु प पर मिलती है" पढ़िए ।

रेखा थ—त में,—
"कूप सं॰ V" के स्थान पर "कूप संख्या U" पढ़िए ।

रेखा त—ण—ढ में,—
"बिन्दु ठ पर मिलती है" के स्थान पर "बिन्दु ढ पर मिलती है" पढ़िए ।

रेखा ढ—क में,—

"प्लाट सं० 197/41 और" के स्थान पर, "प्लाट सं० 107/41 और" पढ़िए।

(4) पृष्ठ 772 पर,—

अनुसूची "ख" में, स्तंभ 6 तथा 7 में,—

(i) "144.28—पूरा" कूप के स्थान पर "144.28-भाग" पढ़िए।

(ii) "153.00" के स्थान पर "153.00 पूरा कूप" पढ़िए।

(iii) शीर्ष दुर्गापुर ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट सं० के नीचे तीसरी पंक्ति में,—

"8/71" के स्थान पर "87/1" पढ़िए।

(5) पृष्ठ 773 पर:

रेखा छ—ज के सामने, प्रथम पंक्ति के अंत में,—

"कूप सं० XXXII" के स्थान पर "कूप स० XXXIII" पढ़िए।

[सं० 19(9)/79 सी एल]

एम० के० बोस, संयुक्त सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 9th November, 1979

S.O. 3834.— In the notification of the Government of India, in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 450 (E) dated the 4th August, 1979, published at pages 773 to 776 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 4th August, 1979—

(1) *at page* 774—In Schedule 'A'—

(i) in the table under the heading Revenue Land, under column—heading Remarks, for "Paarli" read "Part";

(ii) under the heading—Plot numbers acquired in village Sinhala, for "183/3(P)" read "181/3(P)";

(2) at page 775—
under the heading—Boundary Description—Line 1, for "107/31.A," read "107/31A".

[No. 19(9)/79-CL]

S. K. BOSE, Jt. Secy.

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1979

का०आ० 3835.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विपणन और निरीक्षण निदेशालय, लेखापाल (अधीनस्थ लेखा सेवा इतर) भर्ती नियम, 1978 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विपणन और निरीक्षण निदेशालय, (लेखापाल, अधीनस्थ लेखा सेवा इतर) भर्ती (संशोधन) नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. विपणन और निरीक्षण निदेशालय, लेखापाल (अधीनस्थ लेखा सेवा इतर) भर्ती नियम, 1978 की अनुसूची में,—

(क) स्तम्भ 11 और 13 की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात्:—

स्तम्भ 11 :

"ऐसे सहायकों (के०म०स०)/उच्च श्रेणी लिपिकों (के०म०लि०से०) की प्रतिनियुक्ति द्वारा, जिन्होंने अपनी-अपनी श्रेणी में 5/8 वर्ष अनुमोदित सेवा कर ली है और जिन्होंने सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान में रोकड़ और लेखा में प्रशिक्षण सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया है।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)"

स्तम्भ 13 :

"लागू नहीं होना।"

[फा०सं० 1-14/77-ए एम]

प्रकाश चन्द्र, अवर सचिव

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

New Delhi, the 7th November, 1979

S. O. 3835.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Directorate of Marketing and Inspection, Accountant (Non-SAS) Recruitment Rules, 1978, namely:—

1. (1) These rules may be called the Directorate of Marketing and Inspection (Accountant, Non-SAS) Recruitment (Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Directorate of Marketing and Inspection Accountant (Non-SAS) Recruitment Rules, 1978, –

(a) for the entries in column 11 and 13, the following entries shall be substituted, namely:—

Column 11 :

"By deputation of Assistants (CSS)/Upper Division Clerks (CSCS) with 5/8 years approved service in the respective grades having successfully undergone training in Cash and Accounts at the Institute of Secretariat Training and Management. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years)."

Column 13 :
"Not applicable".

[No. F. 1-14/77-AM]

PARKASH CHANDER, Under Secy.

निर्माण, आवास, पूर्ति एवं पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

(बन्दोबस्त खण्ड)

नई दिल्ली, 23 अक्तूबर, 1979

का०आ० 3836.—पुनर्वास विभाग के बन्दोबस्त खण्ड के सहायक बन्दोबस्त अधिकारी श्री एम०सी० जैन को निवर्तन आयु तक के पहुंचने पर 30 सितम्बर, 1979 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त कर दिया गया है।

[सं० 28/236/आर०एस०सी०/(सी)/एडमिन/74/एस०डब्ल्यू०]

बी०बी० शर्मा, उप-सचिव

MINISTRY OF W.H.S. & REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

(Settlement Wing)

New Delhi, the 23rd October, 1979

S.O. 3836.—On attaining the age of superannuation Shri M. C. Jain, Asstt. Settlement Officer in the Settlement Wing of the Department of Rehabilitation retired from service with effect from the afternoon of 30-9-1979.

[No. 28(236)/RSC(C)/Admn/74/SW]

B. B. SHARMA, Dy. Secy.

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

(बन्दोबस्त खण्ड)

नई दिल्ली, 24 अक्तूबर, 1979

का०आ० 3837.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर एवं पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पुनर्वास विभाग (बन्दोबस्त खण्ड) में लेखा अधिकारी (कनिष्ठ) श्री बी० आर० बजाज को उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन अपने वर्तमान कार्यभार के साथ सहायक बन्दोबस्त अधिकारी को सौंपे गए कार्यों को निष्पादित करने के लिए, सहायक बन्दोबस्त अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है ।

[संख्या ए-36016(1)/79-प्रशासन (एस०डब्ल्यू०)]

एन०एम० वधवानी, अवर सचिव

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

(Settlement Wing)

New Delhi, the 24th October, 1979

S. O. 3837:—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation & Rehabilitation) Act, 1954 (No. 44 of 1954) the Central Government hereby appoints Shri B. R. Bajaj, Accounts Officer (Junior) in the Settlement Wing of the Department of Rehabilitation as Assistant Settlement Officer in addition to his own duties for the purpose of performing the functions assigned to such officer by or under the said Act.

[No. A-306016(1)/79-Admn. (SW)]

N. M. WADHWANI, Under Secy.

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1979

का०आ० 3838.—राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (2) और (4) के अनुपालन में रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) निम्नलिखित रेल कार्यालयों को, जहां के कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करता है :—

(1) भारतीय रेल सम्मेलन, नयी दिल्ली ।

(2) रेल सेवा आयोग, बम्बई ।

(3) मण्डल अधीक्षक का कार्यालय, मुगलसराय, पूर्व रेलवे ।

(4) संयंत्र डिपो, मुगलसराय, पूर्व रेलवे ।

(5) जिला भंडार नियंत्रक का कार्यालय, जमालपुर कारखाना, पूर्व रेलवे, जमालपुर ।

(6) उपनिदेशक (निरीक्षण) का कार्यालय, अ० अ० और मानक संगठन निरीक्षण एकक, डीजल रेल इंजन कारखाना, वाराणसी ।

(7) उप निदेशक/निरीक्षण, (सिगनल एवं दूर संचार), का कार्यालय, अ० अ० एवं मानक संगठन निरीक्षण एकक, कमरा नं० 210 एनेक्सी भवन, डी० एस० आफिस, उत्तर रेलवे, स्टेट एन्ट्री रोड, नयी दिल्ली ।

(8) उपनिदेशक, निरीक्षण (विद्युत) का कार्यालय, अ० अ० एवं मानक संगठन निरीक्षण एकक, कमरा नं० 11, ब्लाक 11 ऐनेक्सी 'ग', भूतल, द्वारा मैसर्स हैवी इलैक्ट्रिकल्स (इंडिया) लिमिटेड, भोपाल ।

(9) उपनिदेशक निरीक्षण, (निरीक्षण एवं संपर्क) का कार्यालय, अ० अ० एवं मा० सं०, निरीक्षण एकक, बम्बई ।

[सं० हिन्दी-79/रा० भा० 15/36]

के० बालचन्द्रन, सचिव, रेलवे बोर्ड
एवं पदेन संयुक्त सचिव

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 8th November, 1979

S.O. 3838.—In pursuance of Sub-Rules (2) & (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for the Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Ministry of Railway (Railway Board) hereby notify the following Railway offices, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi :—

1. Indian Railway Conference Association, New Delhi.
2. The Railway Service Commission, Bombay.
3. Office of the Divl. Supdt., Moghalsarai, Eastern Railway.
4. Plant Depot, Moghalsarai, Eastern Railway.
5. Office of the Distt. Controller of Stores, Jamalpur Workshop, Eastern Railway, Jamalpur.
6. Office of the Dy. Director (Inspection), Inspection Cell, R.D.S.O., Diesel Locomotive Works, Varanasi.
7. Office of the Dy. Director (Inspection) (S&T), RDSO Inspection Cell, Room No. 210, Annexe, D.S. Office, Northern Railway, State Entry Road, New Delhi.
8. Office of the Dy. Director/Electrical, RDSO Inspection Cell, Room No. 11, Block 11, Annexe 'C' Ground floor, C/o M/s. Heavy Electricals (India) Ltd., Bhopal.
9. Office of the Dy. Director/Inspection (Inspection & Liaison) RDSO Inspection Cell, Bombay.

[No. Hindi-79/OL-15/36]

K. BALACHANDRAN, Secy.
Railway Board & Ex-officio Jt. Secy.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1979

का०आ० 3839.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ङ) के उपखण्ड (6) के उपबन्धों के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1767 तारीख 10 मई, 1979 द्वारा तेल क्षेत्र में सेवाओं को, उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ के लिए 10 मई, 1979 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था ;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ङ) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 10 नवम्बर, 1979 से छ मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं० एम० 11017/4/78/डी-आई ए]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 6th November, 1979

S.O. 3839.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1767, dated the 10th May, 1979, the services in any oilfield to be public utility services for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 10th May, 1979 ;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said services to be public utility services for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 10th November, 1979.

[No. S. 11017/4/79-D.I.A]

का०आ० 3840.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उपखण्ड (6) के उपबन्धों के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 1817, तारीख 16 मई, 1979 द्वारा कोयला उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 27 नवम्बर, 1979 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 27 नवम्बर, 1979 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं० एस०-11017/9/79/डी-आईए]

S.O. 3840.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1817, dated the 16th May, 1979, the coal industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 27th May, 1979 ;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said Industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 27th November, 1979.

[No. S-11017/9/79/DIA]

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1979

का०आ० 3841.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2, के खण्ड (ढ) के उपखण्ड (6) के उपबन्धों के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 1692, दिनांक 7 मई, 1979 द्वारा लोहा अयस्क खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 18 मई, 1979 से छ. मास की कालावधि के लिए उपयोगी सेवा घोषित किया गया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 18 नवम्बर, 1979 से छः मास की और कालावधि के लिए उपयोगी सेवा घोषित करती है ।

[सं० एस०-11017/8/79/डी-आईए]

New Delhi, the 8th November, 1979

S.O. 3841.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1692, dated the 7th May 1979, the Iron Ore Mining Industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 18th May, 1979 ;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 18th November, 1979.

[No. S-11017/8/79/DIA]

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1979

का० आ० 3842.—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित है कि सीमेंट उद्योग की सेवाओं को, जिन्हें उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में प्रविष्टि 3 द्वारा शामिल किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोकहित उपयोगी सेवा घोषित किया जाना चाहिए ;

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उपखण्ड (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार सीमेंट उद्योग की सेवाओं को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है ।

[सं० एस० 11017/7/79/डीआईए]

पी० बी० एल० सक्सेना, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th November, 1979

S.O. 3842.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that services in the cement industry which are covered by entry 3 in the First Schedule to the said Act, should be declared to be public utility services for the purposes of the said Act ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said services in cement industry to be public utility services for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/7/79-D.IA]

P. B. L. SAXENA, Desk Officer

New Delhi, the 9th November, 1979

S.O. 3843.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Bharat Coking Coal Limitel, Karmik Bhawan, Saraidhella, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th November, 1979.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, DHANBAD

Reference No. 32 of 1979

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Karmik Bhavan, Saraidhella, District Dhanbad.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

On behalf of the employer—Shri P. S. Manoharam, Legal Manager.

On behalf of the workmen—Shri R. Prasad, Genl. Secretary, BCCL Staff Co-ordination.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dhanbad, 27th October, 1979

AWARD

This is a reference under Section 10 of the I.D. Act, 1947. The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi vide order No. L-20012/17/79-D.III(A) dated 28th May, 1979 referred the dispute to this Tribunal for adjudication as per schedule below :

SCHEDULE

Whether the demand of the workmen of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Karmik Bhavan, Saraidhella, District Dhanbad that Shri Mathura Prasad Singh should be given promotion as Bill Clerk in Grade-I with effect from the 31st December, 1975 and that he should be allowed seniority from the 31st December, 1975 in Grade-I is justified ? If so, to what relief is the said workman entitled ?

After receipt of the reference written statement were filed by the employers as well as the workmen. The reference thereafter proceeded along its course and ultimately on 27-10-79 a joint petition of compromise was filed by the parties incorporating therein the terms of settlement arrived at between them in respect of the industrial dispute pending for adjudication in this Tribunal. As per the terms of settlement the management agreed to promote the concerned workman to Clerical Grade-I with effect from 31st December, 1975 and to pay him Rs. 1100 within 30 days of the date of settlement in full and final settlement of all the claims of the workman arising out of the dispute pending before this Tribunal. The management further agreed to put the name of the concerned workman at the proper place in the seniority list of the head quarters clerical staff. The terms of the settlement, being beneficial to the parties, are accepted. Accordingly, I pass the Award in terms of the settlement which do form a part of the award as Annexure A.

J. P. SINGH, Presiding Officer

[L-20012/17/79-D.III(A)]

827 GI/79—7

ANNEXURE 'A'

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 AT DHANBAND

In Reference No. 32 of 1979

Employer in relation to H.Q. Office of Bharat Coking Coal Ltd.

AND

Their Workmen.

Joint petition for compromise settlement

The humble petitioners, on behalf of the parties abovenoted, beg to state, that the parties have arrived at a comprise settlement of the instant dispute, on the terms stated hereunder :

Terms of Settlement

1. The Management agrees to promote the concerned workman to Clerical Grade-I post with effect from 31st December, 1975.
2. The Management agrees to put the name of the concerned workman at proper place in the seniority list of the Head Quarters, Clerical Staff.
3. The Management agrees to pay Rs. 1100 (Rupees One thousand one hundred only) to the concerned workman within 30 days of the date of settlement, in full and final settlement of all claims of the workman arising out of the dispute.
4. The Union and the workman agree that no further claim on any account whatsoever, subsists against the Management with respect to the present dispute, after the execution of this settlement.

The petitioners pray that the Hon. Tribunal may be pleased to accept the above terms as fair and reasonable, and pass award in terms thereof.

And for this, the humble petitioners shall ever pray.

For Bharat Coking Coal Limited.

Sd/-

(P. S. MANOHARAM)

Legal Manager.

1. For Workmen

(R. Prasad)

Genl. Secretary, BCCL, Staff Co-Ordination.

2. Mathura Prasad Singh,

Dated 24th October, 1979.

S.O. 3844.—In pursuance of section 17 of the Industrial Diputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mahuband Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nudkhurkee, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th November, 1979.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, DHANBAD

Reference No. 80 of 1979

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Madhuband colliery of Messrs Bharat Coking Coal Ltd., Post Office Nudkhurkee, District Dhanbad.

AND

Their workmen

APPEARANCES :

On behalf of the employers—Shri B. Joshi, Advocate.

On behalf of the workmen—Shri Ram Ayodhya Singh, General Secretary, Coalfield Labour Union.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 29th October, 1979

AWARD

This is a reference under Section 10 of the I.D. Act, 1947. The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi vide order No. L-20012/57/77-DIIIA, dated 4th October, 1977 referred the dispute to this Tribunal for adjudication as per schedule below :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Madhuband Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Pots Office : Nudkhurkee, District Dhanbad in not designating and paying the wages of Driller (Category IV) to Sarvashri Budhu Bhagat (Das), Achhaibar Yadav, Shyam Narayan Dusad, Madho Gope, Khalil Mia, Gokul Yadav, Sukhram Koiri, Chhota Mahara, Basir Mia, Murat Kahar and Ram Kari Harijan is justified ? If not to what relief are the said workmen entitled and from what date ?"

After receipt of the reference written statements were filed by the employers as also by the workmen. The reference thereafter proceeded along its course and ultimately on 20-10-79 a memorandum of settlement was filed by the parties incorporating therein the terms of settlement arrived at between them in respect of the industrial dispute pending for adjudication in this Tribunal. As per the settlement Shri Budhu Bhagat and 10 others mentioned in the schedule of the reference would be placed in category IV as driller with effect from 1-1-78 and the difference of wages would be paid to the workmen within one month from the date of filing the compromise petition before the Tribunal. The terms of the settlement, being beneficial to the workmen, are accepted. Accordingly, I pass the award in terms of the memorandum of settlement which do form a part of the award as Annexure A.

J. P. SINGH, Presiding Officer

[No. L-20012/57/77-D. III(A)]

S. H. S. IYER, Desk Officer

Memorandum of settlement under rule 58(4) arrived at between the management of B.C.C.L. in respect of Madhuband colliery and coalfield Labour Union and their workmen.

PARTIES.

Representing the Management :

1. Sri P. C. Tak, Agent, Madhuband Colliery.
2. Sri S. C. Gupta, Manager, Madhuband Colliery.
3. Sri P. K. Roy, Sr. Personnel Officer, Baroda Area.
4. Sri O. P. Joshi, Personnel Officer, Madhuband Colliery.

Representing the Workmen :

1. Sri Ram Ayodhya Singh, General Secretary, Coalfield Labour Union.
2. Sri Budhu Bhagat, Member of Executive Committee Branch, Madhuband.

SHORT RECITAL

The Secretary, Koyla Mazdoor Union (Now General Secretary, Coalfield Labour Union) raised an Industrial Dispute before the ALC (C) Dhanbad demanding placement of Sri Budhu Bhagat and 10 others as Drillers. The dispute ended in failure and subsequently referred for adjulication and numbered as Ref. 77/77. The matter was referred to Headquarters to which the competent authority in Headquarters has approved to settle the case between the parties. As such, the case is being settled as per the following terms and conditions :

Terms of Settlement

1. That it was agreed that Sri Budhu Bhagat and 10 others shall be placed in Category IV as Driller with effect from 1-1-78.
2. That it was agreed that S/Sri Shyam Narayan Dusadh who have voluntarily opted to work as Pump Khalasi, working as such and designated as such, shall leave no claim for the post of Driller and difference of wages arising out of the settlement.
3. That it was agreed by the Management that the difference of wages shall be paid within one month from the date of filing of compromise petition in the Tribunal.
4. That the matter resolved finally.
5. That the copies of settlement shall be sent to appropriate authorities concerned under Rule 58(4) of the Industrial Disputes Rules, 1957.

PARTIES :

Management :	Representing the Workman :
Sd/-	Sd/-
(P. C. Tak)	(Ram Ayodhya Singh)
Agent,	General Secretary,
Madhuband Colliery.	Coalfield Labour Union.
Sd/-	Sd/-
(S. C. Gupta)	(Budhu Bhagat)
Manager.	
Sd/-	
(P. K. Roy)	
Sr. P.O.	
Barora Area	
Sd/-	
(O. P. Joshi)	
P.O.	
Madhuband Colliery.	

Witness :

1. Achabar Yadav
2. Shyamnarayan Dusadh
3. Madho Gope
4. Khalil Mian

Dated : 27th October, 1979

5. Gokul Yadav
6. Sukram Koiri
7. Chatu Mahra
8. Basir Mian
9. Murat Kahar
10. Ram Kari Harijan.

New Delhi, the 14th November, 1979

S.O. 3845.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank, Boring Road, Patna and their workmen over termination of services of Shri Arun Kumar, Clerk with effect from 23-6-73 which was received by the Central Government on the 5-11-79.

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 28 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the management of Punjab National Bank, Boring Road, Patna.

AND

Their workman.

APPEARANCES :

For Employers.—Shri C. K. D. Gowda, Senior Personnel Officer.

For Workman.—Shri C. L. Bharadwaj, General Secy., All India P. N. B. Employees Assocn.

INDUSTRY : Bank STATE : Bihar

Dated, the 27th October, 1979

AWARD

The Govt. of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/S 33-B(1) of the Industrial Disputes Act, 1947 have transferred the the following dispute, arising U/S 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947, from the file of Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Dhanbad to this Tribunal as per their Order No. L-12012/103/74-LR. III dated 1st March, 1978.

SCHEDULE

"Whether the action of the Punjab National Bank in terminating the services of Shri Arun Kumar, Clerk in its Branch Office at Arrah with effect from 23rd June, 1973 and not treating him as a confirmed hand after a continuous service of six months is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?"

On behalf of the workman the General Secretary of All India Punjab National Bank Employees Association has filed a statement of claim dated 18-8-75 stating that the workman herein was appointed as a Clerk with effect from 31-8-71 at the Arrah Branch of the Punjab National Bank (Bank in brief) against the permanent sanctioned vacancy of Shri J. P. Shukla who was transferred to Branch Office at Dalmianagar on 28-8-71. The services of the workman were utilized in the said permanent vacancy from 31-8-71 to 22-6-73. In order to avoid confirming the workman he was shown as working as a temporary clerk in different leave vacancies though in fact he was working in the permanent vacancy of Shri Shukla. The Bank was also showing certain breaks in service. He was not being paid salary on public holidays other than Sundays. On paper his services were being shown as having been terminated a day preceding every public holiday in utter disregard of the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947 and the Bank Awards. His services were terminated with effect from 23-6-73 without payment of retrenchment compensation of wages in lieu of notice. He placed the matter in the hands of the union for securing justice. The union approached the Regional Manager of the Bank to reinstate the workman with continuity of service. Not getting the necessary relief at the hands of the Regional Manager the union approached the A.L.C.(C) Patna as per their letter dated 16-3-74 for taking up the matter in concillation. The efforts at conciliation having failed the A.L.C. submitted his failure report on receipt of which this present reference is made. The union submits that the action of the management in terminating the services of the workman is opposed to the provisions of para 20.8 of the first Bipartite Settlement dated 19-10-76, para 522 of Sastry Award read with Sections 25-F and 2(oo) of the Industrial Disputes Act. The workman prays for reinstatement with full back wages and also for confirmation in service from 28-2-72 i.e. after completion of six months service from the date of the first appointment.

The management in their written statement stated that this reference is not maintainable at law. They say that in terms of the settlement entered into between the management of the Bank and the All India P.N.B. Employees Federation on 13-7-72, a pass in the written test was essential before a temporary hand could be absorbed on a permanent basis. Accepting the terms of the said settlement it is stated that the workman herein appeared for the test but without success. Therefore they say the Bank was justified in terminating the services of the workman. They deny the averment that the workman herein acted temporarily in the permanent vacancy of Shri Shukla. They state that in the several leave arrangements as indicated in para 14 of their statement the workman herein has acted on a temporary basis. They say the file containing the copies of the several letters of appointment issued to the workman herein is missing from the Branch Office, Arrah. However the salary register and other records of the Bank are said to bear testimony to the fact that the workman was posted to fill in temporary vacancies. They say that the settlement dated 13-7-72 is binding on the workman herein. They say that there are no malafides on their part in terminating the services of the workman. They also pleaded that the workman herein who was found unfit cannot be forced on the management. They pray that this reference may be answered against the workman.

In the rejoinder filed on behalf of the workman to the Bank's written statement they say among other things the settlement dated 13-7-72 entered into between the Bank and the All India P.N.B. Employees Federation is not binding on their union and their members. They further submit that though the workman had appeared for the job test and the general test the Bank failed to communicate the result to him. They deny the Bank's averment that the workman had failed to qualify himself in the aforesaid tests. They further submit that even if the workman had failed to qualify in the test even then the Bank should have confirmed him in the permanent vacancy in which he was acting. They say that the settlement entered into by the Bank with the Federation is not binding on them. They deny the averment that the workman herein is unfit to be continued in the service of the Bank. They once again state that the termination of the workman's services is opposed to the provisions of the Bank Award and the Industrial Disputes Act, 1947 and that the workman is entitled to reinstatement.

On the above pleadings the issues that arise for consideration are—

(1) Whether the workman herein acted temporarily in the permanent vacancy of Shri Shukla for more than 90 days and if so whether as per the provisions of para 20.8 of the first Bipartite settlement he is entitled to be treated as a permanent hand ?

(2) Whether termination of the services of the workman is retrenchment within the meaning of Section 2(oo) and if so whether the termination of the workman's services without complying with the provisions of Section 25-F (a)(b) of the I. D. Act is valid ?

(3) To what relief ?

This case was originally referred to the Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, New Delhi and at the request of the union herein the dispute was transferred to the file of Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Dhanbad as per the order of the Govt. dated 16-9-75. Again this case was transferred to the file of this Tribunal as per the order of the Govt. dated 1-3-78 after the demise of the then Presiding Officer, Shri K. B. Srivastava. Before C.G.I.T. No. 1, Dhanbad Exts. W-1 to W-4 were marked and after transfer to this Tribunal the remaining evidence documentary and oral has been adduced.

Issue (1).—The workman herein is a B.A. Hons. (Math.) Graduate from Magadh University. With effect from 31-8-71 he says he was employed on a temporary basis at the Arrah Branch of the Bank as a Clerk in the permanent vacancy of Shri J. P. Shukla, Clerk-cum-Godown Keeper transferred to Dalmianagar. He says he continued to work in that permanent post till the date of termination of his service viz. 23-6-1973. He complains that the Bank was showing some temporary break in his service with a view to deny the benefit of confirmation. He also says that though in fact he worked in the permanent vacancy of Shri Shukla the Bank in their records was showing that he was working in the casual leave vacancies occurring in this Branch from time to time. Both the parties have not filed the various orders of appointment issued to the workman from 31-8-71 onwards. In the written statement of the Bank in para 25 it is stated that the file containing the said documents is missing from the Arrah Branch. The workman in the course of his evidence as WW-1 stated that at the time his services were terminated the Bank authorities handed over to him about 20 letters, the nature of which is not indicated. None of those letters is filed and no explanation whatsoever is forthcoming for not filing the said documents. The contention that the workman herein worked in the permanent vacancy of Shri Shukla is denied by the Bank in their written statemen and by then Manager Sri R. R. Sharma, MW-1 during the course of his evidence. In para 46 of the Bank's written statement is is stated that Sri J. P. Shukla's post

was declared surplus by the Astt. General Manager, Calcutta as per this letted dated 23-8-1971 and acting on that letter the Branch Manager, Arrah in his letter dated 11-8-1971 addressed to the General Manager submitted that as per the direction of the Asstt. General Manager, Sri Choubey, Clerk-cum-Godown Keeper who was rendered surplus with the closure of Behea Godown was absorbed in place of Shri Shukla. Copies of these letters are marked as Annexures E & F to the written statement. In view of these two letters it cannot be said that the workman herein ever worked in the vacancy caused by the transfer of Shri Shukla to Dalmianagar. The Bank in para 14 of their written statement has given the names of Clerk/Typists in whose leave vacancies the workman herein acted from 31-8-1971 till June 1973. The affidavit of Mr. Sharma the Branch Manager who worked at Arrah during the relevant period (MW-1 worked from September '1971 to February '1976 at Arrah) supports this statement of the Bank. The witness has been cross-examined on this point and nothing much is elicited from him to discredit his testimony. The relevant entries in the salary register, attendance register and the Supplementary salary bills support the case of the Bank. In the light of this evidence the contention of the workman that he worked temporarily from 1971 to 1973 in the permanent vacancy of Shri Shukla and therefore entitled to the benefit of para 20.8 of the first Bipartite Settlement, cannot be accepted. For the aforesaid reasons Issue (1) held against the workman.

Issue (2).—The case of the workman is that he acted temporarily as a Clerk from 31-8-1971 to 22-6-1973 with occasional breaks in the permanent vacancy of Shri Shukla. In the statement of claim it is stated that during the aforesaid period he served in that capacity for a total period of 596 days. The Bank disputes the correctness of the above statement that he worked in the vacancy of Shri Shukla which contention of the Bank is accepted under Issue (1). The Bank in para 45 of their written statement has stated that the workman worked temporarily in leave arrangements of Shri K. N. Prasad from 31-8-1971 to March '1972 and likewise in the leave arrangements of others as temporary employee from April 1972 to 23-6-1973 when his services came to an end by virtue of the settlement dated 13-7-1972. In para 35 of their written statement they stated that the workman having failed in the two written tests held on 4-2-1973 and 25-3-1973 his temporary service automatically came to end. The last order of appointment and the order terminating the services of the workman as already stated, are not placed on the record by either party. There is the evidence of WW-1, the workman, and that of MW-1 Sri Sharma the Bank Manager during the relevant period. WW-1 stated that in the vacancy caused by the transfer of Shri Shukla he was posted as Clerk-cum Godown Keeper from 31-8-1971. Without notice or pay for the notice period and retrenchment compensation the Bank terminated his services with effect from 23-6-1973. Shri R. R. Sharma MW-1 in the course of his affidavit stated that in terms of the settlement dated 13-7-1972 and the circular letter the workman herein appeared in the General Recruitment Test on 4-2-1973 but failed to qualify. He also appeared for job test on 25-3-1973 but without success. Therefore he was not considered for appointment in the Bank's service. There is also the letter Ext. W-8 dated 26-6-1973 addressed by the workman to the General Secretary of the Union. In this letter he stated that he was advised to appear for the tests held on 4-2-1973 and on 25-3-1973. He claims to have passed in both the said tests. He says that the activists of the rival union asked him to become a member of their union when he went to Patna to appear for those tests. He did not agree to join the union because he was not a permanent member of the staff. He suspects that the menegement under the pressure of the rival union failed to absorb him permanently in the service. The candidates belonging to the rival union that appeared for the above tests were liberally helped by the Bank Officers to answer the question papers which help was denied to him. This letter written within three days from the date of termination of service does not throw any light on the question wheher his services were terminated for the reason he was rendered surplus. Thus there is no evidence on the record to show that because the workman was rendered surplus he was discharged from service. On the other hand Shri Gowda for the Bank submits on the relevant date i.e. 22-6-1973 there was no question of any member of the staff of the Bank being renedered surplus. He invites attention to the settlement dated 13-7-1972 (Annexure A to Bank's written statement) and submits that as per Clause 11 of that settlement 10 per cent of the total strength of the clerical staff should be recruited as leave reserve force and in view of this decision to constitute leave reserve force there were several clerical posts remaining to be filled up. A reading of the letter of the workman Ext. W-8 also suggests that his services were terminated because of his failure to pass the tests and not because he was rendered surplus. That is also the tenor of the representation made by the union Ext. W-9 before the A.L.C.(C) Patna vide paras 6 and 7. The claim of the workman that he was not intimated the result of both the tests or that he had in fact passed in those tests, cannot be believed in view of para 8 of the affidavit sworn to by MW-1. It is not even suggested to him during the course of his cross-examination that the averment made by him in his affidavit to the effect that the workman failed in both the tests was incorrect. On behalf of the Bank it is argued that in terms of the settlement dated 13-7-1972 a test was held for the temporary hands working in the Bank as on 15-7-1972 and the unsuccessful candidates were discharged from service also in terms of that settlement and the circular letter issued by the Chief Officer and accepted by the union leader. Since the workman has been discharged on account of his failure to qualify himself at the written tests and not because he was rendered surplus, it is submitted on behalf of the Bank that the provisions of Sections 2(oo) and 25-F of the Industrial Disputes Act cannot apply to the facts of the present case. Shri Bharadwaj for the workman contends that the settlement dated 13-7-1972 and the circular letter and the consent of the union leader do not bind his union and its members. Therefore he submits that the Bank had no legal right to compel the workman to sit for the test or to discharge him from service on his failing to qualify at the test in terms of that settlement which has no binding force. Shri Gowda for the Bank concedes that the settlement dated 13-7-1972 does not comply with the provisions of Section 2(p) of the Industrial Disputes Act. Even so he argues that as per the provisions of para 493 of the Sastry Award the Bank has a right to weed out unsuccessful candidates by holding test and the test held in this case may be related to the above provisions of the Sastry Award. I agree.

It is next submitted by Sri Bharadwaj, U/s. 2(oo) of the Industrial Disputes Act removal from service of a workman for any reason whatsover including termination of service for failure to qualify at the test as in the instant case is retrenchment. Support is sought for the proposition from the Supreme Court decision reported in 1976 (1) L.L.J. page 478. This report of the Supreme Court's decision at first flush appears to support Mr. Bharadwaj. But the decision of the Ist Court rendered by Mr. Justice K. N. Mudaliyar (vide 1973 (II) L.L.J. page 551 between N. Sundaramony and the State Bank of India, Kuzhithurai Branch) clearly shows there was an element of surplus in the case, that persuaded the Court to hold that it was a case of retrenchment. From para 21 of the case reported in 1979 (I) L.L.J. page 1 (S.C.) Avon Services Vs. Industrial Tribunal, Haryana it appears that the notice issued to the workmen there indicated that because they were rendered surplus, they were retrenched. This shows unless a workman is discharged on being found surplus the provisions of Section 2(oo) are not attracted. The decision of the Kerala High Court reported in 1979 (I) L.L.J. page 24 (F.B.) if I may so with respect considers all the cases bearing on the point and states that to attract the provisions of Section 2(oo) of the Industrial Disputes Act a workman must be discharged from service of a going concern on the ground that he is rendered surplus. This is not the position in the present case.

Issue (2) therefore answered against the workman.

Issue (3).—For the aforesaid reasons this reference is answered against the workman.

[F. No. L-12012/106/74-LR-III/D.II(A)]

Sd/-

P. RAMAKRISHNA, Presiding Officer.

S.O. 3846.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank, Boring Road, Patna and their workmen over confirmation and termination of Shri G. L. Dass. Clerk-cum-Godown Keeper which was received by the Central Government on the 5-11-79.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 27 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the management, of Punjab National Bank, Boring Road, Patna.

AND

Their workman

APPEARANCES :

For Employer.—Shri C. K. D. Gowda, Senior Personnel Officer.

For Workman.—Shri C. L. Bhardwaj, General Secretary All India P. N. B. Employees Assocn.

INDUSTRY : Bank STATE : Bihar

AWARD

Dated, the 27th October, 1979

The Governument of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/S 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 14 of 1947 have referred the following dispute to this Tribunal for adjudication as per their Order No. L-12012/85/75-D.II.A dated the 7th March, 1978.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of the Punjab National Bank in not treating Shri G. L. Das, Clerk-cum-Godown Keeper at Tehta under its Branch Office, Jehanabad as confirmed and in terminating his srvices with effect from 26th August '74 is justified ? If not to what relief is the said workman entitled ?"

On behalf of the workman the General Secretary of the All India Punjab National Bank Employees Association, Delhi has filed a statement of claim stating that the workman herein Shri G. L. Das was appointed by the Manager of the Jehanabad Branch of the Punjab National Bank as a temporary Clerk/Godown Keeper with effect from 5-9-68 for 23 days as per his order of even date (copy of the order is marked as Annexure 'A' to the claim statement) against a permanent sanctioned vacancy. His term of appointment was being extended from time to time till 31-1-69 in the same vacancy. Since the workman had put in more than 149 days of continuous service in a permanent vacancy it is claimed that he should be deemed to have attained the status of a probationer as per para 20.8 of the first Bipartite Settlement dated 19-10-66. The management failed to implement the provisions of the said para 20.8. On 1-2-69 the Manager of Jehanabad Branch issued another letter of appointment Ext. B to the claim statement allowing the workman to continue in the same old vacancy of Shri S. P. Verma. Clerk/Godown Keeper of the same Branch. Thereafter several letters were issued extending the period of temporary service of the workman till 31-7-70. On 1-8-70 the management is said to have arbitrarily shifted the workman from the vacancy of Sri Verma to another vacancy of Godown Keeper at outstation Tehta under Branch Office Jehanbad. It is submitted that this transfer of the workman is a colourable exercise of their power to deprive the workman of his right to attain permanent status. The workman continued to work as Godown Keeper, Tehta till 1-8-73 under different orders of appointment extending his period of temporary service from time to time. The workman requested the management time and again to treat him as a probationer and to confirm him in the Banks service with effect from 5-3-69 i.e. after six months from the date of original appointmen . But the management did not accede to that request. Thereupon he approached the General Secretary of the Union, Bihar State Unit at Ranchi with a request to take up his cause. The union also corresponded with the management in this regard but failed to obtain favourable orders. Then the union raised an industrial dispute before the A.L.C. (C) Patna as per their letter dated 24-8-70. The A.L.C. closed the matter by consent of parties as per his order dated 27-10-70 as the parties agreed to discuss this case "mutually". The subsequent efforts of the union in arriving at a settlement with the management having failed the union once again referred the matter to the A.L.C. for his intervention as per their letter dated 4-6-73. Meanwhile the Manager of Jehanbad Branch as per his letter dated 1-8-73 terminated the workman's services with one week's notice. The workman filed a Civil Suit (Title Suit No. 86 of 1973) before the Munsif Court Jehanabad for a permanent injunction restraining the management from terminating his services with effect from 8-8-73. Pending the Suit he obtained an order of ad-interim injunction. By virtue of this interim order the workman continued to serve in the Bank. On 24-8-74 at the instance of the Bank the interim order was vacated. Then the Bank terminated the services of the workman with effect from 26-8-74. Thereafter the union again raised a dispute before the A.L.C. (C) Patna. The A.L.C. by his order dated 27-11-74 observed that unless the Title Suit pending before the Jehanabad Munsif Court was withdrawn he would not proceed in the matter. Ultimately the workman withdrew his Title Suit. The conciliation proceedings ended in failure. The A.L.C. submitted his failure report to the Secretary, Ministry of Labour on receipt of which the present reference is made to this Court. The union prays that the workman is entitled to be treated as confirmed with effect from 5-3-69 i.e. after six months from the original date of appointment. They also pray for reinstatement in service with full back wages, continuity of service and other consequential benefits with effect from 26-8-74.

The management in their written statement stated that this reference is invalid as the workman or his union had never raised the present dispute before the management. They say that as per the terms of the agreement entered into by the Bank with All India P. N. B. Employees Federation on 13-7-72 those who are not qualified either in job test or N.I.B.M. test (general test) will not be given further temporary appointment in the Bank. The workman herein having failed to qualify for the job test cannot be permitted to demand absorption in permanent service of the Bank. They admit that the workman was temporarily appointed at Jehanabad Office on 1-2-69 for a preiod of one month in the arrangement of Sri S. P. Verma who was officiating as Special Assistant in the same office. From time to time the workman's services were extended till 31-7-72. A Chart showing temporary service put in by the workman along with the arrangements from 1-2-69 to 30-9-72 is filed along with the statement. From 1-8-70 the workman was posted as a temporary Godown Keeper at Borrower's Cost at Tehta, Dist. Gaya in the account of M/s. Tehta Dal & Rice Mill. The Asstt. General Manager, Eastern Region, Calcutta issued a circular dated 24-11-69 calling upon offices located within his jurisdiction to submit a list of temporary employees who have put in temporary service between six months and two years as on 31-10-69 so that they could be required to appear for a test to enable the Bank to absorb the successful candidates into permanent vacancies. The workman herein appeared for the test held on 3-5-70 and again on 15-11-70 but without success. On 13-7-72 the Bank entered into a settlement with All India P. N. B. Employees Federation whereby the Federation agreed that such of those persons who failed to qualify themselves at the job test or the N.I.B.M. test were liable to be discontinued. In terms, of this agreement the Bank gave the workman herein an opportunity to appear for the test to be held at Patna on 18-2-73 but he failed to appear. Thereafter on 1-8-73 the Branch Manager, Jehanabad addressed a letter to the workman informing him that his services would be terminated with effect from 9-8-73 as he had failed to appear and qualify himself at the prescribed test. After that the workman continued to serve in the Bank till 26-8-74 under cover of an Order of injunction issued by the Munsif Court, Jehanabad. Soon after the interim injunction order was vacated on 24-8-74 the workman's services were terminated with effect from 27-8-74. After the interim order was vacated, the workman withdrew the Suit. The Bank submits that in the circumstances the

workman's plea that he should be absorbed in the Bank service as a permanent hand cannot be accepted and that this reference may be answered against him.

On behalf of the workman a rejoinder is filed stating among other contentions that the preliminary objection taken on behalf of the Bank is not maintainable. They say that the agreement between the Bank and the All India P.N.B. Employees Federation dated 13th July, 1972 does not bind the workman herein. They also say that in pursuance of that agreement the workman was never called upon to appear for any test. They also say that when the employee failed to qualify himself at the written test held in 1970 the Bank should have immediately discharged him from service instead of allowing him to continue for three years. They once again say that the workman is entitled to reinstatement with continuity of service from 15-9-68 together with back wages.

The management filed a rejoinder stating inter-alia that the provisions of para 20.8 of the first Bipartite Settlement are not applicable to the facts of the present case. They say throughout the period 1969 to 1974 the workman herein was acting in temporary vacancy and therefore could never have acquired any right to be confirmed as a permanent employee. They say that this reference may be answered against the workman.

On the above pleadings the issues that arise for consideration are —

(1) Whether the demand that the workman should have been confirmed after six months of service from the date of appointment as per the provisions of para 20.8 of first Bipartite Settlement is tenable ?

(2) Whether the demand of the workman that he should have been confirmed as per the provisions of para 499 of the Sastry Award is tenable ?

(3) Whether the termination of service of the workman with effect from 26-8-74 is retrenchment within the meaning of Section 2(oo) of the I.D. Act and if so whether the provisions of Section 25-F of the I.D. Act are duly complied with ?

(4) To what relief.

The present reference was original made to Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Dhanbad as per the order of the Central Government dated 19-8-75. Again as per the order dated 7-3-78 of the Central Government this case has been withdrawn from the file of Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Dhanbad and made over to this Court. The entire oral and documentary evidence has been adduced before this Court.

Issue (1).—In order to appreciate the point in issue it is necessary to set out in brief the relevant facts. The workman WW-1 is a B.A. Hons. Graduate in Pali from Magadh University, Boudh Gaya. By the date of the recording of the evidence he was 36 years of age. On 5-9-68 he was appointed as a Clerk-cum-Godown Keeper in the Punjab National Bank (Bank in brief) at its Jehanabad Branch for a period of 23 days as per the order of appointment Ext. W-6. It is not disputed that thereafter he was allowed to continue to work in this Branch till 31-7-70 under different orders of appointment issued from time to time. Exts. W-6 to W-20 are the copies of the several orders of appointment. From 1-8-70 the workman was posted to Tehta Outstation Godown as Godown Keeper as per the order of even date (Ext. M-1). Till 1-8-73 the workman worked as Godown Keeper at Tehta Outstation on which date the order Ext. M-5 dated 1-8-73 was issued terminating his services with effect from 9-8-73. The workman filed Title Suit No. 86 of 1973 on the file of Munsif Court, Jehanabad restraining the Bank from terminating his services in pursuance of the order Ext. M-5. Pending the Suit he obtained an order of interim injunction under cover of which he continued to work as Godown Keeper at Tehta till 26-8-74. As per the order dated 24-8-74 the Munsif Court vacated the interim injunction at the instance of the Bank (vide Ext. M-9, certified copy of the order). Soon after the interim order was vacated the Bank served the letter Ext. M-2 dated 26-8-74 on the workman terminating his services. On the same day the order Ext. W-58 was served on the workman calling upon him to hand over charge of the keys of the Godown under his control together with stock reports file etc. He was asked to appear before the Branch Office, Jehanabad for further instructions. In pursuance of this order Ext. W-58 Sri G. L. Makkar MW-1, Branch Manager took charge of the Godown relieving WW-1. Ext. W-59 is the letter submitted by WW-1 before the Branch Manager MW-1 reporting himself for duty. He was told his services were terminated. The contention of the workman is that from 5-9-68 till 31-7-70 he worked against the permanent vacancy of one Shri S. P. Verma, Godown Keeper officiating as special Assistant. It is contended that because he worked for more than three years in a permanent vacancy he should have been confirmed in that vacancy as per the provisions of para 20.8 of the first Bipartite settlement which reads as follows :—

> "20.8—A temporary workman may also be appointed to fill a permanent vacancy provided that such temporary appointment shall not exceed a period of three months during which the Bank shall make arrangements for filling up the vacancy permanently. If such a temporary workman is eventually selected for filling up the vacancy, the period of such temporary employment will be taken into account as part of his probationary period."

The contention advanced on behalf of the Bank is that WW-1 was never posted in a permanent vacancy but was only appointed on a temporary basis in an officiating arrangement. They further submit even if the workman had worked in a permanent vacancy for more than three months he does not acquire automatic right for confirmation in that post unless he is eventually selected for filling up the vacancy. In this case they submit the workman was not so selected to fill up that permanent vacancy. Regarding the question whether the workman in fact officiated in a permanent vacancy, the Bank has filed a statement Annexure I to their written statement showing the arrangement in which the workman temporarily worked as Clerk till 31-7-70. From the evidence of WW-1 we get that Shri Verma a permanent Godown Clerk who was officiating as Special Assistant from 1-2-1969 onwards was actually confirmed in that post with effect from 16-4-70. In the vacancy arising out of this arrangement, WW-1 acted temporarily. The contention of Shri Bhardwaj for the workman is that because Shri Verma was a permanent employee, WW-1 must be deemed to have been posted to act temporarily in a permanent vacancy even during the officiating arrangement till 16-4-70. This plea cannot be accepted because Sri Verma's vacancy cannot be said to have become permanent until and unless he was confirmed as a Special Assistant. Shri Verma was actually confirmed in his officiating post as Special Assistant Clerk with effect from 16-4-70. Even so Shri Bhardwaj submits that the workman herein acted from 16-4-70 till 31-7-70 in the permanent vacancy of Shri Verma. Since the workman has put in 90 days of continuous service in a permanent vacancy it is argued that the provisions of para 20.8 are applicable to his case. It is also stated that from 1-8-70 to 9-8-73 the workman herein acted temporarily as Godown Keeper at Tehta in the permanent vacancy of WW-2 Shri H. Sekhar. It may be noticed that WW-2 was shifted to Jehanabad Branch office in the vacancy of Shri Verma confirmed as Special Assistant. It is contended on behalf of the Bank that even if the workman herein had acted for more than three months temporarily in a permanent vacancy, he cannot claim permanency in that post unless he is eventually selected for filling up that vacancy. In this case it is admitted that the workman was not selected to fill in that vacancy on a permanent basis. Shri Bhardwaj for the workman submits that since the Bank failed to make any arrangement to fill in the permanent vacancy of Shri Verma during the period 16-4-70 to 31-7-70 or the vacancy of WW-2 from 1-8-70 to 9-8-73 the workman herein should be deemed to have worked in those vacancies on a permanent basis. There is no evidence on the side of the Bank to show that any attempt was made to fill up these vacancies. Nor are any reasons given for this inaction. Shri Bhardwaj for the workman contends that this shows the malafides of the management. It is interesting to refer to Ext. W-17. This shows that Shri S. P. Verma was confirmed as a Special Assistant Clerk with effect from 16-4-70. In his place the workman herein was allowed to continue till 31-5-70. Ext. W-17 also contains a letter addressed to the workman wherein it is stated that the order dated 30-4-70 extending his service upto 31-5-70 was issued inadvertently, and that as per the Asstt. General Manager's Circular letter dated 25-6-69 a fresh letter of appointment should have been given to the workman in view of the circumstances of the vacancy being changed. Accordingly the Bank seems to have obtained a fresh application for appointment and on the basis of that

the appointment letter Ext. W 18 was issued stating that the workman was appointed as a Clerk in a temporary vacancy on a purely temporary basis on certain terms and conditions. The above letters probablise the workman's contention that the Bank was doing its best not to make it appear that the workman was continuously acting temporarily in a permanent vacancy. Though Mr. Verma's vacancy was available in the Branch Office the workman herein was shifted to the Tehta Godown as per the Order Ext. M-1 dated 1-8-70 and in his place WW-2 was posted. The workman approached the A.L.C. (C) Patna through the union with the complaint that he should have been made permanent with effect from 1-2-69. Before the A.L.C. Patna the parties submitted that the matter would be discussed between them mutually and that the conciliation proceedings might be dropped. The A.L.C. accordingly closed he case. As in the case of the clerical post at the Branch Office, in the case of the post of Godown Keeper, Tehta also the management failed to take any steps to fill in the vacancy on a permanent basis till 9-8-73. Even then I do not think that the provisions of para 20.8 of the first Bipartite Settlement will support the workman's claim that he should be treated as permanent clerk soon after the expiry of the period of probation of six months.

Issue (1) held accordingly against the workman.

Issue (2).—Shri Bhardwaj then referred to para 499 of the Sastry Award which is given below :—

> "499. With regard to godown keepers the workman demand that they should be made permanent after continuous service of one year of total service of two years if there is a break. We understood that godown keepers can be classified into two categories :
>
> (1) those in charge of godowns maintained by banks generally in large cities for storing goods belonging to several parties to whom advances are made,
>
> (2) those who are required to look after one or more godowns belonging generally to one party to whom advances are made ordinarily for short periods against goods stored in the borrower's godowns, such as in the case of godowns of sugar mills, ginning factories, grain merchants, etc. In the case of godown keepers coming under the first category we direct that the period of temporary service should not exceed one year, after the expiry of which they should be placed on the permanent list unless the vacancy itself is a temporary one. In the case of persons coming under the second category whose work is of a temporary nature and whose salary and allowances are generally borne by the parties who are owners of the goods in the godowns, we do not think it proper to insist upon their confirmation even after the expiry of any definite period, particularly as we understand that their emoluments and service conditions in actual practice are not generally different from those of the permanent employees. We however, recommend that as far as possible such godown keepers whose work is found to be satisfactory and whose services can be utilized to look after other godowns in the same place or a place nearby or in the clerical establishment of the banks should be made permanent after the expiry of one year."

The workman herein should fall under Category II Godown Keeper though Sri Bhardwaj contended that Jehanabad Tehsil Headquarters should be considered to be a large city. He was appointed to look after the Godown of Tehta Dal & Rice Mills. The Sastry Award directs the Bank to place the Godown Keeper of the first category on the permanent list in case he has put in a temporary service of one year in a permanent vacancy. In the case of Category II Godown Keeper under which category the workman herein falls the award recommends that as far as possible such Godown Keepers who have put in a similar length of service in a permanent vacancy, subject to their work being found to be satisfactory, should also be made permanent after the expiry of one year. The workman herein worked as a Godown Keeper from 1-8-70 to 9-8-73 at Tehta. Sri Gowda for the Bank submitted that since the Tribunal's direction is not mandatory the Bank is not bound to carry out the same, I do not agree. Even the recommendations of a Tribunal should be held in greatest respect and implemented. Sri Gowda has also referred to para 20.13 of the first Bipartite Settlement which is given below and submitted that the Bank has complied with the requirements of that para in the case of the workman herein :

> "20.13. Temporary godown-keepers and godown-watchmen who are required to look after one or more godowns belonging generally to one party and whose salary and allowances are generally borne by the parties who are owners of the goods in the godowns, shall, if their work has been found satisfactory and if their services can be utilized to look after other godowns in the same place or other places or in the clerical establishment of the bank, on completion of one year's service, be given preference for absorption in the permanent service of the bank, subject to the bank's recruitment rules, if any."

The Bank intended to give preference to the workman for absorption in the permanent service subject to the Bank's Recruitment Rules. Sri Gowda has also referred to the provisions of para 493 of the Sastry Award wherein the Banks are permitted to recruit members of their staff after subjecting them to a test. It is submitted that the action of the Bank in calling upon the workman herein to pass the prescribed test before being absorved into permanent service is quite consistent with the provisions of the first Bipartite settlement and also the Sastry Award. Reference is made to Ext. M-6 dated 24-11-1969 which is a circular issued by the Asstt. General Manager, Calcutta to all the offices in the Eastern Circle regarding regularisation of temporary staff who had put in over two years of service as on 31-10-1969 and those who had put in between six months and two years, also as on that date. In the former case the candidates could be considered for appointment as probationer in permanent vacancy if approved after interview. In the latter case the temporary hands were required to appear for a departmental test in Banking Routine. In pursuance of this circular the workman herein was asked to appear for the tests held on 3-5-1970, 8-8-1970 and 15-11-1970. The workman appeared for the tests held in May & November 1970 and not for the test held in August 1970 and on both the occasions he was unsuccessful. Instead of terminating the services of the workman soon after he failed to pass the necessary test, the Bank allowed him to continue in service till 1972 without the necessity of having got to appear for any further test. On 13-7-1972, it is pleaded on behalf of the Bank that, there was a settlement Ext. M-10 entered into between the management and the All India P.N.B. Employees Federation whereby it was agreed that the Bank should discontinue the practice of employing temporary employees in the clerical cadre and it should take steps to provide for permanent leave reserves to work in leave or temporary arrangements. The leave reserve should be 10 per cent of the total clerical staff strength. All temporary employees eligible under the Bank rules as on the respective dates of their initial appointment after 5-6-1971 and also Second Class Graduates recruited before 5-6-1971 putting in 90 working days or more in the clerical cadre as on 15-7-1972 should qualify themselves in written job test/general recruitment test at their option and they should also appear for interview. The successful candidates are to be absorbed in permanent service of the Bank. By the letter dated 13-7-1972 addressed by the Chief Officer, Industrial Relations Department, Head Office, New Delhi to the General Secretary of All India P.N.B. Employees Federation, Delhi it is made clear that the services of those temporary employees referred to in the settlement who failed to pass the prescribed test and interview should stand automatically terminated. The General Secretary of the Union Sri P. L. Syal in his reply dated 14-7-1972 conveyed his acceptance of the various proposals put forth by the Chief Officer in his letter dated 13-7-1972. On the basis of the settlement and the letter of Mr. Syal it is argued on behalf of the Bank that the workman herein is properly discharged when he failed to appear for the test held on 18-2-1973. Sri Bharadwaj submits that this agreement Ext. M-10 is not binding on his union because it is not a settlement within the meaning of Section 2(p) of the I.D. Act. Sri Gowda fairly conceded that Ext. M-10 is not a settlement within the meaning of Section 2(p). Shri Bharadwaj further submitted that no opportunity whatsoever was given to the workman to appear for any test conducted in pursuance of the so called settlement Ext. M-10 dated 13-7-1972. The workman as WW-1 has also stated that he was not intimated of the proposed test said to have been held on 8-2-1973. Ext. W-52 is a letter dated 1-8-73

addressed by the Branch Manager to the workman herein terminating his services. In the course of that letter the Manager stated that the workman herein had failed to appear for the job test for general test for reasons best known to him. Except the assertion of the management there is nothing else on the record to show that due intimation of the test held on 8-2-1973 was given to the workman. Soon after the receipt of Ext. W-52 the workman filed Title Suit No. 85 of 1973 disputing the assertion that he was ever informed of the test scheduled to be held on 8-2-1973 (vide Ext. M-9 copy of the order vacating interim injunction). The same denial is to be found in the statement of case submitted to the A.L.C.(C) Ext. W-62 para 10. Reference may also be had to Ext. W-57 a letter addressed by the Regional Manager of the Bank at Patna to the Personnel Division Delhi on 28-2-1974 wherein he refers to the plea taken by the workman that he was not given any advance intimation of the test held on 8-2-1973 and suggests that to bring an end to the dispute the Bank should arrange some special test for the workman so as to enable him to be considered for permanent absorption. No action appears to have been taken on that letter. Shri Bharadwaj for the workman argues that since the settlement Ext. M-10 is not binding on the workman herein he is not obliged to submit himself to a test provided under it. Nor the Bank justified in terminating his employment for failure to pass that test. Then the further question remains whether the workman herein should be considered to have been disqualified for permanent absorption on account of his failure to pass the test prescribed under the circular letter Ext. M-6 dated 24-11-1969. The Bank itself did not choose to terminate the services of the workman on this ground and instead allowed him to continue to work for a period of three years. Shri Gowda argued that the Bank has the right to expose the temporary hands to a test and interview apart from the terms of the settlement Ext. M-10. He says that the test that was held on 8-2-1973 must be treated as one held under the general powers of the Bank confinel under the Sastry Award before regularising the services of temporary hands. But that is not the plea of the Bank. On the other hand the plea of the Bank is that in pursuance of this agreement the test was purported to be held and the employee thrown out of employment when he failed to qualify at the test. Further there is no material to hold that the workman herein was in fact required to appear for that test.

Having regard to the recommendations contained in para 499 of the Sastry Award in respect of Category II godown keepers and also having regard to the fact that the workman herein has not been discharged from service soon after he failed in the test held on on 15-11-70 and also in view of the fact that the workman herein has rendered continuous service from 1-2-69 till 9-8-73 (not taking into account the service put in by him till 26-8-74 under cover of the order of interim injunction). I hold on Issue (2) that the workman herein should have been considered for permanent absorption in service.

Issue (3).—It is contended on behalf of the workman that the order Ext. W-52 should be treated as retrenchment from service within the emaning of Section 2(oo) of the I.D. Act Admittedly no retrenchment compensation was paid to the workman as provided u/s 25-F of the I.D. Act. It is argued that since the provisions of Section 25-F have not been complied with before retrenching the workman herein, he should be deemed to be continuing in service. Reliance is placed on 1976 (I) L.L.J. page 478 S.C. (State Bank of India Vs. N. Sundaramoney) for this purpose. On behalf of the Bank it is argued that since this plea has not been taken during conciliation proceedings nor before the management prior to that the same should not be permitted to be raised for the first time before this Court. It is further submitted that the termination of service of the workman herein cannot be considered to be retrenchment because the element of surplus is not there. The reason for the discharge of the workman was not that he was rendered surplus but because he failed to qualify at the prescribed test. It is further submitted that as per the revised policy of the Bank as is evident from the settlement Ext. M-10 the Bank required several hundreds of clerks for their leave reserve force and the question of the workman herein being found surplus could never have arisen. In fact soon after the workman herein was discharged, another person Sri C. S. Verma was appointed in his place. The order discharging the workman from service Ext. W-52 dated 1-8-73 is given below :

> "According to the instructions of the Senior Regional Manager, Calcutta you failed to appear either in job Test or NIBM test, the reasons of which are best known to you. On account of non-appearance of the said test, as well as your services are also liable to be terminated in the sole discretion of the Bank at any time during the currency of the account for which you have been appointed without assigning any reason but by giving you seven day's notice or salary in lieu of notice as agreed in your letter of appointment datel 1-8-70, so your services are terminated with effect from 9-8-1973. Please hand over the charge of all godowns to Shri S. S. Sharma, Clerk-cum-Godown Keeper of this office."

A reading of the above order shows that in exercise of the powers vested in the Bank the workman was discharged from service because he failed to appear for the test. The services were terminatel with effect from 9-8-73, i.e., after giving one week's notice as required under the terms of appointment as contained in Ext. M-1. On a careful reading of the order of termination and the facts of the present case, I hold that since the reason for the discharge was not that the workman herein was rendered surplus it cannot be held that the order of termination of service is retrenchment within the meaning of Section 2(oo) of the I.D. Act. That there should be an element of surplus is reiterated by the Supreme Court in the case reported in 1977 (I) L.L.J. page 1 (Hindustan Steel Ltd. Vs. State of Orissa) and by the Kerala High Court Full Bench in the case reported in 1979 (I) L.L.J. page 211 (L. Robert) D'Souza Vs. Executive Engineer, Southern Railway and another) following the several Supreme Court decisions bearing on the point.

For the aforesaid reasons point (3) held against the workman.

Shri Bharadwaj contended that though para 522(4) of the Sastry Award provides for 14 days' notice in the case of termination of an employee other than permanent or a probationer, the services of the workman herein have been terminated with one week's. notice. He submits that this illegal order of termination should be ignored and the employee deemed to be continuing in service. The Bank purported to terminate the workman's services with one week's notice in terms of the letter of appointment Ext. M-1 Clause (2). This violation of the provisions of the Award, in my view, cannot be treated on the same footing as non-compliance with the provisions of Section 25-F(a) and (b) of the Industrial Disputes Act.

Issue (4).—In view of my finding on issue (2), I hold that the termination of the services of the workman herein with effect from 26-8-74 is not justified and that he should be reinstated with continuity of service and back wages with immediate effect. Claim of the workman that he should be treated as a permanent hand with effect from 5-3-69 is rejected. The Bank should take immediate steps to regularise his services on a permanent basis.

P. RAMAKRISHNA, Presiding Officer.

[F. No. L-12012/85/75-D.II(A)]

T. C. GUPTA, Under Secy.

New Delhi, the 17th November, 1979

S.O. 3847.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Shri P. Lakshmanan, Contractor, Shri Ponkumar Magnesite Mines, Salem-5 and their workmen, which was received by the Central Government on the 30th October, 1979.

BEFORE THIRU T. SUDARSANAM DANIEL, B.A., B.L., PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, MADRAS

(Constituted by the Government of India)

Friday, the 12th day of October, 1979

Industrial Dispute No. 30 of 1978

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Shri P. Lakshmanan, Contractor, Shri Ponkumar Magnesite mines, Salem-5).

BETWEEN

The workmen represented by the General Secretary, Salem District Magnesite Labour Union, 237, Tharamangalam Road, Suramangalam, Salem-5.

AND

Shri P. Lakshmanan, Contractor.

Shri Ponkumar, Magnesite Mines, Salem-5.

REFERENCE:

Order No. L-29011/51/77-D. III-B, dated 1-6-1978 of the Ministry of Labour, Government of India.

This dispute coming on for final hearing on Thursday, the 30th day of August, 1979 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru K. Chandru for Thiruvalargal Row and Reddy and K. Chandru, Advocates for the workmen and of Thiru M. Kumaraswami Pillai, Advocate for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following award.

AWARD

In

I.D. No. 30 of 1978

This is an Industrial Dispute between the workmen and the management of Shri Ponkumar Magnesite Mines, Salem-5 referred to this Tribunal for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in Order No. L-29011/51/77-D.III.B, dated 1st June, 1978 of the Ministry of Labour in respect of the following issues :

Whether Shri P. Lakshmanan, Contractor of Shri Ponkumar Magnesite Mines, Salem is justified in dismissing Shri Sundaram Sadayan from service from 8-11-1977 ? If not, to what relief is the workman entitled ?

Respondent is Thiru P. Lakshmanan, Contractor, Shri Ponkumar Magnesite Mines, Salem-5. The claim Statement has been filed by the General Secretary, Salem District Magnesite Labour Union, Salem-5. The dispute relates to dismissal of Thiru Sundaram Sadayan by the Respondent from 8-11-1977. The Petitioner-Union took up the case of the dismissed workman Sundaram Sadayan. Ex. W-2 is the charter of demands sent to the Management on 17-11-1977. Ex. W-3 is the another charter of demands including the claim of Sundaram Sadayan. The Respondent-employer did not relent whereupon the Union issued a strike notice under Section 22(1) of the Industrial Disputes Act, 1947 proposing to go on strike with effect from 21-12-1977 if the charter of demands in the Annexure are not complied with—vide Ex. W-4. Then there was conciliation proceedings. Ex. W-5 is the conciliation failure report dated 24-12-1977. However, the Union and the Respodent entered into an agreement under Section 18(1) of the Industrial Disputes Act on 22-12-1977-vide Ex. W-6. The Respondent-employer had agreed to take back Sundaram within 45 days from the date of agreement. On this agreement alone, the strike was called off with immediate effect. Therefore it is perfectly clear that Respondent-employer had agreed to abide by terms of settlement entered into under Ex. W-6 dated 22-12-1977. Apparently, Respondent-employer did not stand by the agreement and did not take back the worker Sundaram with effect from 1-2-1978 or even subsequently. That has given rise to the present dispute.

Ex. M-2 is the show cause notice issued to the worker Sundaram Sadayan on 28-10-1977. Ex. M-4 is the explanation offered by the worker. The Respondent-employer was not satisfied with the explanation and therefore an enquiry was held. Ex. M-3 is the enquiry notice dated 29-10-1977. Ex. M-5 are the enquiry proceedings. Ex. M-8 are the findings of the Enquiry Officer. Ex. M-6 is another show cause notice issued to the workman as to why he should not be dismissed from service. On these materials, it is not difficult to find that a domestic enquiry was held and the charge-sheeted workman had participated the same. Therefore the domestic enquiry held was fair and proper.

Learned Counsel for the workman Thiru K. Chandru however submits that the enquiry held suffers from infirmities. Admittedly, there is no Standing Order applicable to the workmen employed by the Respondent Employer. Therefore Model Standing Order Rules (Central), 1936 will be applicable. Along with the show cause notice the workman was also placed under suspension. Admittedly, the workman was not paid any subsistance allowance as provided for under the Model Standing Order Rules (Central), 1936. Although the more fact of non-payment of subsistence allowance would give rise to a separate claim by the workman concerned, the fact that remains that subsistence allowance was not paid. However, it must be said that the period of suspension was too short. Under Ex. M-2, the workman was placed under suspension with immediate effect from 28-10-1977. He was eventually dismissed from 28-11-1977. In the peculiar facts, the non-payment of subsistence allowance during this period cannot be pressed into service to conclude that the domestic enquiry proceedings held were defective. It is true that under the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946 the workman has a right to be represented by an officer of the Union and it is well settled that if an office bearer was not permitted at the enquiry it would vitiate the enquiry. But in the present case, there was no request made by the worker to permit an office bearer of the Union. Therefore it cannot be held that the domestic enquiry held is vitiated.

That leads me to the next consideration whether the findings of the Enquiry Officer are perverse and based on no evidence. The winesses of the Management had not been cross-examined at all. No doubt, a few witnesses had also been examined by the workman. But on an over-all picture there is evidence to show that the charges had been established against the Respondent. Therefore the findings of the Enquiry Officer based on the evidence placed cannot be held to be perverse.

That leads me to the final question as to the penalty imposed by the Respondent-employer. The workman had been dismissed from 8-11-1977. Learned counsel for workman submits not without force that while other workers who are charged along with the workman for the same offence had been taken back, the Petitioner-workman alone has been dismissed and therefore there is discrimination against the worker. In 1964-I-L.L.J. page 436 (Northern Dooars Tea Co. Vs. Workman of Dem Dima Tea Estate), the Supreme Court upheld an award of the Industrial Tribunal directing reinstatement of the concerned workmen on the ground that imposition of penalty on six workmen out of a large number of strikers was irrational and unreasonable discrimination. With equal force it seems to me that the same could be stated so far as the case on hand is concerned. As a matter of fact learned counsel for the Respondent-employer was unable to demur against this position. Four of the six workmen on identical charges had been taken back while this workman Sundaram Sadayan alone had been discriminated. There is no justifiable ground. That apart, from Ex. W-6, many facts are revealing. After all Respondent-Employer and Sundaram Sadayan are closely related. There has been misunderstanding between them on account of family fields. However, on 22-12-1977 the Respondent-employer and Sundaram Sadayan represented by the Union came to an agreement agreeing to forget all past mis-understandings and Respondent undertaking to take back Sundaram Sadayan back into service within 45 days, say by 1-2-1978. It must be remembered that as a result of this agreement alone the strike by other workmen was called off and therefore there is no justifiable grounds for not reinstating the workman at any rate from 1-2-1978. In the light of Ex. W-6 and on

the facts disclosed I have little hesitation to find Sundaram Sadayan must be reinstated back into service with effect from 1-2-1978.

In the result, an Award is passed ordering reinstatement of Sundaram Sadayan from 1-2-1978 with halt back wages.

Dated, this 12th day of October, 1979.

T. SUDARSANAM DANIEL, Presiding Officer

[No. L-29011/51/77-D.III(B)]

A. K. ROY, Under Secy.

List of witnesses and Exhibits in I.D. No. 30 of 1978

Witness examined

For the sides .....None

Documents marked

For Workman

W 1/Minutes Book of the Union (Register)

W 2/7-11-77.—Charter of demands sent to the Management.

W 3/25-11-77.—Charter of Demands sent to the Regional Labour Commissioner (C), Madras.

W 4/2-12-77.—Strike notice issued by the Union.

W 5/24-12-77.—Conciliation failure report.

W 6/22-12-77.—Agreement between parties.

W 7/6-1-78.—Letter from the Regional Labour Commissioner (C), Madras to the Government requesting to close the matter.

For Management

M 1/27-10-77.—Report of Thiru A. Palanlswamy, Maistry against the workman (copy).

M 2/28-10-77.—Show cause notice issued to the worker (copy).

M 3/29-10-77.—Enquiry notice issued to the worker (copy).

M 4/28-10-77.—Explanation of the worker (copy).

M 5/1-11-77.—Enquiry proceedings (copy).

M 6/3-11-77.—Show cause notice issued to the worker proposing the punishment of dismissal (copy).

M 7/3-11-77.—Reply from the worker to Ex. M 6 (copy).

M 8/2-11-77.—Findings of the Enquiry Officer (copy).

Sd/-

T. SUDARSANAM DANIEL, Industrial Tribunal

निर्माण और आवास मंत्रालय

(सम्पदा निदेशालय)

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 1979

का० आ० 3848.—राष्ट्रपति, मूल नियम के नियम 45 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त विभाग के पत्र सं० 104-सी० एस० आर०, तारीख 4 फरवरी, 1922 द्वारा जारी किए गए अनुपूरक नियमों में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

उक्त नियमों के भाग 8, में निम्नलिखित नियम प्रभाग 26 कब के रूप में अंत: स्थापित किए जाएंगे।

प्रभाग 26-कब

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ —अनु० नि० 317-कब—1 :

(1) इस प्रभाग के नियमों का नाम सरकारी निवास स्थान आबंटन (गाजियाबाद में साधारण पूल) नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

परिभाषाएं—अनु० नि० 317-कब—2 :

इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) "आबंटन" से इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार निवास-स्थान के अधिभोग के लिए अनुज्ञप्ति देना अभिप्रेत है ;

(ख) "आबंटन वर्ष" से प्रथम जनवरी को आरम्भ होने वाला वर्ष या ऐसी अन्य अवधि अभिप्रेत है जो राष्ट्रपति द्वारा अधिसूचित की जाए;

(ग) "संपदा निदेशक" से भारत सरकार का संपदा निदेशक अभिप्रेत है और उसके अन्तर्गत अपर, उप और सहायक संपदा निदेशक भी है ;

(घ) "पात्र कार्यालय" से केन्द्रीय सरकार का वह कार्यालय अभिप्रेत है जिसके कर्मचारिवृन्द को केन्द्रीय सरकार द्वारा इन नियमों के अधीन वास-सुविधा के लिए पात्र घोषित किया गया है।

(ङ) "उपलब्धियों" से मूल नियम 45-ग में यथापरिभाषित उपलब्धियां अभिप्रेत है किन्तु इसमें प्रतिकरात्मक भत्ते सम्मिलित नहीं हैं।

स्पष्टीकरण—निलम्बित अधिकारी के मामले में "उपलब्धियों" से वे उपलब्धियां मानी जाएंगी जो उसने उस आबंटन वर्ष के प्रथम दिन प्राप्त की है जिसमें वह निलम्बित किया गया है अथवा, यदि वह आबंटन वर्ष के प्रथम दिन ही निलम्बित किया गया है तो जो उसने उस तारीख के ठीक पहले प्राप्त की है ;

(च) "कुटुम्ब" से अभिप्रेत है, यथास्थिति, पत्नी अथवा पति और सन्तान, सौतेली संतान, वैध रूप से दत्तक ली गई संतान, माता-पिता, भाई अथवा बहनें, जो सामान्यतया अधिकारी के साथ निवास करते हैं और जो उस पर आश्रित हैं;

(छ) गाजियाबाद से गाजियाबाद की नगर सीमाओं के भीतर के वे क्षेत्र अभिप्रेत है जिनके बारे में सरकार यह घोषणा करे कि उनमें साधारण पूल वास-सुविधा के आबंटन की पात्रता प्राप्त हो जाती है ;

(ज) "सरकार" से, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, केन्द्रीय सरकार अभिप्रेत है;

(झ) अधिकारी अनु० नि० 317-कब-5 के उपबन्धों के अधीन जिस प्रकार के निवास-स्थान का पात्र है उसके संबंध में अधिकारी की 'पूर्विकता तारीख', से वह पूर्वतन तारीख अभिप्रेत है जब से वह, छुट्टी की अवधि के सिवाय, निरन्तर उतनी उपलब्धियां केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार अथवा अन्यत्र सेवा के अधीन पद पर प्राप्त करता रहा है जो उसे किसी विशिष्ट टाइप अथवा किसी उच्चतर टाइप के आबंटक के लिए सुसंगत है :

परन्तु टाइप ख, टाइप ग अथवा टाइप घ के निवास-स्थानों के संबंध में, वह तारीख जब से अधिकारी केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार की सेवा में, जिसमें अन्यत्र सेवा की अवधि भी है, निरन्तर रहा है, उसकी उस टाइप के लिए पूर्विकता तारीख होगी :

परन्तु यह और कि जहां दो या अधिक अधिकारियों की पूर्विकता तारीख एक ही हो वहां उनके बीच ज्येष्ठता उपलब्धियों की राशि से अवधारित की जाएगी । अधिक उपलब्धियां प्राप्त करने वाले अधिकारी को कम उपलब्धियां प्राप्त करने वाले अधिकारी से अग्रता दी जाएगी, और जहां उपलब्धियां समान हैं वहां ज्येष्ठता सेवाकाल की दीर्घता के अनुसार अवधारित की जाएगी ।

(ञ) "अनुज्ञप्ति फीस" इन नियमों के अधीन आबंटित निवास-स्थान के संबंध में मूल नियमों के उपबन्धों के अनुसार मासिक रूप से देय धनराशि अभिप्रेत है;

(ट) "निवास-स्थान" से ऐसा निवास-स्थान अभिप्रेत है, जो तत्समय सम्पदा निदेशक के प्रशासनिक नियंत्रण में है ;

(ठ) "शिकमी देने" के अन्तर्गत किसी आबंटिती द्वारा अन्य व्यक्ति के साथ, उस व्यक्ति द्वारा अनुज्ञप्ति फीस का संदाय करने पर अथवा उसके बिना, वाससुविधा का सहभोग करना है ।

स्पष्टीकरण—आबंटिती द्वारा अपने निकट संबंधियों के साथ वास-सुविधा का सहभोग शिकमी देना नहीं समझा जाएगा;

(ड) "अस्थायी स्थानान्तरण" से ऐसा स्थानान्तरण अभिप्रेत है जिसमें अनुपस्थिति की अवधि चार मास के अनधिक है;

(ढ) "स्थानान्तरण" से गाजियाबाद से किसी अन्य स्थान को अथवा किसी पात्र कार्यालय से गाजियाबाद में किसी अपात्र कार्यालय को, स्थानान्तरण अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत किसी राज्य सरकार या संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन के अधीन सेवा को स्थानान्तरण अथवा प्रतिवर्तन और किसी अपात्र कार्यालय अथवा संगठन में किसी पद पर प्रतिनियुक्ति भी है ;

(ण) किसी अधिकारी के सम्बन्ध में "टाइप" से निवास-स्थान का वह टाइप अभिप्रेत है जिसका वह अनु० नि० 317-26कद–5 के अधीन पात्र है ।

जिन अधिकारियों के अपने मकान होंगे वे इन नियमों के अधीन आबंटन के लिए अपात्र होंगे —अनु० नि० 317-कद–3 :

(1) इस नियम में,—

(क) "लगी हुई नगरपालिका" से ऐसी नगरपालिका अभिप्रेत है जो किसी स्थानीय नगरपालिका से लगी हुई है;

(ख) किसी अधिकारी या उसके कुटुम्ब के किसी सदस्य के संबंध में "मकान" से ऐसा भवन या उसका कोई भाग अभिप्रेत है जिसका प्रयोग निवास के प्रयोजन के लिए किया जा रहा है और जो स्थानीय नगरपालिका या किसी लगी हुई नगरपालिका की अधिकारिता के भीतर स्थित है।

स्पष्टीकरण—किसी भवन का कोई भाग जिसका प्रयोग निवास के प्रयोजन के लिए किया जा रहा है, इस खण्ड के प्रयोजन के लिए इस बात के होते हुए भी मकान समझा जाएगा कि उसका कोई भाग अनिवासीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग में लाया जा रहा है ;

(ग) किसी अधिकारी के संबंध में "स्थानीय नगरपालिका" से वह नगरपालिका अभिप्रेत है जिसकी अधिकारिता के भीतर उस अधिकारी का कार्यालय स्थित है;

(घ) किसी अधिकारी के संबंध में "कुटुम्ब के सदस्य" से यथास्थिति, पति-पत्नी या अधिकारी की उस पर आश्रित सन्तान अभिप्रेत है ;

(ङ) "नगरपालिका" के अन्तर्गत नगर निगम, नगरपालिका समिति या बोर्ड, टाउन एरिया समिति, नोटीफाइड एरिया समिति और छावनी बोर्ड हैं ।

(2) कोई अधिकारी इन नियमों के अधीन सरकारी मकान के आबंटन के लिए पात्र नहीं होगा यदि वह या उसके कुटुम्ब का कोई सदस्य किसी मकान का स्वामी है ।

(3) यदि कोई अधिकारी जिसके अधिभोग में सरकारी निवास-स्थान है, या उसके कुटुम्ब का कोई अन्य सदस्य किसी मकान का स्वामी है तो वह अपने कब्जे में सरकारी मकान को अध्यर्पित कर देगा ।

(4) जहां कोई अधिकारी जिसको उपनियम (3) लागू होता है, उस उपनियम के अधीन अपेक्षित रूप में सरकारी निवास-स्थान अध्यर्पित नहीं करता है तो उसे निवास-स्थान के प्रयोग और अधिभोग, सेवाओं फर्नीचर और उद्यान प्रभारों के लिये ऐसी बाजार दर पर अनुज्ञप्ति फीस के बराबर नुकसानी देना होगा जो सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाए ।

(5) उपनियम (3) या उपनियम (4) में किसी बात के होते हुए भी, जहां वह मकान, जिसका स्वामी ऐसा अधिकारी है जिसको उपनियम (3) लागू होता है या उसके कुटुम्ब का कोई अन्य सदस्य है, उस निवास से तुलनीय नहीं है जिसका वह अधिकारी इन नियमों के अधीन अन्यथा हकदार है, वहां ऐसे अधिकारी को उसके अधिभोगाधीन सरकारी निवास-स्थान को मू० नि० 45-क के अधीन अनुज्ञप्ति फीस देने पर रखे रहने की अनुज्ञा उस दशा में दी जा सकेगी जब कि ऐसा अधिकारी अपने या अपने कुटुम्ब के किसी सदस्य के स्वामित्वाधीन मकान, संपदा निदेशक को उतने किराए पर, उतनी अवधि के लिए और पट्टे से संबंधित उन अन्य शर्तों पर पट्टे पर देने की प्रस्थापना करे जो निदेशक अवधारित करे और ऐसी प्रस्थापना की स्वीकृति की सूचना के एक सप्ताह के भीतर उसका खाली कब्जा संपदा निदेशक को देने का वचन दे :

परन्तु, निदेशक, यदि वह ऐसा करना आवश्यक समझे, मकान के लिए देय किराए, वह परिक्षेत्र जिसमें वह स्थित है, सरकारी सेवकों के लिए अन्य मकानों की उपलब्धि और अन्य सुसंगत परिस्थितियों और बातों को ध्यान में रखते हुए, उपर्युक्त स्थापना को अस्वीकार कर सकता है :

परन्तु यह और कि—यदि सम्बन्धित अधिकारी ने उपरोक्त स्थापना की है और उपनियम (4) में यथा उपबन्धित नुकसानी उसी तारीख से दे रहा है तो वह ऐसी नुकसानी तब तक देता रहेगा जब तक कि उसकी प्रस्थापना स्वीकार नहीं कर ली जाती या, यदि उसकी प्रस्थापना अस्वीकार कर दी जाती है तो तब तक जब तक कि वह सरकारी निवास-स्थान का अधिभोग करता है ।

(6) यदि किसी अधिकारी सरकारी निवास-स्थान का आबंटन हो चुकने के बाद वह स्वयं या उसके कुटुम्ब का अन्य सदस्य मकान बना लेता है अथवा अन्य किसी प्रकार मकान का स्वामी बन जाता है तो ऐसा अधिकारी,—

(क) वह या उसके कुटुम्ब का कोई सदस्य जिस तारीख को मकान का स्वामी बनता है उससे चार सप्ताह की अवधि के भीतर संपदा निदेशालय को यह तथ्य अधिसूचित करेगा;

(ख) सरकारी मकान को रखे रहने का हकदार नहीं रहेगा और उक्त तारीख से छह सप्ताह के भीतर अपने अधिभोगाधीन सरकारी निवास अध्यर्पित कर देगा ।

स्पष्टीकरण—खण्ड (क) और (ख) के प्रयोजनों के लिए, नवनिर्मित मकान के मामले में किसी व्यक्ति को उस तारीख से, जिससे संबद्ध स्थानीय निकाय मकान के पूरा होने का प्रमाणपत्र देता है या उसके वास्तविक अधिभोग की तारीख से, जो भी पूर्वतर हो, मकान का स्वामी हुआ समझा जाएगा ।

(7) उपनियम (6) में निर्दिष्ट किसी अधिकारी को उपनियम (4) और (5) के उपबन्ध उसी प्रकार लागू होंगे जैसे वे उपनियम (3) में निर्दिष्ट किसी अधिकारी के संबंध में लागू होते हैं ।

(8) इस नियम में किसी बात के होते हुए भी, सरकार, यथास्थिति, कठिनाई वाले विनिर्दिष्ट मामलों में या लोकहित में किसी अधिकारी को कोई निवास-स्थान मूल नियम 45-क के अधीन अनुज्ञप्ति फीस का संदाय किए जाने पर या बिना किराया लिए, आबंटित कर सकती है या यदि उसके अधिभोग में पहले से ही कोई निवास-स्थान है तो उसे रखे रहने की अनुज्ञा दे सकती है ।

पति और पत्नी को आबंटन, एक दूसरे से विवाहित अधिकारियों के मामलों में पालता—अनु० नि० 317-कद—4 :

(1) किसी अधिकारी को, यथास्थिति, जिसकी पत्नी या जिसके पति को पहले ही निवास-स्थान आबंटित किया जा चुका है, इन नियमों के अधीन कोई निवास स्थान तब तक आवंटित नहीं किया जाएगा जब तक कि वह ऐसे आबंटित निवास-स्थान अभ्यर्पित नहीं कर देता :

परन्तु यह उपनियम वहां लागू नहीं होगा जहां पति और पत्नी किसी न्यायालय द्वारा किए गए न्यायिक पृथक्करण के आदेश के अनुसरण में पृथक पृथक निवास कर रहे हैं ।

(2) जहां दो अधिकारी, जो इन नियमों के अधीन पृथक रूप से आबंटित निवास-स्थानों के अधिभोगी है, एक दूसरे से विवाह कर लें वहां वे विवाह के एक मास के भीतर उन निवास स्थानों में से एक अभ्यर्पित कर देंगे ।

(3) यदि निवास-स्थान का अभ्यर्पण उपनियम (2) की अपेक्षानुसार नहीं किया जाता तो निम्नतर टाइप के निवास-स्थान का आबंटन ऐसी अवधि के अवसान पर रद्द हुआ समझा जाएगा और यदि निवास-स्थान एक ही टाइप के हैं तो संपदा निदेशक के विनिश्चयानुसार उनमें से एक का आबंटन ऐसी अवधि के अवसान पर रद्द हुआ समझा जाएगा ।

(4) जहां पति और पत्नी दोनों ही केन्द्रीय सरकार के अधीन नियोजन में हैं, वहां इन नियमों के अधीन निवास-स्थान के आबंटन की बाबत उन दोनों में से प्रत्येक के हक पर स्वतन्त्र रूप से विचार किया जाएगा ।

(5) उपनियम (1) से (4) तक में किसी बात के होते हुए भी,—

(क) यदि, यथास्थिति, पत्नी या पति को, जो इन नियमों के अधीन निवास-स्थान का आबंटिती है, ऐसे पूल से, जिसे ये नियम लागू नहीं होते, एक ही स्टेशन पर बाद में निवास-स्थान संबंधी कोई वास-सुविधा आबंटित कर दी जाती है तो, यथास्थिति, पत्नी या पति ऐसे आबंटित आबंटन के एक मास के भीतर इन निवास स्थानों में से कोई एक अभ्यर्पित कर देगा :

परन्तु यह खंड वहां लागू नहीं होगा जहां पति और पत्नी किसी न्यायालय द्वारा किए गए न्यायिक पृथक्करण के आदेश के अनुसरण में पृथक-पृथक निवास कर रहे हैं;

(ख) जहां दो अधिकारी, जो एक ही स्टेशन पर ऐसे पृथक निवास-स्थानों के अधिभोगी है जिनमें से एक निवास-स्थान इन नियमों के अधीन आबंटित किया गया है और दूसरा ऐसे पूल से, जिसे ये नियम लागू नहीं होते, एक दूसरे से विवाह कर लें, वहां उनमें से कोई भी एक अधिकारी ऐसे विवाह के एक मास के भीतर उन निवास-स्थानों में से किसी एक को अभ्यर्पित कर देगा;

(ग) यदि निवास-स्थान का अभ्यर्पण खंड (क) या खंड (ख) की अपेक्षानुसार नहीं किया जाता तो साधारण पूल में के निवास-स्थान का आबंटन ऐसी अवधि के अवसान पर रद्द हुआ समझा जाएगा ।

निवास स्थानों का वर्गीकरण—अनु० नि० 317-कद—5 :

इन नियमों द्वारा अन्यथा उपबन्धित के सिवाय, अधिकारी नीचे दी गई सारणी में वर्णित टाइप के निवास-स्थान के आबंटन का पात्र होगा—

निवास-स्थान का टाइप	ऐसी तारीख को अधिकारी का प्रवर्ग या उसकी मासिक उपलब्धियां जो संबद्ध आबंटन वर्ष के प्रयोजनार्थ केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए ।
क.	260 रुपये से न्यून
ख	500 रुपये से कम किन्तु 260 रुपये से कम नहीं
ग.	1000 रुपये से कम किन्तु 500 रुपए से कम नहीं
घ.	1500 रुपये से कम किन्तु 1000 रुपये से कम नहीं
ङ.	1500 रुपए और उससे अधिक

आबंटन के लिए आवेदन—अनु० नि० 317-कद-6:

(1) प्रत्येक सरकारी अधिकारी, जो सरकारी वास-सुविधा का अधिभोगी है, अपना आवेदन ऐसे प्ररूप में और ऐसी रीति से तथा ऐसी तारीख तक भेजेगा जो संपदा निदेशक द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट की जाए ।

(2) उन अधिकारियों से, जो सरकारी वास-सुविधा के अधिभोगी नहीं है, सम्पदा निदेशक ऐसे प्ररूप में और ऐसी रीति से तथा ऐसी तारीख से पूर्व, जो उसके द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, आवेदन आमन्त्रित करेगा ।

(3) वह अधिकारी, जो प्रथम नियुक्ति पर या स्थानान्तरण पर राजियाबाद में पदभार ग्रहण करता है, अपना आवेदन अपने पदभार ग्रहण करने के एक मास के भीतर संपदा निदेशक को भेज सकता है ।

(4) किसी भी कलेण्डर मास में आबंटन के लिए केवल उन्हीं आवेदनों पर विचार किया जाएगा जो पूर्ववर्ती मास की बीस तारीख को या उसके पूर्व प्राप्त हो जाए ।

निवास-स्थानों का आबंटन और प्रत्यापनाएं-अनु नि० 317-कद-7 :

(1) इस नियमों में अन्यथा उपबन्धित के सिवाय, किसी निवास-स्थान के खाली होने पर वह संपदा निदेशक द्वारा अधिमानतः उस आवेदक को आबंटित किया जाएगा जो अनु० नि० 317-कद-15 के उपबंधों के अधीन उस टाइप की वास-सुविधा का परिवर्तन चाहता है और यदि उस प्रयोजन के लिए अपेक्षित नहीं है तो, उस आवेदक को आबंटित किया जाएगा जिसके पास उस टाइप की वास-सुविधा नहीं है और जिसकी उस टाइप के निवास-स्थान के लिए पूर्विकता तारीख सब से पहले है । यह आबंटन निम्नलिखित शर्तों पर होगा, अर्थात् :—

(i) संपदा निदेशक उस टाइप से उच्चतर टाइप का निवास-स्थान आबंटित नहीं करेगा जिसका आवेदक अनु० नि० 317-कद-5 के अधीन है;

(ii) संपदा निदेशक किसी आवेदक को इस बात के लिए विवश नहीं करेगा कि वह जिस टाइप के निवास-स्थान का अनु नि० 317-कद-3 के अधीन पात्र है उससे निम्नतर टाइप का निवास-स्थान स्वीकार करे;

(iii) संपदा निदेशक, किसी निम्नतर कोटि के निवास-स्थान के आबंटन के लिए किसी आवेदक की प्रार्थना पर उसे ऐसे टाइप से ठीक निम्नतर निवास-स्थान आबंटित कर सकता है जिसके लिए आवेदक अनु० नि० 317-कद-5 के अधीन, उसके लिए अपनी पूर्विकता तारीख के आधार पर, पात्र है।

(2) यदि किसी अधिकारी के अधिभोग वाले निवास-स्थान को खाली कराना अपेक्षित है तो संपदा निदेशक उस अधिकारी का वर्तमान आबंटन रद्द कर सकता है और उसे उसी टाइप का अनुकल्पी निवास-स्थान आबंटित कर सकता है, अथवा अत्यावश्यकता की स्थिति में, उस अधिकारी के अधिभोग वाले निवास स्थान के टाइप से ठीक निम्नतर टाइप का अनुकल्पी निवास-स्थान आबंटित कर सकता है।

(3) खाली निवास-स्थान को, उपर्युक्त उपनियम (1) के अधीन किसी अधिकारी को आबंटित किए जाने के अतिरिक्त, अन्य पात्र अधिकारियों को, उनकी पूर्विकता तारीखों के क्रम से, आबंटन के लिए प्रस्थापित किया जा सकता है।

कतिपय प्रवर्गों के अधिकारियों के पृथक पूल बनाए रखना-अनु० नि० 317-कद-8 :

(1) इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, महिला अधिकारियों का पूल, यदि संपदा निदेशक आवश्यक समझे, विवाहित महिला अधिकारियों और अविवाहित महिला अधिकारियों के लिए पृथकतः बनाए रखे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इस उपनियम में,

(क) "विवाहित महिला अधिकारी" से ऐसी महिला अधिकारी अभिप्रेत है, जिसका विवाह अस्तित्व में है और जिसे अपने पति से न्यायिक रूप से पृथक नहीं किया गया है;

(ख) "अविवाहित महिला अधिकारी" से ऐसी महिला अधिकारी अभिप्रेत है, जो विवाहित महिला अधिकारी नहीं है।

(2) इन पूलों में रखे जाने वाले निवास-स्थानों की संख्या और टाइप सरकार समय-समय पर अवधारित करेगी।

(3) अधिकारी, उक्त पूलों में उस टाइप से ठीक निम्नतर टाइप की वास-सुविधा के आबंटन के हकदार होंगे जिसके वे अनु० नि० 317-कद-5 के उपबंधों के अधीन हकदार है।

(4) इस नियम के अधीन निवास-स्थानों के आबंटन के लिए पात्र अधिकारियों की परस्पर ज्येष्ठता, उस पूर्विकता तारीख के आधार पर अवधारित की जाएगी, जिस तारीख को ऐसा प्रत्येक अधिकारी उस पूल में निवास-स्थान के उस टाइप की पात्र हुई थी।

पारी-वास आबंटन-अनु० नि० 317-कद-9 :

कोई पारी-वास आबंटन नहीं किया जाएगा।

आबंटन या प्रस्थापना का स्वीकार न किया जाना अथवा आबंटित निवास-स्थान को स्वीकार करने के पश्चात् अधिभोग में न लेना-अनु नि० 317-कद-10 :

(1) यदि कोई अधिकारी किसी निवास-स्थान का आबंटन आबंटन-पत्र की प्राप्ति की तारीख से पांच दिन के भीतर स्वीकार नहीं करता है अथवा स्वीकार करने के बाद ऐसी तारीख से आठ दिन के भीतर उस निवास-स्थान का कब्जा नहीं लेता है तो वह उस आबंटन पत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि पर्यन्त दूसरे आबंटन का पात्र नहीं होगा।

(2) यदि किसी अधिकारी को, जिसके अधिभोग में किसी निम्नतर टाइप का निवास-स्थान है, ऐसे टाइप का निवास-स्थान आबंटित या प्रस्थापित किया जाता है जिसके लिए वह अनु० नि० 317-कद-5 के अधीन पात्र है या जिसके लिए उसने अनु० नि० 317-कद-7(1)(iii) के अधीन आवेदन किया है तो उसे उसके द्वारा उक्त आबंटन या आबंटन की प्रस्थापना अस्वीकार कर दिए जाने पर, पूर्वतन आबंटित निवास-स्थान में रहने के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुज्ञात किया जा सकता है, अर्थात् :—

(क) ऐसा अधिकारी उस आबंटन वर्ष की शेष अवधि तक, जिस वर्ष में उसने आबंटन या प्रस्थापना से इन्कार किया है, दूसरे आबंटन के लिए पात्र नहीं होगा;

(ख) विद्यमान निवास-स्थान रखे रहने के दौरान उस पर वही अनुज्ञप्ति फीस जो उसे सा० नि० 45-क के अधीन इस प्रकार आबंटित या प्रस्थापित निवास-स्थान के लिए संदत्त करनी पड़ती अथवा वह अनुज्ञप्ति फीस, जो उस निवास-स्थान के लिए देय है जो पहले ही उसके अधिभोग में है, इन दोनों में से जो भी अधिक है, प्रभारित की जाएगी।

आबंटन प्रभावी रहने की अवधि और तत्पश्चात् कब्जा बनाए रखने की रियायती अवधि—अनु० नि० 317-कद-11:

(1) आबंटन उस तारीख से प्रभावी होगा जिसको वह अधिकारी द्वारा स्वीकार किया जाता है और तब तक प्रभावी रहेगा जब तक कि—

(क) अधिकारी के गाजियाबाद में किसी पात्र कार्यालय में कर्तव्यारूढ़ न रह जाने के पश्चात्, वह रियायती अवधि समाप्त नहीं हो जाती जो उपखण्ड (2) के अधीन अनुज्ञेय है;

(ख) आबंटन, सम्पदा निदेशक द्वारा रद्द नहीं कर दिया जाता या इन नियमों के किसी उपबन्ध के अधीन रद्द किया गया नहीं समझा जाता;

(ग) वह अधिकारी द्वारा अभ्यर्पित नहीं कर दिया जाता;

(घ) अधिकारी निवास-स्थान का अधिभोग समाप्त नहीं कर देता।

(2) अधिकारी उसे आबंटित निवास-स्थान को, उपनियम (3) के अधीन रखते हुए निम्न सारणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट घटनाओं में से किसी के होने पर उस अवधि पर्यन्त, अपने पास रख सकता है जो उस सारणी के स्तम्भ (2) में तत्सम्बन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है: परन्तु यह तब जबकि वह निवास-स्थान उस अधिकारी या उसके कुटुम्ब के सदस्यों के वास्तविक उपयोग के लिए अपेक्षित है।

सारणी

घटनाएं	निवास-स्थान अपने पास रखे रखने के लिए अनुज्ञेय अवधि
1	2
(i) पदत्याग, पदच्युति या सेवा से हटाया जाना, सेवा का पर्यवसान अथवा बिना अनुज्ञा के अप्राधिकृत अनुपस्थिति	एक मास
(ii) सेवा-निवृत्ति या सेवान्त छुट्टी	दो मास
(iii) आबंटिती की मृत्यु	चार मास
(iv) गाजियाबाद से बाहर किसी स्थान को स्थानान्तरण	दो मास
(v) गाजियाबाद में किसी अपात्र कार्यालय को स्थानान्तरण	दो मास
(vi) भारत में अन्यत्र सेवा पर जाना	दो मास

1	2
(vii) भारत में अस्थायी स्थानान्तरण अथवा भारत से बाहर किसी स्थान के लिए स्थानान्तरण ।	चार मास
(viii) छुट्टी (जो निवृत्ति-पूर्व छुट्टी अस्वीकृत छुट्टी, सेवान्त छुट्टी, चिकित्सा छुट्टी या अध्ययनार्थ छुट्टी से भिन्न है) ।	छुट्टी की अवधि पर्यन्त किन्तु चार मास से अधिक नहीं ।
(ix) (क) प्रसूति छुट्टी	प्रसूति छुट्टी और उसके क्रम में दी गई छुट्टी की अवधिपर्यन्त किन्तु इसकी अधिकतम सीमा 5 मास से अधिक नहीं होगी ।
(x) निवृत्ति-पूर्व छुट्टी या मू० नि० 86 के अधीन दी गई अस्वीकृत छुट्टी अथवा ऐसे सरकारी सेवकों को दी गई अर्जित छुट्टी जो मू० नि० 56(झ) के अधीन निवृत्त होते हैं ।	पूरे औसत वेतन पर छुट्टी की पूर्ण अवधिपर्यन्त, किन्तु इसकी अधिकतम सीमा निवृत्ति पूर्व छुट्टी की दशा, में 180 दिन और अन्य मामलों में चार मास होगी ।
(xi) भारत में या इससे बाहर अध्ययनार्थ छुट्टी ।	(क) यदि अधिकारी अपने हक नीचे की वास-सुविधा का अधिभोग कर रहा है तो, अध्ययन छुट्टी की पूर्ण अवधि-पर्यन्त । (ख) यदि अधिकारी अपने हक की वास-सुविधा का अधिभोग कर रहा है तो, अध्ययन छुट्टी पर्यन्त, किन्तु 6 मास से अधिक नहीं : परन्तु जहां अध्ययन छुट्टी छह मास से अधिक की हो जाती है तो उसे छह मास की समाप्ति पर या अध्ययन छुट्टी के प्रारम्भ की तारीख से, यदि वह ऐसी वांछा करे, उसके हक के टाइप से एक टाइप नीचे की वैकल्पिक वास-सुविधा आबंटित की जा सकेगी ।
(xii) भारत से बाहर प्रतिनियुक्ति	प्रतिनियुक्ति छुट्टी की अवधिपर्यन्त, किन्तु छह मास से अधिक नहीं ।
(xiii) चिकित्सीय आधार पर छुट्टी	छुट्टी की पूर्ण अवधिपर्यन्त ।
(xiv) प्रशिक्षणार्थ जाने पर	प्रशिक्षण की पूर्ण अवधिपर्यन्त ।

स्पष्टीकरण 1—जब भारत में स्थानान्तरण होने या अन्यत्र सेवा में जाने पर किसी अधिकारी को कोई छुट्टी मंजूर की जाती है और वह नए कार्यालय में पदभार ग्रहण करने से पूर्व उस छुट्टी का उपभोग करता है तो उसे मद (iv), (v), (vi) और (vii) के सामने वर्णित अवधि के लिए या छुट्टी की अवधि के लिए दोनों में से जो भी अधिक है, निवास-स्थान रखे रहने की अनुज्ञा दी जा सकती है ।

स्पष्टीकरण 2—जब भारत में स्थानान्तरण या अन्यत्र सेवा सम्बन्धी कोई आदेश किसी अधिकारी को तब जारी किया जाता है जब वह पहले से ही छुट्टी पर है तो स्पष्टीकरण 1 के अधीन अनुज्ञेय अवधि ऐसा आदेश जारी करने की तारीख से गिनी जाएगी ।

(3) जब कोई निवास-स्थान उपनियम (2) के अधीन रखे रखा जाता है तो अनुज्ञेय रियायती अवधियों की समाप्ति पर वह आबंटन, सिवाय उस दशा के जब उन अवधियों की समाप्ति के पश्चात् वह अधिकारी गाजियाबाद में किसी पात्र कार्यालय में कर्तव्यभार ग्रहण कर लेता है, रद्द किया गया समझा जाएगा ।

(3-क) जब कोई अधिकारी बिना वेतन और भत्ते के चिकित्सीय छुट्टी पर हो वह उपनियम (2) के नीचे दी गई सारणी की मद सं० (xii) के अधीन दी गई रियायत के आधार पर अपने निवास-स्थान को रखे रख सकता है परन्तु यह तब जब वह ऐसे निवास-स्थान के लिए अनुज्ञप्ति फीस प्रतिमास नकद भेजता रहे और ऐसी फीस दो मास से अधिक तक न भेजने की दशा में, आबंटन रद्द हो जाएगा ।

(4) जिस अधिकारी ने उपनियम (2) के नीचे दी गई सारणी की मद (i) या मद (ii) के अधीन रियायत के आधार पर निवास-स्थान रखे रखा है, वह किसी पात्र कार्यालय में, उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, पुनर्नियोजित होने पर इस बात का हकदार होगा कि उस निवास-स्थान को अपने पास रखे रहे तथा वह इन नियमों के अधीन निवास-स्थान के किसी और आबंटन का भी पात्र होगा :

परन्तु यदि पुनर्नियोजन होने पर, अधिकारी की उपलब्धियां इतनी हैं जिनके आधार पर वह उस टाइप के निवास-स्थान का हकदार नहीं है जो उसके अधिभोग में है, तो उसे निम्नतर टाइप का निवास-स्थान आबंटित किया जाएगा ।

(5) उपनियम (2) या उपनियम (3) या उपनियम (4) में किसी बात के होते हुए भी, जब कोई अधिकारी पदच्युत किया जाता है या सेवा से हटाया जाता है या जब उसकी सेवा पर्यवसित की जाती है तथा उस कार्यालय के जिसमें ऐसा अधिकारी ऐसी पदच्युति, हटाए जाने या पर्यवसान के ठीक पूर्व नियोजित था, विभाग के प्रधान का समाधान हो जाता है कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक और समीचीन है तो वह सम्पदा निदेशक से यह अपेक्षा कर सकता है कि वह ऐसे अधिकारी को आबंटित निवास-स्थान का आबंटन या तो तुरन्त रद्द कर दे या उस तारीख से रद्द कर दे जो उपनियम (2) के नीचे दी गई सारणी की मद (i) में निर्दिष्ट एक मास की अवधि की समाप्ति से पूर्व की है और जो वह विनिर्दिष्ट करता है तथा सम्पदा निदेशक तदनुसार कार्रवाई करेगा ।

अनुज्ञप्ति फीस सम्बन्धी उपबन्ध—अनु० नि० 317-कव-12 :

(1) यदि वास-सुविधा या अनुकल्पी वास-सुविधा का आबंटन स्वीकार कर लिया जाता है तो अनुज्ञप्ति फीस का दायित्व अधिभोग की तारीख से अथवा आबंटन की प्राप्ति की तारीख से आठवें दिन से, जो भी पूर्वतर है प्रारम्भ होगा ।

जो अधिकारी आबंटन स्वीकार करने के पश्चात् उस वास-सुविधा का कब्जा आबंटन-पत्र की प्राप्ति की तारीख से आठ दिन के भीतर नहीं लेता उससे उस तारीख से बारह दिन की अवधि तक की अनुज्ञप्ति फीस ली जाएगी परन्तु इसमें की कोई बात उस दशा में लागू नहीं होगी जब केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग यह प्रमाणित कर दे कि वास-सुविधा अधिभोग के योग्य नहीं है और उसके परिणामस्वरूप अधिकारी पूर्वोक्त अवधि के भीतर वास-सुविधा को अधिभोग में नहीं लेता है ।

(2) जहां एक निवास-स्थान के अधिभोगी किसी अधिकारी को दूसरा निवास-स्थान आबंटित कर दिया जाता है और वह नए निवास-स्थान का अधिभोग प्राप्त कर लेता है तो पहले निवास-स्थान का आबंटन नए निवास-स्थान का अधिभोग प्राप्त करने की तारीख से रद्द हुआ समझा जाएगा । तथापि, निवास-स्थान बदलने के लिए वह पहले निवास-स्थान को उस दिन तथा उसके बाद के एक दिन तक, बिना अनुज्ञप्ति फीस दिए, अपने पास रख सकता है ।

"परन्तु यदि पहला निवास-स्थान पूर्वोक्त के अनुसार पश्चात्वर्ती तारीख तक खाली नहीं किया जाता है, तो अधिकारी उस तारीख से जिसको वह पश्चात्वर्ती निवास-स्थान का कब्जा लेता है, उस निवास-स्थान, सेवाओं और फर्नीचर के उपयोग और अधिभोग के लिए उतनी नुक्सानी और उपान प्रभारों का संदाय, उतने बाजार अनुज्ञप्ति फीस के बराबर करने के लिए दायी होगा, जितनी सरकार समय-समय पर अवधारित करे ।"

निवास-स्थान के खाली किए जाने तक अधिकारी का अनुज्ञप्ति फीस देने का वैयक्तिक दायित्व तथा अस्थायी अधिकारियों द्वारा प्रतिभू दिया जाना—अनु० नि० 318—कद-13:

(1) जिस अधिकारी को निवास-स्थान का आबंटन किया जाए उस पर उसकी अनुज्ञप्ति फीस का तथा उस नुकसान का दायित्व होगा जो उचित टूट-फूट के अतिरिक्त है और जो उस निवास-स्थान को अथवा सरकार द्वारा उसमें दिए गए फर्नीचर, फिक्सचर, फिटिंग या सेवा-व्यवस्था को उस अवधि के दौरान पहुंचती है जब निवास-स्थान उसे आबंटित कर दिया जाता है और आबंटित बना रहता है या, यदि आबंटन इन नियमों के किसी उपबन्ध के अधीन रद्द कर दिया गया है वहां, जब तक निवास-स्थान तथा उससे संलग्न उपगृह खाली करके उनका पूर्णतः खाली रूप में कब्जा सरकार को वापस नहीं कर दिया जाता ।

(2) यदि वह अधिकारी जिसे निवास-स्थान आबंटित किया गया है, न तो स्थायी सरकारी सेवक है और न स्थायीवत् तो वह केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त विहित प्ररूप में, एक प्रतिभू सहित प्रतिभूति-पत्र निष्पादित करेगा । यह प्रतिभू केन्द्रीय सरकार के अधीन सेवा करने वाला स्थायी सरकारी सेवक होना चाहिए । यह प्रतिभूति-पत्र अनुज्ञप्ति फीस तथा अन्य ऐसे प्रभारों के संदाय के लिए होगा जो उस निवास-स्थान और अन्य सेवाओं की बाबत तथा उसके बदले में दिए गए किसी अन्य निवास-स्थान की बाबत उसके द्वारा देय है ।

(3) यदि प्रतिभू सरकारी सेवा में नहीं रह जाता या दिवालिया हो जाता है या किसी अन्य कारण से उपलभ्य नहीं रह जाता है तो अधिकारी किसी अन्य प्रतिभू द्वारा निष्पादित एक नया बन्धपत्र उस घटना या तथ्य की जानकारी प्राप्त होने की तारीख से तीस दिन के भीतर देगा, और यदि वह ऐसा नहीं करता है तो, जब तक कि सम्पदा निदेशक अन्यथा विनिश्चय न करे, उस निवास-स्थान का उसे आवंटन उस घटना की तारीख से रद्द किया गया समझा जाएगा ।

आबंटन का अभ्यर्पण और सूचना की अवधि—अनु० नि० 317-कद-14:

(1) अधिकारी ऐसी सूचना देकर, जो निवास-स्थान को खाली करने की तारीख से कम से कम दस दिन पूर्व सम्पदा निदेशक के पास पहुंच जाए, किसी भी समय आबंटन को अभ्यर्पित कर सकता है । निवास-स्थान का आबंटन उस दिन के पश्चात् जिसको पत्र सम्पदा निदेशक को प्राप्त होता है, ग्यारहवें दिन से या पत्र में विनिर्दिष्ट तारीख से, जो भी पश्चात्वर्ती है रद्द किया गया समझा जाएगा । यदि अधिकारी सम्यक् सूचना न दे तो वह दस दिन को, अथवा दस दिन की सूचना देने में जितने दिन की कमी है उतने दिन की अनुज्ञप्ति फीस देने के लिए उत्तरदायी होगा, परन्तु सम्पदा निदेशक कम अवधि की सूचना स्वीकार कर सकता है ।

(2) उपनियम (1) के अधीन निवास-स्थान अभ्यर्पित करने वाले अधिकारी के सम्बन्ध में, उसी स्टेशन पर सरकारी वास-सुविधा का आबंटन करने के लिए ऐसे अभ्यर्पण की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक पुनः विचार नहीं किया जाएगा ।

निवास-स्थान बदलना—अनु० नि० 317-कद-15:

(1) जिस अधिकारी को इन नियमों के अधीन निवास-स्थान का आबंटन किया गया है वह यह आवेदन कर सकता है कि उसे उसके बदले में उसी टाइप का अथवा उस टाइप का जिसका पात्र वह अनु० नि० 317-कद-5 के अधीन है (जो भी निम्नतर है), निवास-स्थान दिया जाए । किसी अधिकारी को आबंटित एक टाइप का निवास-स्थान एक बार से अधिक बदलने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी ।

(2) बदली के लिए सम्पदा निदेशक द्वारा विहित प्ररूप में किए गए सभी आवेदन किसी कलेण्डर मास के जो उन्नीसवें दिन तक प्राप्त हो जाते हैं, अगले मास की प्रतीक्षा-सूची में सम्मिलित किए जाएंगे । इस नियम के प्रयोजनों के लिए, वे अधिकारी जिनके नाम पूर्ववर्ती मास की प्रतीक्षा सूची में सम्मिलित किए गए हैं समुच्चयित रूप से उन अधिकारियों से ज्येष्ठ होंगे जिनके नाम पश्चात्वर्ती मास की सूची में सम्मिलित किए जाते हैं । किसी विशिष्ट मास की सूची में सम्मिलित किए गए अधिकारियों की परस्पर ज्येष्ठता उनकी पूर्विकता तारीखों के क्रम से अवधारित की जाएगी ।

(3) बदली का अवसर उपनियम (2) के अनुसार अवधारित ज्येष्ठता क्रम में तथा अधिकारियों की अपनी पसन्द का यथा सम्भव ध्यान रखते हुए दिया जाएगा:

परन्तु सेवानिवृत्ति की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती छह मास की अवधि के दौरान कोई निवास-स्थान बदलने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी ।

(4) यदि कोई अधिकारी निवास-स्थान बदलने की प्रस्थापना या आबंटन जारी किए जाने के पांच दिन के भीतर उसे स्वीकार नहीं करता तो उसके नाम पर उस टाइप के निवास-स्थान के परिवर्तन के लिए पुनः विचार नहीं किया जाएगा ।

(5) जो अधिकारी, निवास-स्थान की बदली स्वीकार करने के पश्चात् उसका कब्जा नहीं लेता उससे ऐसे निवास-स्थान के लिए अनु० नि० 317-कद-12 के उपनियम (1) के उपबन्धों के अनुसार अनुज्ञप्ति फीस ली जाएगी, जो उस निवास-स्थान के लिए, जो पहले से उसके कब्जे में है, और जिसका आबंटन बराबर बना रहेगा, मू० नि० 45-क के अधीन प्रसामान्य अनुज्ञप्ति फीस के अतिरिक्त होगी ।

कुटुम्ब के सदस्य की मृत्यु की दशा में निवास-स्थान बदलना—अनु० नि०-317-कद-16:

अनु० नि० 317-कद-15 में किसी बात के होते हुए भी, यदि अधिकारी के कुटुम्ब के किसी सदस्य की मृत्यु हो जाती है और वह निवास-स्थान बदलने के लिए आवेदन ऐसी घटना के तीन मास के भीतर करता है तो उसे निवास-स्थान बदलने की अनुज्ञा दी जा सकती है: परन्तु यह बदली उसी टाइप के निवास-स्थान में तथा उसी मंजिल पर होगी जिस टाइप का निवास-स्थान उस अधिकारी को पहले से आबंटित है ।

निवास-स्थानों का पारस्परिक विनिमय—अनु० नि० 317-कद-17:

जिन अधिकारियों को इन नियमों के अधीन एक ही टाइप के निवास-स्थान आबंटित किए गए हैं, वे आवदन कर सकते हैं कि उन्हें अपने निवास-स्थानों का पारस्परिक विनिमय करने की अनुज्ञा दी जाए । जब इस बात की उचित तौर पर प्रत्याशा हो कि दोनों अधिकारी ऐसे विनिमय के अनुमोदन की तारीख से कम से कम छह मास तक गाजियाबाद में कर्त्तव्यारूढ़ रहेंगे और पारस्परिक रूप से विनिमय में प्राप्त अपने निवास-स्थान में रहेंगे तब पारस्परिक विनिमय की अनुज्ञा दी जा सकती है ।

उन स्थानों के लिए स्थानान्तरण जहां कुटुम्ब नहीं रखा जा सकता—अनु० नि० 317—कद-18:

यदि किसी अधिकारी का स्थानान्तरण किसी ऐसे स्थान को किया जाता है जहां उसे अपना कुटुम्ब साथ ले जाने के लिए सरकार द्वारा अनुज्ञा नहीं दी जाती या सलाह नहीं दी जाती और इन नियमों के

अधीन उसे आबंटित निवास-स्थान उसी सन्तान को वास्तविक शिक्षा सम्बन्धी आवश्यकताओं के लिए कुटुम्ब द्वारा अपेक्षित है तो उसे, प्रार्थना करने पर, गाजियाबाद में अपनी सन्तान के चालू शैक्षणिक सत्र के अन्त तक मू० नि० 45-क के अधीन अनुज्ञप्ति फीस के संदाय पर, निवास-स्थान रखे रखने की अनुज्ञा दी जा सकती है ।

निवास-स्थान का रख-रखाव—अनु० नि० 317-कद-19:

जिस अधिकारी को निवास-स्थान का आबंटन किया गया है वह उसे और परिसरों को यथास्थिति केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा सम्बद्ध नगरपालिका को समाधानप्रद रूप में साफ-सुथरा रखेगा । ऐसा अधिकारी उस निवास-स्थान के संलग्न किसी उद्यान, लेहन या चार-दीवारी में न तो सरकार या केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के विरुद्ध कोई वृक्ष, झाड़ी या पौधे उगाएगा और न ही किसी विद्यमान वृक्ष या झाड़ी को केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग की लिखित पूर्व अनुज्ञा के बिना काटेगा या छांटेगा । इस नियम के उल्लंघन में लगाए गए वृक्ष, पौधे या वनस्पति सम्बन्धित अधिकारी की जोखिम पर और उसके खर्च पर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग हटवा सकेगा ।

निवास-स्थान को शिकमी देना और सहभोग—अनु० नि० 317-कद-20:

(1) कोई अधिकारी अपने को आबंटित निवास-स्थान या उससे संलग्न उपगृहों, गैरजों, और अस्तबलों का सहभोग इन नियमों के अधीन निवास-स्थान के आबंटन के पात्र केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के साथ ही करेगा । सेवक-निवासों, उपगृहों, गैरेजों और अस्तबलों का उपयोग केवल उचित प्रयोजनों के लिए, जिनके अन्तर्गत आबंटिती के सेवकों का निवास भी है, या अन्य ऐसे प्रयोजनों के लिए किया जाएगा जिनकी सम्पदा निदेशक अनुज्ञा दे ।

(2) कोई अधिकारी अपने सम्पूर्ण निवास-स्थान को शिकमी नहीं देगा:

परन्तु छुट्टी पर जाने वाला अधिकारी अपने निवास-स्थान में किसी अन्य अधिकारी को जो सरकारी वास-सुविधा का सहभोग करने के लिए पात्र है, देखभाल करने वाले के रूप में, अनु० नि० 317-कद-11 (2) में विनिर्दिष्ट अवधिपर्यन्त (जो छह मास से अधिक की नहीं होगी) रख सकता है ।

(3) जो अधिकारी अपने निवास-स्थान का सहभोग करे या उसे शिकमी दे वह ऐसा अपनी जोखिम और उत्तरदायित्व पर करेगा और उस निवास-स्थान की बाबत देय कोई अनुज्ञप्ति फीस देने के लिए और ऐसे किसी नुकसान के लिए वैयक्तिक रूप से उत्तरदायी बना रहेगा जो निवास-स्थान को या उसकी प्रसीमाओं या भूमियों को या सरकार द्वारा उसमें की गई सेवा व्यवस्थाओं को पहुंचे और जो उचित टूट-फूट के अतिरिक्त हो ।

नियमों और शर्तों को भंग करने का परिणाम—अनु० नि० 317-कद-21:

(1) यदि वह अधिकारी जिसे निवास-स्थान आबंटित किया गया है, अप्राधिकृत रूप से निवास-स्थान शिकमी देता है या सहभोगी से अनुज्ञप्ति फीस ऐसी दर से लेता है जिसे सम्पदा निदेशक अत्यधिक समझता है अथवा निवास-स्थान के किसी भाग में कोई अप्राधिकृत निर्माण करता है अथवा निवास-स्थान या उसके किसी भाग का उपभोग उन प्रयोजनों से भिन्न प्रयोजनों के लिए करता है जिसके लिए वह है अथवा विद्युत या जल के कनेक्शन को बिगाड़ता है अथवा इस प्रभाग के नियमों या आबंटन के निबन्धनों और शर्तों को भंग करता है अथवा किन्हीं ऐसे प्रयोजनों के लिए, जिन्हें सम्पदा निदेशक अनुचित समझे, निवास-स्थान या परिसर का उपयोग करता है या किए जाने की अनुज्ञा देकर उन्हें नुकसान पहुंचाता है अथवा स्वयं ऐसा आचरण करता है जो सम्पदा निदेशक की राय में उस अधिकारी के पड़ोसियों से शान्तिपूर्ण सम्बन्धों को बनाए रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला है अथवा आबंटन प्राप्त करने की दृष्टि से किसी आवेदन या लिखित कथन में कोई गलत जानकारी जानबूझ कर देता है तो सम्पदा निदेशक, ऐसी किसी अनुशासनिक कार्यवाही पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जो उस अधिकारी के विरुद्ध की जा सकती हो, निवास-स्थान का आबंटन रद्द कर सकता है ।

स्पष्टीकरण—इस उपनियम में जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, "अधिकारी" पद के अन्तर्गत उसके कुटुम्ब का कोई सदस्य और ऐसे अधिकारी के माध्यम से दावा करने वाला कोई व्यक्ति भी है ।

(2) यदि कोई अधिकारी उसे आबंटित निवास-स्थान को या उसके किसी भाग को या उससे संलग्न किसी उपगृह, गैरेज या अस्तबल को इन नियमों का उल्लंघन करके शिकमी देता है तो ऐसी किसी अन्य कार्यवाही पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जो उसके विरुद्ध की जा सकती हो, उससे उतनी बर्धित अनुज्ञप्ति फीस ली जा सकती है जो मूल नियम 45-क के अधीन मानक अनुज्ञप्ति फीस के चार गुने से अधिक नहीं है । प्रत्येक मामले में इस बात का विनिश्चय कि कितनी अनुज्ञप्ति फीस वसूल की जाए और किस अवधि के लिए वसूल की जाए, सम्पदा निदेशक गुणागुण के आधार पर करेगा । इसके अतिरिक्त उस अधिकारी को भविष्य में ऐसी विनिर्दिष्ट अवधिपर्यन्त, जो सम्पदा निदेशक विनिश्चित करे, निवास-स्थान का सहभोग करने से विवर्जित किया जा सकता है ।

(3) जहां आबंटिती द्वारा परिसर के अप्राधिकृत रूप से शिकमी दिए जाने के कारण आबंटन रद्द करने की कार्रवाई की जाती है वहां आबंटिती तथा उसके साथ उसमें निवास करने वाले किसी अन्य व्यक्ति को परिसर खाली करने के लिए साठ दिन का समय दिया जाएगा । परिसर खाली किए जाने की तारीख या आबंटन रद्द करने के आदेश की तारीख से, जो भी पूर्वतर है साठ दिन की अवधि समाप्त होने पर, आबंटन रद्द हो जाएगा ।

(4) यदि निवास-स्थान का आबंटन ऐसे आचरण के कारण रद्द किया जाता है जो पड़ोसियों से शान्तिपूर्ण सम्बन्ध बनाए रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला है तो उस अधिकारी को संपदा निदेशक के विवेकानुसार उसी वर्ग का अन्य निवास-स्थान किसी अन्य स्थान में आबंटित किया जा सकता है ।

(5) संपदा निदेशक इस नियम के उपनियम (1) से (4) तक के अधीन सभी कार्रवाइयां या कोई कार्रवाई करने के लिए तथा ऐसे अधिकारी को, जो नियमों को तथा उसे जारी किए गए अनुदेशों को भंग करता है, तीन वर्ष से अनधिक की अवधि के लिए वास-सुविधा के आबंटन के लिए अपात्र घोषित करने के लिए भी सक्षम होगा ।

(6) यदि इस नियम के अधीन कोई शास्ति उप संपदा निदेशक की पंक्ति के किसी अधिकारी द्वारा अधिरोपित की जाती है, तो व्यथित व्यक्ति अपने या अपने नियोजक द्वारा शास्ति अधिरोपित करने वाले आदेशों की प्राप्ति के इक्कीस दिन के भीतर संपदा निदेशक या संपदा अतिरिक्त निदेशक को अभ्यावेदन कर सकेगा ।

(7) शास्ति अधिरोपित करने वाला मूल आदेश तब तक वैध रहेगा जब तक वह अभ्यावेदन के परिणामस्वरूप उपान्तरित या विखंडित नहीं कर दिया जाता ।

आबंटन के रद्द किए जाने के पश्चात् निवास-स्थान में बने रहना—अनु० नि० 317-कद-22 :

यदि कोई आबंटन इन नियमों के किसी उपबन्ध के अधीन रद्द कर दिया जाता है या रद्द कर दिया गया समझा जाता है और तत्पश्चात् वह निवास-स्थान उस अधिकारी के, जिसे वह आबंटित किया गया है या उसके माध्यम से दावा करने वाले व्यक्ति के अधिभोग में

बना रहता है या बना रहा है वहां ऐसा अधिकारी उस निवास-स्थान, सेवाओं, फर्नीचर के उपयोग और उपभोग के लिए उतनी नुकसानी और उधान प्रभार का देनदार होगा जो सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित बाजार अनुज्ञप्ति फीस के या उसके द्वारा दी जा रही अनुज्ञप्ति फीस के दोगुने के, इनमें से जो भी अधिक है, बराबर है :

परन्तु किसी अधिकारी को, विशेष दशाओं में, मू० नि० 45-क के आधार मानक अनुज्ञप्ति फीस के दो गुना या मू० नि० 45-क के अधीन पूरा की गई मानक अनुज्ञप्ति फीस से दो गुना, इनमें से जो भी अधिक है, देने पर, अनु० नि० 317-26-कद-11(2) के अधीन अनुज्ञात अवधि से परे छह मास से अनधिक की अवधि तक, निवास-स्थान रखे रखने की संपदा निदेशक द्वारा अनुज्ञा दी जा सकेगी ।

इन नियमों के जारी किए जाने के पहले किए गए आबंटनों का बना रहना—अनु० नि० 317-कद-23 .

निवास-स्थान के किसी ऐसे विधिमान्य आबंटन के बारे में जो इन नियमों के प्रारम्भ के ठीक पूर्व तत्समय प्रवृत्त नियमों के अधीन अस्तित्व में है, यह समझा जाएगा कि वह इन नियमों के अधीन सम्यक् रूप से किया गया आबंटन है और उस आबंटन और उस अधिकारी के सम्बन्ध में इन नियमों के सभी पूर्वगामी उपबन्ध, तदनुसार लागू होंगे । नियमों का निर्वचन—अनु० नि० 317-कद-24 :

यदि इस प्रभाग के नियमों के निर्वचन को बाबत कोई प्रश्न उठता है तो उसका विनिश्चय केन्द्रीय सरकार करेगी ।

नियमों का शिथिलीकरण—अनु० नि० 317-कद-25:

सरकार ऐसे कारणों से जो लेखबद्ध किए जाएंगे इस प्रभाग के नियमों के सभी उपबन्धों को या उनमें से किसी को किसी अधिकारी या निवास-स्थान के मामले में या अधिकारियों के किसी वर्ग या निवास-स्थानों के किसी टाइप के बारे में शिथिल कर सकेगी ।

शक्तियों या कृत्यों का प्रत्यायोजन—अनु० नि० 317-कद-26 :

(1) सरकार इस प्रभाग के नियमों द्वारा उसे प्रदत्त कोई शक्ति या सभी शक्तियां अपने नियंत्रणाधीन किसी अधिकारी को ऐसी शर्तों के अधीन, प्रत्यायोजित कर सकेगी, जो अधिरोपित करना वह ठीक समझे।

(2) सम्पदा निदेशक, लिखित रूप में साधारण या विशेष आदेश द्वारा यह निदेश दे सकेगा कि ऐसी शर्तों के, यदि कोई है, अधीन रहते हुए, जो आदेश में विनिर्दिष्ट की जाए, इन नियमों के अधीन उसके द्वारा प्रयोक्तव्य किसी शक्ति का प्रयोग सम्पदा प्रबन्धक या सहायक सम्पदा प्रबन्धक भी कर सकेगा।

[फा० सं० 12033(12)-77-नीति-2]

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

(Directorate of Estates)

New Delhi, the 16th November, 1979

S.O. 3848.—In exercise of the powers conferred by rule 45 of the Fundamental Rules, the President hereby makes the following rules further to amend the Supplementary Rules, issued with the Government of India, Finance Department's letter No. 104-CSR, dated the 4th February, 1922, namely:—

2. In part VIII of the said rules, the following rules shall be inserted as Division XXVI-AR.

DIVISION XXVI—AR

Short title and commencement.—S.R. 317-AR-1 :

(1) The rule in the Division may be called the Allotment of Government Residence (General Pool in Ghaziabad) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

827 GI/79—9

Definitions—S.R. 317-AR-2 :

In these rules, unless the context otherwise requires :—

(a) 'allotment' means the grant of a licence to occupy a residence in accordance with the provisions of these rules ;

(b) 'allotment year' means the year beginning on 1st January or such other period as may be notified by the President ;

(c) 'Director of Estates' means the Director of Estates to the Government of India and includes an Additional, Deputy and Assistant Director of Estates ;

(d) 'eligible office' means a Central Government Office, the staff of which has been declared by the Central Government as eligible for accommodation under these rules ;

(e) 'emoluments' means the emoluments as defined in Fundamental Rule 45-C but excluding the compensatory allowance ;

Explanation.—In the case of an officer who is under suspension the emoluments drawn by him on the first day of the allotment year in which he is placed under suspension, or, if he is placed under suspension on the first day of the allotment year, the emoluments drawn by him immediately before that date shall be taken as emoluments.

(f) 'family' means the wife or husband, as the case may be, and children, step-children, legally adopted children, parents brothers or sisters as ordinarily reside with and are dependant on the officer ;

(g) 'Ghaziabad' means such areas within the municipal limits of Ghaziabad as the Government may declare as conferring eligibility for the allotment of general pool accommodation ;

(h) 'Government' means Central Government unless the context otherwise requires ;

(i) 'priority date' of an officer in relation to a type of residence to which he is eligible under the provisions of S.R. 317-AR-5, means the earliest date from which he has been continously drawing employments relevant to a particular type or a higher type in a post under the Central Government or State Government or on foreign service, except for periods of leave :

Provided that in respect of a type B, Type C or D residence, the date from which the officer has been continously in service under the Central Government or State Government including the periods of foreign service shall be his priority date for that type :

Provided further that where the priority date of two or more officers is the same, seniority among them shall be determined by the amount of emoluments, the officer in receipt of higher emoluments taking precedence over the officer in receipt of lower emoluments; and where the emoluments are equal, by the length of service ;

(j) 'licence fee' means the sum of money payable monthly in accordance with the provisions of the Fundamental Rules in respect of a residence allotted under these rules;

(k) 'residence' means any residence for the time being under the administrative control of the Director of Estates ;

(l) 'subletting' includes sharing of accommodation by an allottee with another person with or without payment of licence fee by such other person ;

Explanation.—Any sharing of accommodation by an allottee with close relations shall not be deemed to be subletting.

(m) 'temporary transfer' means a transfer which involves an absence for a period not exceeding four months ;

(m) 'transfer' means a transfer from Ghaziabad to any other place or from an eligible office to an ineligible office in Ghaziabad and includes a transfer or reversion to service under a State Government or Union Territory Administration and also deputation to a post in an ineligible office or organisation ;

(o) 'type' in relation to an officer means the type of residence to which he is eligible under S.R. 317-XXVI-AR-5 ;

ELIGIBILITY OF OFFICERS OWNING HOUSES FOR ALLOTMENT UNDER THESE RULES (S.R. 317-AR-3)

(1) In this rule :—

(a) "adjoining municipality" means any municipality contiguous to a local municipality ;

(b) "house" in relation to an officer or member of his family means a building or part thereof used for residential purposes and situated within the jurisdiction of a local municipality or of any adjoining municipality.

Explanation.—A building, part of which is used for residential purposes, shall be deemed to be a house for the purposes of this clause notwithstanding that any part of it is used for non-residential purposes ;

(c) "local municipality" in relation to an officer means the municipality within whose jurisdiction his office is located ;

(d) "member of family" in relation to an officer means the wife or husband, as the case may be, or a dependent child of the officer ;

(e) "municipality" includes a municipal corporation, a municipal committee or board, a town area committee, a notified area committee, and a cantonment board.

(2) No officer shall be eligible for allotment of Government residence under these rules if he or any other member of his family owns a house.

(3) If an officer in occupation of Government residence owns a house, or any other member of his family owns a house, he shall surrender the Government residence in his occupation.

(4) Where an officer to whom sub-rule (3) is applicable does not surrender the Government residence as required under that sub-rule, he shall be liable to pay damages for use and occupation of the residence, service, furniture and garden charges, equal to the market licence fee as may be determined by Government from time to time.

(5) Notwithstanding anything in sub-rule (3) or sub-rule (4) where the house, owned by the officer to whom sub-rule (3) applies or by any other member of his family, is not comparable to the residence to which such officer is otherwise entitled under these rules, then, such officer may be allowed to retain the Government residence in his occupation on payment of licence fee under FR. 45-A, if such officer offers the house so owned by him or by any other member of his family, on lease, to the Director of Estates at such rent, for such period and on such other conditions relating to the lease as may be determined by the Director and undertakes to give vacant possession thereof to the Director within one week of the communication of the acceptance of the offer :

Provided that the Director may, if he considers it necessary so to do, having regard to the rent payable for the house, the locality in which it is situated, the availability of other houses for occupation by Government servants and other relevant circumstances and factors, refuse the offer made as aforesaid :

Provided further that :—

where the officer concerned has made the offer aforesaid has been paying damages as provided in sub-rule (4) as from that date, he shall continue to pay such damages until his offer is accepted or, if his offer is refused, so long as he occupies the Government residence ;

(6) Where after a Government residence has been allotted to an officer, he or any other member of his family constructs a house or otherwise becomes the owner of a house, such officer—

(a) shall notify the fact to the Director of Estates within a period of four weeks from the date on which he or such member becomes the owner of the house ;

(b) shall be ineligible for retention of Government residence and surrender the Government residence in his occupation within six weeks from the said date.

Explanation.—For the purposes of clause (a) and (b), a person shall be deemed to become the owner of a house, in the case of a newly constructed house, as from the date the local body concerned gives a certificate of completion or the date of actual occupation of the house, whichever is earlier.

(7) The provisions of Sub-rules (4) and (5) shall apply to any officer referred to in sub-rule (6) as they apply in relation to an officer referred to in sub-rule (3).

(8) Notwithstanding anything contained in this rule, Government may allot a residence to an officer, or if he is in occupation of such residence allow its retention, on payment of licence fee under F.R. 45-A or on rent free basis, as the case may be, in specific cases of hardship or in the public interest.

ALLOTMENT TO HUSBAND AND WIFE, ELIGIBILITY IN CASES OF OFFICERS WHO ARE MARRIED TO EACH OTHER, SR-317-AR-4 :—

(1) No officer shall be allotted a residence under these rules if the wife or the husband, as the case may be, of the officer has already been allotted a residence, unless such residence is surrendered.

Provided that this sub-rule shall not apply where the husband and wife are residing separately in pursuance of an order of judicial separation made by any court.

(2) Where two officers in occupation of separate residence allotted under these rules marry each other, they shall, within one month of the marriage, surrender one of the residences.

(3) If a residence is not surrendered, as required by sub-rule (2), the allotment of the residence of the lower type shall be deemed to have been cancelled on the expiry of such period and if the residences are of the same type, the allotment of such one of them, as the Director of Estates may decide, shall be deemed to have been cancelled on the expiry of such period.

(4) Where both wife and husband are employed under the Central Government, the title of each of them to allotment of a residence under these rules shall be considered independently.

(5) Notwithstanding anything contained in sub-rules (1) to (4) :—

(a) If a wife or husband, as the case may be, who is an allotee of a residence under these rules is subsequently allotted a residential accommodation at the same station from a pool to which these rules do not apply, she or he, as the case may be, shall surrender any one of the residences within one month of such allotment :

Provided that this clause shall not apply where the husband and wife are residing separately in pursuance of an order of judicial separation made by any court.

(b) Where two officers, in occupation of separate residences at the same station, one allotted under these rules and another from a pool to which these rules do not apply, marry each other, any one of them shall surrender any one of the residences within one month of such marriage;

(c) If a residence is not surrendered as required under clause (a) or clause (b) the allotment of the residence in the general pool shall be deemed to have been cancelled on the expiry of such period.

CLASSIFICATON OF RESIDENCES—S.R. 317-AR-5 :—

Save as otherwise provided by these rules an Officer will be eligible for allotment of a residence of the type shown in the table below.

Type of residence	Category of Officer or his monthly emoluments as on such date as may be specified by the Central Government for the purpose of the allotment year concerned.
A	Less than Rs. 260/-
B	Less than Rs. 500/- but not less than Rs. 260/-
C	Less than Rs. 1000/- but not less than Rs. 500/-
D	Less than Rs. 1500/- but not less than Rs. 1000/-
E	Rs. 1500/- and above.

APPLICATIONS FOR ALLOTMENT—S.R. 317-AR-6 :—

(1) Every Government Officer in occupation of Government accommodation shall submit his application in such form and manner and by such date, as may be specified by the Director of Estates in this behalf.

(2) In the case of officers not in occupation of Government accommodation, the Director of Estates shall invite applications in such form and manner and before such date as may be specified by him.

(3) An officer joining duty in Ghaziabad on first appointment or on transfer may submit his application to the Director of Estates within a month of his joining duty.

(4) Application received under sub-rule (3) on or before the 20th day of a calendar month shall alone be considered for allotment in the succeeding month.

ALLOTMENT OF RESIDENCES AND OFFERS—S.R. 317-AR-7 :—

(1) Save as otherwise provided in these rules, a residence on falling vacant, will be allotted by the Director of Estates preferrably to an applicant desiring a change of accommodation in that type under the provisions of S.R. 317-AR-5 and if not required for that purpose to an applicant without accommodation in that type having the earliest priority date for that type of residence subject to the following conditions :—

(i) The Director of Estates shall not allot a residence of a type higher than that to what the applicant is eligible under S.R. 31-AR-5.

(ii) The Director of Estates shall not compel any applicant to accept a residence of a lower type than that to what he is eligible under S.R. 317-AR-5.

(iii) The Director of Estates, on request from an applicant for allotment of a lower category residence, might allot to him a residence next below the type for which the applicant is eligible under S.R. 317-AR-5 on the basis of his priority date for the same.

(2) The Director of Estates may cancel the existing allotment of an officer and allot to him an alternative residence of the same type or in emergent circumstances an alternative residence of the type next below the type of residence in occupation of the officer if the residence in occupation of the officer is required to be vacated.

(3) A vacant residence may, in addition to allotment to an officer under sub-rule (1) above, be offered simultaneously to other eligible officers in order of their priority dates.

MAINTENANCE OF SEPARATE POOLS FOR CERTAIN CATEGORIES OF OFFICERS—S. R. 317-AR-8.

(1) Notwithstanding anything contained in these rules, a Lady Officers, Pool may, if considered necessary by the Director of Estates be maintained separately for married lady officers and for single lady officers.

Explanation : In this sub-rule—

(a) "married lady officers" means a lady officer whose marriage is subsisting and who is not judicially separated from her husband ;

(b) "single lady officer" means a lady officer who is not a married lady officer.

(2) The number and types of residences to be placed in these pools shall be determined by the Government from time to time.

(3) The officers shall be entitled to allotment of accommodation in the said pools in the type next below the type to which they are entitled under the provisions of S.R. 317-AR-5.

(4) The *inter se* seniority of the officers eligible for the allotment of residences under this rule shall be determined on the basis of the priority date on which each such officer became eligible for the type of residence in that pool.

OUT OF TURN ALLOTMENTS—S.R. 317-XXVI-AR-9.

No out-of-turn allotment shall be made.

NON-ACCEPTANCE OF ALLOTMENT OR OFFER OR FAILURE TO OCCUPY THE ALLOTTED RESIDENCE AFTER ACCEPTANCE—S. R. 317-AR-10.

(1) If any officer fails to accept the allotment of a residence within five days or fails to take possession of that residence after acceptance within eight days of the receipt of the letter of allotment he shall not be eligible for another allotment for a period of one year from the date of the allotment letter.

(2) If an officer occupying a lower type residence is allotted or offered a residence of the type for which he is eligible under S.R. 317-AR-5 or for which he has applied under S.R. 317-AR-7 (1) (iii), he may, on refusal of the said allotment or offer of allotment, be permitted to continue in the previously allotted residence on the following conditions namely :—

(a) that such an officer shall not be eligible for another allotment for the remaining period of the allotment year in which he has declined the allotment or offer ;

(b) while retaining the existing residence he shall be charged the same licence fee which he would have had to pay under F.R. 45-A in respect of the residence so allotted or offered or the licence fee payable in respect of the residence already in his occupation, whichever is higher.

PERIOD FOR WHICH ALLOTMENT SUBSISTS AND THE CONCESSTIONAL PERIOD FOR FURTHER RETENTION S.R. 317-AR-11 :

(1) An allotment shall be effective from the date on which it is accepted by the officer and shall continue in force until ;

(a) the expiry of the concessional period permissible under sub-clause (2) after the officer ceases to be on duty in an eligible office in Ghaziabad.

(b) It is cancelled by the Director of Estates or is deemed to have been cancelled under any provision in these rules ;

(c) It is surrendered by the officer ; or

(d) the officer ceases to occupy the residence.

(2) A residence allotted to an officer may, subject to sub-rule (3) be retained on the happening of any of the event specified in column 1 of the Table below for the period specified in the corresponding entry in column 2 thereof, provided that the residence is required for the bona-fide use of the officer or his family :—

TABLE

	Events	Permissible period for retention of the residence
(i)	Resignation, dismissal or removal from service, termination of service or unauthorised absence without permission.	1 month.

1	2
(ii) Retirement or terminal leave.	2 months.
(iii) Death of the allottee.	4 months.
(iv) Transfer to a place outside Ghaziabad.	2 months.
(v) Transfer to an in-eligible office in Ghaziabad.	2 months.
(vi) On proceeding on foreign service in India.	2 months.
(vii) Temporary transfer in India or transfer to a place outside India.	4 months.
(viii) Leave (other than leave preparatory to retirement refused leave, terminal leave, medical leave, maternity leave or study-leave).	for the period of leave but not exceeding 4 months.
(viii) (a) Maternity leave.	for the period of maternity leave plus the leave granted in continuation subject to a maximum of five months.
(ix) Leave preparatoty to retirement or refused leave granted under F.R.86 or earned leave granted to Government servants who retired under F.R.56(j).	For the full period of leave on full average pay subject to a maximum 180 days in the case of leave preparatory to retirement and 4 months in other cases.
(x) Study leave in or outside India.	(a) in case the officer is in occupation of accommodation below his entitlement, for the entire period of study-leave.
	(b) In case the officer is in occupation of his entitled type accommodation, for the period of study leave but not exceeding 6 months provided that where the study leave extend beyond six months he may be allotted alternative accommodation one type below his entitlement, on the expiry of six months or from the date of commencement of the study leave, if he so desires.
(xi) Deputation outside India.	For the period of deputation but not exceeding 6 months.
(xii) Leave on medical grounds	Full period of Leave.
(xiii) On proceeding on training.	For full period of training.

Explanation-I.—Where an officer on transfer or foreign service in India is sanctioned leave and avails of it before joining duty in the new office, he may be permitted to retain the residence for the period mentioned against items (iv), (v), (vi) and (vii) or for the period of leave, whichever is more.

Explanation-II.—Where an order of transfer or foreign service in India is issued to an officer while he is already on leave, the period permissible under Explanation-I, shall count from the date of such order.

(3) Where a residence is retained under sub-rule (2) the allotment shall be deemed to be cancelled on the expiry of the admissible concessional periods unless immediately on the expiry thereof the officer resumes duty in an eligible office in Ghaziabad.

(3A) Where an officer is on medical leave without pay and allowance he may retain his residence by virtue of the concession under item (xii) of the Table below sub-rule (2), provided he remits the licence fee for such residence in cash every month and where he fails to remit such licence fee for more than two months, the allotment shall stand cancelled.

(4) An officer who has retained the residence by virtue of the concession under item (i) or item (ii) of the Table below sub-rule (2) shall, on re-employment in an eligible office, within the period specified in the said Table, be entitled to retain that residence and he shall also be eligible for any further allotment of residence under these rules:

Provided that if the emoluments of the officers on such re-employment do not entitle him to the type of residence occupied by him, he shall be allotted a lower type of residence.

(5) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2) or sub-rule (3) or sub-rule (4), when an officer is dismissed or removed from service or when his services have been terminated and the Head of the Department in respect of the office in which such officer was employed immediately before such dismissal, removal or termination is satisfied that it is necessary or expedient in the public interest so to do, he may require the Director of Estates to cancel the allotment of the residence made to such officers either forthwith or with effect from such date prior to the expiry of the period of one month referred to in item (i) of the Table below sub-rule (2) as he may specify and the Director of Estates shall act accordingly.

PROVISIONS RELATING TO LICENCE FEE—S.R.-317-AR-12 :

(1) Where an allotment of accommodation or alternative accommodation has been accepted, the liability for licence fee shall commence from the date of occupation or the eighth day from the date of receipt of the allotment, whichever is earlier.

An officer who, after acceptance fails to take possession of that accommodation within eight days from the date of receipt of the allotment letter, shall be charged licence fee from such date upto a period of twelve days, provided that nothing contained herein shall apply where the Central Public Works Department certifies that the accommodation is not fit for occupation and as a result thereof the officer does not occupy the accommodation within the period aforesaid.

(2) Where an officer, who is in occupation of a residence, is allotted another residence and he occupies the new residence, the allotment of the former residence shall be deemed to be cancelled from the date of occupation of the new residence. He may, however, retain the former residence without payment of licence fee for that day and the subsequent day for shifting.

"Provided that if the former residence is not vacated by the subsequent date as aforesaid, the officer will be liable to pay damages for use and occupation of the residence services, furniture and garden charges, equal to the market licence fee as may be determined by the Government from time to time, with effect from the date he takes possession of the latter residence."

PERSONAL LIABILITY OF THE OFFICER FOR PAYMENT OF LICENCE FEE TILL THE RESIDENCE IS VACATED AND FURNISHING OF SURETY BY TEMPORARY OFFICERS—S.R. 317-AR-13.

(1) The officer to whom a residence has been allotted shall be personally liable for the licence fee thereof and for any damage beyond fair wear and tear caused thereto or to the furniture, fixtures or fittings or services provided therein by Government during the period for which the residence has

been and remains allotted to him, or where the allotment has been cancelled under any of the provisions in these rules, until the residence along with the out-houses appurtenant thereto have been vacated and full vacant possession thereof has been restored to Government.

(2) Where the officer whom a residence has been allotted is neither a permanent nor a quasi-permanent Government servant, he shall execute a security bond in the form prescribed in this behalf by the Central Government with a surety who shall be a permanent Government servant serving under the Central Government for the payment of licence fee and other charges due from him in respect of such residence and services and any other residence provided in lieu.

(3) If the surety ceases to be in Government service or becomes insolvent or ceases to be available for any other reasons, the officer shall furnish a fresh bond executed by another surety within 30 days from the date of his acquiring knowledge of such event or fact; and if he fails to do so, the allotment of residence to him shall, unless otherwise decided by the Director of Estates, be deemed to have been cancelled w.e.f. the date of that event.

SURRENDER OF AN ALLOTMENT AND PERIOD OF NOTICE—S.R. 317-AR-14 :

(1) An officer may at any time surrender an allotment by giving intimation so as to reach the Director of Estates at least 10 days before the date of vacation of the residence. The allotment of the residence shall be deemed to be cancelled with effect from the 11th day after the day on which the letter is received by the Director of Estates or the date specified in the letter, whichever is later. If he fails to give due notice he shall be responsible for payment of licence fee for 10 days or the number of days by which the notice given by him falls short of 10 days, provided that the Director of Estates may accept a notice for a short period.

(2) An officer who surrenders the residence under sub-rule (i) shall not be considered again for allotment of Government accommodation at the same station for a period of one year from the date of such surrender.

CHANGE OF RESIDENCE—S.R.-317-AR-15 :

(1) An officer to whom a residence has been allotted under these rules may apply for a change for another residence of the same type or a residence of the type to which he is eligible under S.R. 317-AR-51 whichever is lower. Not more than one change shall be allowed in respect of one type of residence allotted to the officer.

(2) All applications for change made in the form prescribed by the Director of Estates and received upto the 19th day of a calender month shall be included in the Waiting List in the succeeding month. For purposes of this rule, the officers whose names are included in the Waiting List in an earlier month shall be senior en block to those whose names are included in the list in subsequent months. The inter se seniority of the officers included in the list in any particular month shall be determined in the order of their priority dates.

(3) Change shall be offered in order of seniority determined in accordance with sub-rule (2) and having regard to the officers' preferences as far as possible :

Provided that no change of residence shall be allowed during a period of six months immediately preceding the date of superannuation.

(4) If an officer fails to accept a change of residence offered to him within five days of the issue of such offer or allotment, he shall not be considered again for a change of residence of that type.

(5) An officer who, after accepting a change of residence fails to take the possession of the same, shall be charged licence fee for such residence in accordance with the provisions of sub-rule (1) of S.R. 317-AR-12 in addition to the normal licence fee under F.R. 45-A for the residence already in his possession, the allotment of which shall continue to subsist.

CHANGE OF RESIDENCE IN THE EVENT OF DEATH OF A MEMBER OF THE FAMILY—S.R. 317-AR-16 :

Notwithstanding anything contained in S.R. 317-AR-15 an officer may be allowed a change of residence on the death of any member of his family if he applies for a change within three months of such occurence, provided that the change will be given in the same type of residence and on the same floor as the residence already allotted to the officer.

MUTUAL EXCHANGE OF RESIDENCES—S.R. 317-AR-17:

Officers to whom residences of the same type have been allotted under these rules may apply for permission to mutually exchange their residences. Permission for mutual exchange may be granted if both the officers are reasonably expected to be on duty in Ghazidabad and to reside in their mutually exchanged residences for at least six months from the date of approval of such exchange.

TRANSFER TO NON-FAMILY STATIONS—S.R. 317-AR-18 :

If an officer is transferred to a station where he is not permitted or advised by Government to take his family with him and the residence allotted to him under these rules is required by the family for the bona fide educational needs of his children, he may be allowed, on request, to retain the residence on payment of licence fee under F.R. 45-A, till the end of current academic session of his children in Ghaziabad.

MAINTENANCE OF RESIDENCE—S.R. 317-AR-19 :

The officer to whom a residence has been allotted shall maintain the residence and premises in a clean condition to the satisfaction of the Central Public Works Department and the concerned Municipal Authority, as the case may be. Such officer shall not grow any tree, shrubs or plants contrary to the instructions issued by the Government or Central Public Works Department nor cut or lop off any existing tree or shrubs in any garden, courtyard or compound attached to the residence save with the prior permission in writing of the Central Public Works Department. Trees, plantations or vegetations grown in contravention of this rule may be caused to be removed by the Central Public Works Department at the risk and cost of the officer concerned.

SUBLETTING AND SHARING OF THE RESIDENCES—S.R. 317-AR-20 :

(1) No officer shall share the residence allotted to him or any of the out-houses, garages and stables appurtenant thereto except with the employees of the Central Government eligible for allotment of residences under these rules. The servants' quarters out-houses, garages and stables may be used only for the bona fide purposes including residence of the servants of the allottee or for such other purposes as may be permitted by the Director of Estates.

(2) No officer shall sublet the whole of his residence.

Provided that an officer proceeding on leave may accommodate, in the residence any other officer eligible to share Government accommodation, as a caretaker, for the period specified in S.R. 317-AR-11(2), but not exceeding six months.

(3) Any officer who shares or sublets his residence shall do so at his own risk and responsibility and shall remain personally responsible for any licence fee payable in respect of the residence and damaged caused to the residence or for its precincts or grounds or services provided therein by Government beyond fair wear and tear.

CONSEQUENCES OF BREACH OF RULES AND CONDITIONS—S.R. 317-AR-21 :

(1) If an officer to whom a residence has been allotted unauthorisedly sublets the residence or charges licence fee from the sharer at a rate which the Director of Estates considers excessive or erects any unauthorised structure in any part of the residence or uses the residence or any portion thereof for any purposes other than that for which it is meant or tampers with the electric or water connection or commits any other breach of the rules in this Division or of the terms

and conditions of the allotment or uses the residences or premises or permits or suffers the residence or premises to be used for any purpose which the Director of Estates considers to be improper reconducts himself in a manner which in the opinion of the Director of Estates is prejudicial to the maintenance of harmonious relations with his neighbours or has knowingly furnished incorrect information in any application or written statement with a view to securing the allotment, the Director of Estates, may, without prejudice to any other disciplinary action that may be taken against him, cancel the allotment of the residence.

Explanation.—In this sub-rule the expression 'officers' includes, unless the context otherwise requires, a member of his family and any person claiming through the officer.

(2) If an officer subjects a residence allotted to him or any portion thereof or any of the out-houses, garages or stables appurtenant thereto, in contravention of these rules he may without prejudice to any other action that may be taken against him be charged enhanced licence fee not exceeding four times the standard licence fee under F.R. 45-A. The quantum of licence fee to be recovered in each case will be decided by the Director of Estates on merits. In addition to the officer may be debarred from sharing the residence for a specified period in future as may be decided by the Director of Estates.

(3) Where action to cancel the allotment is taken on account of unauthorised subletting of the premises by the allottee, a period of sixty days shall be allowed to the allottee, and any other person residing with him therein to vacate the premises. The allotment shall be cancelled with effect from the date of vacation of the premises or expiry of the period of sixty days from the date of the orders for the cancellation of the allotment, whichever is earlier.

(4) Where the allotment of a residence is cancelled for conduct prejudicial to the maintenance of harmonious relations with neighbours, the officer at the discretion of the Director of Estates may be allotted another residence in the same clause at any other place.

(5) The Director of Estates shall be competent to take all or any of the actions under sub-rules (1) to (4) of this rules and also to declare the officer, who commits a breach of the rules and instructions issued to him, to be ineligible for allotment of residential accommodation for a period not exceeding three years.

(6) Where any penalty under this rule is imposed by any officer of the rank of Deputy Director of Estates, the aggrieved person, may be within twenty one days of the receipts of the orders by him or his employer imposing the penalty, file a representation to the Director of Estates or the Additional Director of Estates.

(7) The original order imposing the penalty shall stand unless it is modified or rescinded as a result of the representation.

Overstayal in residence after concellation of allotment-S.O. 317-AR-22

Where, after an allotment has been cancelled or is deemed to be cancelled under any provision contained in these rules, the residence remains or has remained in occupation of the officer to whom it has been allotted or of any person claiming through him, such officer shall be liable to pay damages for use and occupation of the residence, service, furniture and garden charges, equal to the market licence fee as may be determined by Government from time to time or twice the licence fee he was paying whichever is higher:

Provided that an officer, in special cases, may be allowed by the Director of Estates to retain a residence on payment of twice the standard licence fee under F.R. 45-A, or twice the pooled standard licence fee under F.R. 45-A, or twice the licence fee he was paying whichever is highest, for a period not exceeding six month beyond the period permitted under S.R. 317-KKVI-AR-11(2).

Continuance of allotment made prior to the issue of these rules-S.R. 317-AR-23

Any valid allotment of a residence which is subsisting immediately before the commencement of these rules shall be deemed to be an allotment duly under these rules and all the preceeding provisions of these rules shall apply in relation to that allotment and that officer accordingly.

Interpretation of rules—S.R. 317-AR-23

If any question arises as to the interpretation of the rules in this Division it shall be decided by the Central Government.

Relaxation of Rules—S.R. AR-25

The Government may for reasons to be recorded in writing relax all or any of the provisions of the rules in this Division in the case of any officer or residence or class of officers or type of residence.

Delegation of powers or functions—S.R. 317-AR-26

(1) The Government may delegate all or any of the powers conferred upon it by the rules in this Division to any officer under its control, subject to such conditions as it may deem fit to impose.

(2) The Director of Estates may, by general or special order in writing, direct that, subject to such conditions, if any, as may be specified in the order, any power exercisable by him under these rules, shall be exercisable also by the Estate Manager or the Assistant Estate Manager.

[F. No. 12033(12)/77-Pol. II]

का० आ० 3849.—राष्ट्रपति, मूल नियम के नियम 45 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त विभाग के पत्र सं० 104-सी एस आर, तारीख 4 फरवरी, 1922 द्वारा जारी किए गए अनुपूरक नियमों में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

उक्त नियमों के भाग 8 में, निम्नलिखित नियम प्रभाग 26 क ख के रूप में अंतःस्थापित किए जाएंगे ।

प्रभाग 26-क-ख

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—अनु० नि० 317-कख-1 :

(1) इस प्रभाग के नियमों का नाम सरकारी निवास स्थान आबंटन (इन्दौर में साधारण पूल) नियम, 1979 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

परिभाषाएं—अनु० नि० 317-कख-2

इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) "आबंटन" से इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार निवास-स्थान के अधिभोग के लिए अनुज्ञप्ति देना अभिप्रेत है ;

(ख) "आबंटन वर्ष" से प्रथम जनवरी को आरम्भ होने वाला वर्ष या ऐसी अन्य अवधि अभिप्रेत है जो राष्ट्रपति द्वारा अधिसूचित की जाए ;

(ग) "इन्दौर" से इन्दौर की नगर सीमाओं के भीतर के वे क्षेत्र अभिप्रेत हैं जिनके बारे में सरकार यह घोषणा करे कि उनमें साधारण पूल वास-सुविधा के आबंटन की पात्रता प्राप्त हो जाती है ;

(घ) "संपदा निदेशक" से भारत सरकार का संपदा निदेशक अभिप्रेत है और उसके अन्तर्गत, अपर, उप और सहायक संपदा निदेशक भी है ;

(क) "पात्र कार्यालय" से केन्द्रीय सरकार का वह कार्यालय अभिप्रेत है जिसके कर्मचारिवृन्द को केन्द्रीय सरकार द्वारा इन नियमों के अधीन वास-सुविधा के लिए पात्र घोषित किया गया है ;

(ख) "उपलब्धियों" से मूल नियम 45ग में यथा परिभाषित उपलब्धियां अभिप्रेत है, किन्तु इसमें प्रतिकारात्मक भत्ते सम्मिलित नहीं हैं।

स्पष्टीकरण—निलम्बित अधिकारी के मामले में "उपलब्धियां" से वे उपलब्धियां मानी जाएंगी जो उसने उस आबंटन वर्ष के प्रथम दिन प्राप्त की है जिसमें वह निलम्बित किया गया है अथवा, यदि वह आबंटन वर्ष के प्रथम दिन ही निलम्बित किया गया है तो जो उसने उस तारीख के ठीक पहले प्राप्त की हैं ;

(छ) "कुटुम्ब" से अभिप्रेत है, यथास्थिति, पत्नी अथवा पति और संतान, सौतेली संतान, वैध रूप से दत्तक ली गई संतान, माता-पिता, भाई अथवा बहनें, जो सामान्यतया अधिकारी के साथ निवास करती हैं और जो उस पर आश्रित हैं ;

(ज) "सरकार" से, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, केन्द्रीय सरकार अभिप्रेत है ;

(झ) अधिकारी अनु० नि० 317-कक्ष-5 के उपबन्धों के अधीन जिस प्रकार के निवास-स्थान का पात्र है उसके संबंध में अधिकारी की "पूर्विकता तारीख" से वह पूर्वतन तारीख अभिप्रेत है जब से वह, छुट्टी की अवधि के सिवाय, निरन्तर उतनी उपलब्धियां केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार अथवा अन्यत्र सेवा के अधीन पद पर प्राप्त करता रहा हो जो उसे किसी विशिष्ट टाइप अथवा किसी उच्चतर टाइप के आबंटन के लिए सुसंगत है :

परन्तु टाइप ख, टाइप ग अथवा टाइप घ के निवास स्थानों के संबंध में, वह तारीख जब से अधिकारी केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार की सेवा में, जिसमें अन्यत्र सेवा की अवधि भी है, निरन्तर रहा है, उसकी उस टाइप के लिए पूर्विकता तारीख होगी :

परन्तु यह और कि जहां दो या अधिक अधिकारियों की पूर्विकता तारीख एक ही हो वहां उनके बीच ज्येष्ठता उपलब्धियों की राशि से अवधारित की जाएगी । अधिक उपलब्धियां प्राप्त करने वाले अधिकारी को कम उपलब्धियां प्राप्त करने वाले अधिकारी से अग्रता दी जाएगी, और जहां उपलब्धियां समान हैं वहां ज्येष्ठता सेवाकाल की दीर्घता के अनुसार अवधारित की जाएगी ।

(ञ) "अनुज्ञप्ति फीस" इन नियमों के अधीन आबंटित निवास स्थान के संबंध में मूल नियमों के उपबन्धों के अनुसार मासिक रूप से देय धनराशि अभिप्रेत है ;

(ट) "निवास-स्थान" से ऐसा निवास-स्थान अभिप्रेत है, जो तत्समय सम्पदा निदेशक के प्रशासनिक नियंत्रण में है ;

(ठ) "शिकमी देने" के अन्तर्गत किसी आबंटिती द्वारा अन्य व्यक्ति के साथ, उस व्यक्ति द्वारा अनुज्ञप्ति फीस का संदाय करने पर अथवा उसके बिना, वाससुविधा का सहभोग करना है ।

स्पष्टीकरण—आबंटिती द्वारा अपने निकट संबंधियों के साथ-वास-सुविधा का सहभोग शिकमी देना नहीं समझा जाएगा ;

(ड) "अस्थायी स्थानान्तरण" से ऐसा स्थानान्तरण अभिप्रेत है जिसमें अनुपस्थिति की अवधि चार मास से अनधिक है ;

(ढ) "स्थानान्तरण" से इन्दौर से किसी अन्य स्थान को अथवा किसी पात्र कार्यालय से इन्दौर में किसी अपात्र कार्यालय को, स्थानान्तरण अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत किसी राज्य सरकार या संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन के अधीन सेवा को स्थानान्तरण अथवा प्रतिवर्तन और किसी अपात्र कार्यालय अथवा संगठन में किसी पद पर प्रतिनियुक्ति भी है ,

(ण) किसी अधिकारी के सम्बन्ध में "टाइप" से निवास स्थान का वह टाइप अभिप्रेत है जिसका वह अनु० नि० 317-कक्ष-5 के अधीन पात्र है ।

जिन अधिकारियों के अपने मकान होंगे वे इन नियमों के अधीन आबंटन के लिए अपात्र होंगे—अनु० नि० 317-कक्ष-3 :

(1) इस नियम में,—

(क) "लगी हुई नगरपालिका" से ऐसी नगरपालिका अभिप्रेत है जो किसी स्थानीय नगरपालिका से लगी हुई है ;

(ख) किसी अधिकारी या उसके कुटुम्ब के किसी सदस्य के संबंध में "मकान" से ऐसा भवन या उसका कोई भाग अभिप्रेत है जिसका प्रयोग निवास के प्रयोजन के लिए किया जा रहा है और जो स्थानीय नगरपालिका या किसी लगी हुई नगरपालिका की अधिकारिता के भीतर स्थित है ।

स्पष्टीकरण—किसी भवन का कोई भाग जिसका प्रयोग निवास के प्रयोजन के लिए किया जा रहा है, इस खण्ड के प्रयोजन के लिए इस बात के होते हुए भी मकान समझा जाएगा कि उसका कोई भाग अनिवासीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग में लाया जा रहा है ;

(ग) किसी अधिकारी के संबंध में "स्थानीय नगरपालिका" से वह नगरपालिका अभिप्रेत है जिसकी अधिकारिता के भीतर उस अधिकारी का कार्यालय स्थित है ;

(घ) किसी अधिकारी के संबंध में "कुटुम्ब के सदस्य" से यथा स्थिति, पति-पत्नी या अधिकारी की उस पर आश्रित सन्तान अभिप्रेत है ;

(ङ) "नगरपालिका" के अंतर्गत नगर निगम, नगरपालिका समिति या बोर्ड, टाउन एरिया समिति, नोटीफाइड एरिया समिति और छावनी बोर्ड हैं ।

(2) कोई अधिकारी इन नियमों के अधीन सरकारी मकान के आबंटन के लिए पात्र नहीं होगा यदि वह या उसके कुटुम्ब का कोई सदस्य किसी मकान का स्वामी है ।

(3) यदि कोई अधिकारी, जिसके अधिभोग में सरकारी निवास-स्थान है, या उसके कुटुम्ब का कोई अन्य सदस्य किसी मकान का स्वामी है तो वह अपने कब्जे में सरकारी मकान को अभ्यर्पित कर देगा ।

(4) जहां कोई अधिकारी जिसको उपनियम (3) लागू होता है, उपनियम के अधीन अपेक्षित रूप में सरकारी निवास-स्थान अभ्यर्पित नहीं करता है तो उसे निवास-स्थान के प्रयोग और अधिभोग, सेवाओं, फर्नीचर और उद्यान प्रभारों के लिए ऐसी बाजार दर पर अनुज्ञप्ति फीस के बराबर नुकसानी देना होगा जो सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाए ।

(5) उपनियम (3) या उपनियम (4) में किसी बात के होते हुए भी, जहां वह मकान, जिसका स्वामी ऐसा अधिकारी है जिसको उपनियम (3) लागू होता है या उसके कुटुम्ब का कोई अन्य सदस्य है, उस निवास से तुलनीय नहीं है जिसका वह अधिकारी है इन नियमों के अधीन अन्यथा हकदार है, वहां ऐसे अधिकारी को उसके अधिभोगाधीन सरकारी निवास स्थान को मू० नि० 45-क के अधीन अनुज्ञप्ति फीस देने पर रखे रहने की अनुज्ञा उस दशा में दी जा सकेगी जब कि ऐसा अधिकारी अपने या अपने कुटुम्ब के किसी सदस्य के स्वामित्वाधीन मकान, संपदा निदेशक को उतने किराए पर, उतनी अवधि के लिए और पट्टे से संबंधित उन अन्य शर्तों पर पट्टे पर देने की प्रस्थापना करे जो

निदेशक अवधारित करे और ऐसी प्रस्थापना की स्वीकृति की संसूचना के एक सप्ताह के भीतर उसका खाली कब्जा संपदा निदेशक को देने का वचन दे :

परन्तु निदेशक, यदि वह ऐसा करना आवश्यक समझे, मकान के लिए देय किराए, वह परिक्षेत्र जिसमें वह स्थित है, सरकारी सेवकों के लिए अन्य मकानों की उपलब्धि और अन्य सुसंगत परिस्थितियों और बातों को ध्यान में रखते हुए, उपर्युक्त प्रस्थापना को अस्वीकार कर सकता है

परन्तु यह और कि यदि सम्बन्धित अधिकारी ने उपरोक्त प्रस्थापना की है और उपनियम (4) में यथा उपबन्धित नुकसानी उसी तारीख से दे रहा है तो वह ऐसी नुकसानी तब तक देता रहेगा जब तक की उसकी प्रस्थापना स्वीकार नहीं कर ली जाती या, यदि उसकी प्रस्थापना अस्वीकार कर दी जाती है तो तब तक जब तक कि वह सरकारी निवास-स्थान का अधिभोग करता है ।

(6) यदि किसी अधिकारी को सरकारी निवास-स्थान का आबंटन हो चुकने के बाद वह स्वयं या उसके कुटुम्ब का अन्य सदस्य मकान बना लेता है अथवा अन्य किसी प्रकार मकान का स्वामी बन जाता है तो ऐसा अधिकारी,—

(क) वह या उसके कुटुम्ब का कोई सदस्य जिस तारीख को मकान का स्वामी बनता है उससे चार सप्ताह की अवधि के भीतर संपदा निदेशालय को यह तथ्य अधिसूचित करेगा ;

(ख) सरकारी मकान को रखे रहने का हकदार नहीं रहेगा और उक्त तारीख से छह सप्ताह के भीतर अपने अधिभोगाधीन सरकारी निवास अभ्यर्पित कर देगा ।

स्पष्टीकरण—खण्ड (क) और (ख) के प्रयोजनों के लिए, नव-निर्मित मकान के मामले में किसी व्यक्ति को उस तारीख से जिससे संबद्ध स्थानीय निकाय मकान के पूरा होने का प्रमाणपत्र देता है या उसके वास्तविक उपभोग की तारीख से, जो भी पूर्वतर हो, मकान का स्वामी हुआ समझा जाएगा ।

(7) उपनियम (7) में विनिर्दिष्ट किसी अधिकारी को उपनियम (4) और (5) के उपबंध उसी प्रकार लागू होंगे जैसे वे उपनियम (3) में निर्दिष्ट किसी अधिकारी के संबंध में लागू होते हैं ।

(8) इस नियम में किसी बात के होते हुए भी, सरकार, यथा-स्थिति, कठिनाई वाले विनिर्दिष्ट मामलों में या लोकहित में किसी अधिकारी को कोई निवास स्थान फीस मूल नियम 45-क के अधीन अनुज्ञप्ति फीस का संदाय किए जाने पर या बिना किराया लिए, आबंटित कर सकती है या यदि उसके अधिभोग में पहले से ही कोई निवास-स्थान है तो उसे रखे रहने की अनुज्ञा दे सकती है ।

पति और पत्नी को आबंटन, एक दूसरे से विवाहित अधिकारियों के मामलों में पात्रता—अनु० नि० 317-कघ-4 :

(1) किसी अधिकारी को, यथास्थिति, जिसकी पत्नी या जिसके पति को पहले ही निवास-स्थान आबंटित किया जा चुका है, इन नियमों के अधीन कोई निवास-स्थान तब तक आबंटित नहीं किया जाएगा जब तक कि वह ऐसे आबंटित निवास-स्थान अभ्यर्पित नहीं कर देता :

परन्तु यह उपनियम वहां लागू नहीं होगा जहां पति और पत्नी किसी न्यायालय द्वारा किए गए न्यायिक पृथक्करण के आदेश के अनुसरण में पृथक-पृथक निवास कर रहे हैं ।

(2) जहां दो अधिकारी, जो इन नियमों के अधीन पृथक रूप से आबंटित निवास-स्थानों के अधिभोगी हैं, एक दूसरे से विवाह कर लें वहां वे विवाह के एक मास के भीतर उन निवास स्थानों में से एक अभ्यर्पित कर देंगे ।

(3) यदि निवास-स्थान का अभ्यर्पण उपनियम (2) की अपेक्षानुसार नहीं किया जाता तो निम्नतर टाइप के निवास-स्थान का आबंटन ऐसी अवधि के अवसान पर रद्द हुआ समझा जाएगा और यदि निवास-स्थान एक ही टाइप के हैं तो संपदा निदेशक के विनिश्चयानुसार उनमें से एक का आबंटन ऐसी अवधि के अवसान पर रद्द हुआ समझा जाएगा ।

(4) जहां पति और पत्नी दोनों ही केन्द्रीय सरकार के अधीन नियोजन में हैं, वहां इन नियमों के अधीन निवास-स्थान के आबंटन की बाबत उन दोनों में से प्रत्येक के हक पर स्वतंत्र रूप से विचार किया जाएगा ।

(5) उपनियम (1) से (4) तक में किसी बात के होते हुए भी,—

(क) यदि, यथास्थिति, पत्नी या पति को, जो इन नियमों के अधीन निवास-स्थान का आबंटिती है, ऐसे पूल से, जिसे ये नियम लागू नहीं होते, एक ही स्टेशन पर बाद में निवास स्थान संबंधी कोई वास-सुविधा आबंटित कर दी जाती है तो, यथास्थिति, पत्नी या पति ऐसे आबंटन के एक मास के भीतर इन निवास स्थानों में से कोई एक अभ्यर्पित कर देगा :

परन्तु यह खंड वहां लागू नहीं होगा जहां पति और पत्नी किसी न्यायालय द्वारा किए गए न्यायिक पृथिकरण के आदेश के अनुसरण में पृथक-पृथक निवास कर रहे हैं ;

(ख) जहां दो अधिकारी, जो एक ही स्टेशन पर ऐसे पृथक निवास-स्थानों के अधिभोगी हैं जिनमें से एक निवास-स्थान इन नियमों के अधीन आबंटित किया गया है और दूसरा ऐसे पूल से, जिसे ये नियम लागू नहीं होते, एक दूसरे से विवाह कर लें, वहां उनमें से कोई भी एक अधिकारी ऐसे विवाह के एक मास के भीतर उन निवास-स्थानों में से किसी एक को अभ्यर्पित कर देगा ;

(ग) यदि निवास-स्थान का अभ्यर्पण खंड (क) या खंड (ख) की अपेक्षानुसार नहीं किया जाता तो साधारण पूल में के निवास-स्थान का आबंटन ऐसी अवधि के अवसान पर रद्द हुआ समझा जाएगा ।

निवास स्थानों का वर्गीकरण—अनु० नि० 317-कघ-5 :

इन नियमों द्वारा अन्यथा उपबन्धित के सिवाय, अधिकारी नीचे दी गई सारणी में दर्शित टाइप के निवास स्थान के आबंटन का पात्र होगा—

निवास-स्थान का टाइप	ऐसी तारीख को अधिकारी का प्रवर्ग या उसकी मासिक उपलब्धियां जो संबद्ध आबंटन वर्ष के प्रयोजनार्थ केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए ।
क.	260 रुपये से न्यून
ख.	500 रुपये से कम किन्तु 260 रुपये से कम नहीं
ग.	1000 रुपए से कम किन्तु 500 रुपए से कम नहीं
घ.	1500 रुपए से कम किन्तु 1000 रुपए से कम नहीं
ङ.	1500 रुपए और उससे अधिक

आबंटन के लिए आवेदन—अनु० नि० 317-कघ-6 :

(1) प्रत्येक सरकारी अधिकारी, जो सरकारी वास-सुविधा का अधिभोगी है अपना आवेदन ऐसे प्ररूप में और ऐसी रीति से तथा ऐसी तारीख तक भेजेगा जो सम्पदा निदेशक द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट की जाए ।

(2) उन अधिकारियों में, जो सरकारी वास-सुविधा के अधिभोगी नहीं हैं, सम्पदा निदेशक ऐसे प्ररूप में और ऐसी रीति से तथा ऐसी तारीख से पूर्व, जो उसके द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, आवेदन आमन्त्रित करेगा ।

(3) वह अधिकारी, जो प्रथम नियुक्ति पर या स्थानान्तरण पर इन्दौर में पदभार ग्रहण करता है, अपना आवेदन अपने पदभार ग्रहण करने के एक मास के भीतर संपदा निदेशक को भेज सकता है ।

(4) किसी भी कलैण्डर मास में आबंटन के लिए केवल उन्हीं आवेदनों पर विचार किया जाएगा जो पूर्ववर्ती मास की बीस तारीख को या उसके पूर्व प्राप्त हो जाए ।

निवास-स्थानों का आबंटन और प्रस्थापनाएं—अनु० नि० 317-कध-7 :

(1) इन नियमों में अन्यथा उपबन्धित के सिवाय, किसी निवास-स्थान के खाली होने पर वह संपदा निदेशक द्वारा अधिमानतः उस आवेदक को आबंटित किया जाएगा जो अनु० नि० 317-कध-15 के उपबन्धों के अधीन उस टाइप की वास-सुविधा का परिवर्तन चाहता है और यदि उस प्रयोजन के लिए अपेक्षित नहीं है तो, उस आवेदक को आबंटित किया जाएगा जिसके पास उस टाइप की वास-सुविधा नहीं है और जिसकी उस टाइप के निवास-स्थान के लिए पूर्विकता तारीख सब से पहले है । यह आबंटन निम्नलिखित शर्तों पर होगा, अर्थात् :—

(i) संपदा निदेशक उस टाइप से उच्चतर टाइप का निवास-स्थान आबंटित नहीं करेगा जिसका आवेदक अनु० नि० 317—कध—5 के अधीन पात्र है ;

(ii) संपदा निदेशक किसी आवेदक को इस बात के लिए विवश नहीं करेगा कि वह जिस टाइप के निवास स्थान का अनु० नि० 317—कध—5 के अधीन पात्र है उससे निम्नतर टाइप का निवास-स्थान स्वीकार करें ;

(iii) संपदा निदेशक, किसी निम्नतर कोटि के निवास-स्थान के आबंटन के लिए किसी आवेदक की प्रार्थना पर उसे ऐसे टाइप से ठीक निम्नतर निवास-स्थान आबंटित कर सकता है जिसके लिए आवेदक अनु० नि० 317—कध—5 के अधीन, उसके लिए अपनी पूर्विकता तारीख के आधार पर, पात्र हैं ।

(2) यदि किसी अधिकारी के अधिभोग वाले निवास-स्थान को खाली कराना अपेक्षित है तो संपदा निदेशक उस अधिकारी का वर्तमान आबंटन रद्द कर सकता है और उसे उसी टाइप का अनुकल्पी निवास-स्थान आबंटित कर सकता है, अथवा अत्यावश्यकता की स्थिति में, उस अधिकारी के अधिभोग वाले निवास-स्थान के टाइप से ठीक निम्नतर टाइप का अनुकल्पी निवास-स्थान आबंटित कर सकता है ।

(3) खाली निवास-स्थान को, उपर्युक्त उपनियम (1) के अधीन किसी अधिकारी को आबंटित किए जाने के अतिरिक्त, अन्य पात्र अधिकारियों को, उनकी पूर्विकता तारीखों के क्रम से, आबंटन के लिए प्रस्थापित किया जा सकता है ।

कतिपय प्रवर्गों के अधिकारियों के पृथक पूल बनाए रखना—अनु० नि० 317—कध—8 :

(1) इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, महिला अधिकारियों का पूल, यदि सम्पदा निदेशक आवश्यक समझे, विवाहित महिला अधिकारियों और अविवाहित महिला अधिकारियों के लिए पृथकतः बनाए रखे जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण : इस उपनियम में,

(क) "विवाहित महिला अधिकारी" से ऐसी महिला अधिकारी अभिप्रेत है, जिसका विवाह अस्तित्व में है और जिसे अपने पति से न्यायिक रूप से पृथक नहीं किया गया है ;

(ख) "अविवाहित महिला अधिकारी" से ऐसी महिला अधिकारी अभिप्रेत है, जो विवाहित महिला अधिकारी नहीं है ।

(2) इन पूलों में रखे जाने वाले निवास-स्थानों की संख्या और टाइप सरकार समय-समय पर अवधारित करेगी ।

(3) अधिकारी, उक्त पूलों में उस टाइप से ठीक निम्नतर टाइप की वास-सुविधा के आबंटन के हकदार होंगे जिसके वे अनु० नि० 317 कध—5 के उपबन्धों के अधीन हकदार है ।

(4) इस नियम के अधीन निवास-स्थानों के आबंटन के लिए पात्र अधिकारियों की परस्पर ज्येष्ठता, उस पूर्विकता तारीख के आधार पर अवधारित की जाएगी, जिस तारीख को ऐसा प्रत्येक अधिकारी उस पूल में निवास-स्थान के उस टाइप की पात्र हुई थी ।

पारी-बाह्य आबंटन—अनु० नि० 317—कध—9 :

कोई पारी बाह्य आबंटन नहीं किया जाएगा ।

आबंटन या प्रस्थापना का स्वीकार न किया जाना अथवा आबंटित निवास-स्थान को स्वीकार करने के पश्चात् अधिभोग में न लेना—अनु० नि० 317—कध—10 :

(1) यदि कोई अधिकारी किसी निवास-स्थान का आबंटन, आबंटन पत्र की प्राप्ति की तारीख से पांच दिन के भीतर स्वीकार नहीं करता है अथवा स्वीकार करने के बाद ऐसी तारीख से आठ दिन के भीतर उस निवास-स्थान का कब्जा नहीं लेता है तो वह उस आबंटन पत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधिपर्यन्त दूसरे आबंटन का पात्र नहीं होगा ।

(2) यदि किसी अधिकारी को, जिसके अधिभोग में किसी निम्नतर टाइप का निवास-स्थान है, ऐसे टाइप का निवास-स्थान आबंटित या प्रस्थापित किया जाता है जिसके लिए वह अनु० नि० 317—कध—5 के अधीन पात्र है या जिसके लिए उसने अनु० नि० 317—कध—7(1)(iii) के अधीन आवेदन किया है तो उसे उसके द्वारा उक्त आबंटन या आबंटन की प्रस्थापना अस्वीकार कर दिए जाने पर, पूर्वतन आबंटित निवास-स्थान में रहने के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुज्ञात किया जा सकता है, अर्थात्:—

(क) ऐसा अधिकारी उस आबंटन वर्ष की शेष अवधि तक, जिस वर्ष में उसने आबंटन या प्रस्थापना से इंकार किया है, दूसरे आबंटन के लिए पात्र नहीं होगा ;

(ख) विद्यमान निवास-स्थान रखे रहने के दौरान उस पर वही अनुज्ञप्ति फीस जो उसे मू०नि० 45—क के अधीन इस प्रकार आबंटित या प्रस्थापित निवास-स्थान के लिए संदत्त करनी पड़ती अथवा वह अनुज्ञप्ति फीस, जो उस निवास स्थान के लिए देय है जो पहले ही उसके अधिभोग में है, इन दोनों में से जो भी अधिक है, प्रभारित की जाएगी ।

आबंटन प्रभावी रहने की अवधि और सत्पश्चात् कब्जा बनाए रखने की रियायती अवधि—अनु० नि० 317—कध—11 :

(1) आबंटन उस तारीख से प्रभावी होगा जिसको वह अधिकारी द्वारा स्वीकार किया जाता है और तब तक प्रभावी रहेगा जब तक कि—

(क) अधिकारी के इन्दौर में किसी पात्र कार्यालय से कर्तव्यारूढ़ न रह जाने के पश्चात्, वह रियायती अवधि समाप्त नहीं हो जाती जो उपखंड (2) के अधीन अनुज्ञेय है ,

(ख) आबंटन, संपदा निदेशक द्वारा रद्द नहीं कर दिया जाता या इन नियमों के किसी उपबन्ध के अधीन रद्द किया गया नहीं समझा जाता ,

(ग) वह अधिकारी द्वारा अभ्यर्पित नहीं कर दिया जाता ,

(घ) अधिकारी निवास-स्थान का अधिभोग समाप्त नहीं कर देता।

(2) अधिकारी उसे आबंटित निवास-स्थान को, उपनियम (3) के अधीन रहते हुए निम्न सारणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट घटनाओं में से किसी के होने पर उस अवधि पर्यन्त, अपने पास रख सकता है जो उस सारणी के स्तम्भ (2) में तत्संबन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है : परन्तु यह तब जब कि वह निवास-स्थान उस अधिकारी या उसके कुटुम्ब के सदस्यों के वास्तविक उपयोग के लिए अपेक्षित है।

सारणी

घटनाएं	निवास-स्थान अपने पास रखे रखने के लिए अनुज्ञेय अवधि
1	2
(i) पदत्याग, पदच्युति या सेवा से हटाया जाना, सेवा का पर्यवसान अथवा बिना अनुज्ञा के अप्राधिकृत अनुपस्थिति ।	एक मास
(ii) सेवा-निवृत्ति या सेवान्त छुट्टी	दो मास
(iii) आबंटिती की मृत्यु	चार मास
(iv) इंदौर से बाहर किसी स्थान को स्थानान्तरण	दो मास
(v) इंदौर में किसी अपात्र कार्यालय को स्थानान्तरण	दो मास
(vi) भारत में अन्यत्र सेवा पर जाना	दो मास
(vii) भारत में अस्थायी स्थानान्तरण अथवा भारत से बाहर किसी स्थान के लिए स्थानान्तरण	चार मास
(viii) छुट्टी (जो निवृत्ति-पूर्व छुट्टी, अभ्यर्पित छुट्टी, सेवान्त छुट्टी, चिकित्सा छुट्टी या अध्ययनार्थ छुट्टी से भिन्न है)	छुट्टी की अवधि पर्यन्त किन्तु चार मास से अधिक नहीं ।
(viii) (क) प्रसूति छुट्टी	प्रसूति छुट्टी और उसके क्रम में दी गई छुट्टी की अवधि पर्यन्त किन्तु इसकी अधिकतम सीमा 5 मास से अधिक नहीं होगी ।
(ix) निवृत्ति-पूर्व छुट्टी या मू० नि० 86 के अधीन दी गई अस्वीकृत छुट्टी अथवा ऐसे सरकारी सेवकों को दी गई अर्जित छुट्टी जो मू० नि० 56(अ) के अधीन निवृत्त होते हैं ।	पूरे औसत वेतन पर छुट्टी की पूर्ण अवधि पर्यन्त, किन्तु इसकी अधिकतम सीमा निवृत्ति पूर्व छुट्टी की दशा में, 180 दिन और अन्य मामलों में चार मास होगी ।
(x) भारत में या इससे बाहर अध्ययनार्थ छुट्टी	(क) यदि अधिकारी अपने हक से नीचे की वास-सुविधा का अधिभोग कर रहा है तो, अध्ययन छुट्टी की पूर्ण अवधि-पर्यन्त ।
	(ख) यदि अधिकारी अपने हक की वास-सुविधा का अधिभोग कर रहा है तो, अध्ययन छुट्टी पर्यन्त किन्तु 6 मास से अधिक नहीं :
1	2
	परन्तु जहां अध्ययन छुट्टी छह मास से अधिक की हो जाती है तो उसे छह मास की समाप्ति पर या अध्ययन छुट्टी के प्रारम्भ की तारीख से, यदि वह ऐसी वांछा करे, उसके हक के टाइप से एक टाइप नीचे की वैकल्पिक वास-सुविधा आबंटित की जा सकेगी।
(xi) भारत से बाहर प्रतिनियुक्ति	प्रतिनियुक्ति की अवधि पर्यन्त, किन्तु छह मास से अधिक नहीं
(xii) चिकित्सीय आधार पर छुट्टी	छुट्टी की पूर्ण अवधि पर्यन्त
(xiii) प्रशिक्षणार्थ जाने पर	प्रशिक्षण की पूर्ण अवधि पर्यन्त ।

स्पष्टीकरण 1—जब भारत में स्थानान्तरण होने या अन्यत्र सेवा में जाने पर किसी अधिकारी को कोई छुट्टी मंजूर की जाती है और वह नए कार्यालय में पद भार ग्रहण करने से पूर्व उस छुट्टी का उपभोग करता है तो उसे मद (iv), (v), (vi) और (vii) के सामने वर्णित अवधि के लिए या छुट्टी की अवधि के लिए दोनों में से जो भी अधिक है, निवास-स्थान रखे रहने की अनुज्ञा दी जा सकती है ।

स्पष्टीकरण 2—जब भारत में स्थानान्तरण या अन्यत्र सेवा संबन्धी कोई आदेश किसी अधिकारी को तब जारी किया जाता है जब वह पहले से ही छुट्टी पर है तो स्पष्टीकरण 1 के अधीन अनुज्ञेय अवधि ऐसा आदेश जारी करने की तारीख से गिनी जाएगी ।

(3) जब कोई निवास-स्थान उपनियम (2) के अधीन रखे रखा जाता है तो अनुज्ञेय रियायती अवधियों की समाप्ति पर वह आबंटन, सिवाय उस दशा के जब उन अवधियों की समाप्ति के पश्चात् वह अधिकारी इन्दौर में किसी पात्र कार्यालय में कर्तव्य भार ग्रहण कर लेता है, रद्द किया गया समझा जाएगा ।

(3क) जब कोई अधिकारी बिना वेतन और भत्ते के चिकित्सीय छुट्टी पर हो तो वह उपनियम (2) के नीचे दी गई सारणी की मद सं० (xii) के अधीन दी गई रियायत के आधार पर अपने निवास-स्थान को रखे रख सकता है परन्तु यह तब जब वह ऐसे निवास-स्थान के लिए अनुज्ञप्ति फीस प्रतिमास नकद भेजता रहे और ऐसी फीस दो मास से अधिक तक न भेजने की दशा में, आबंटन रद्द हो जाएगा ।

(4) जिस अधिकारी ने उपनियम (2) के नीचे दी गई सारणी की मद (i) या मद (ii) के अधीन रियायत के आधार पर निवास-स्थान रखे रखा है, वह किसी पात्र कार्यालय में, उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, पुनर्नियोजित होने पर इस बात का हकदार होगा कि उस निवास-स्थान को अपने पास रखे रहे तथा वह इन नियमों के अधीन निवास-स्थान के किसी और आबंटन का भी पात्र होगा :

परन्तु यदि पुनर्नियोजन होने पर, अधिकारी की उपलब्धियां इतनी हैं जिनके आधार पर वह उस टाइप के निवास-स्थान का हकदार नहीं है जो उसके अधिभोग में है, तो उसे निम्नतर टाइप का निवास-स्थान आबंटित किया जाएगा ।

(5) उपनियम (2) या उपनियम (3) या उपनियम (4) में किसी बात के होते हुए भी, जब कोई अधिकारी पदच्युत किया जाता है या सेवा से हटाया जाता है या जब उसकी सेवा पर्यवसित की जाती है तथा उस कार्यालय के जिसमें ऐसा अधिकारी ऐसी पदच्युति, हटाए जाने या पर्यवसान के ठीक पूर्व नियोजित था, विभाग के प्रधान का समाधान हो जाता है कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक और समीचीन है तो वह संपदा निदेशक से यह अपेक्षा कर सकता है कि वह ऐसे अधिकारी

को आबंटित निवास-स्थान का आबंटन या तो तुरन्त रद्द कर दे या उस तारीख से रद्द कर दे जो उपनियम (2) के नीचे दी गई सारणी की मद (i) में निर्दिष्ट एक मास की अवधि की समाप्ति से पूर्व की है और जो वह विनिर्दिष्ट करता है तथा संपदा निदेशक तदनुसार कार्रवाई करेगा ।

अनुज्ञप्ति फीस संबंधी उपबन्ध—अनु० नि० 317-कध-12 :

(1) यदि वास-सुविधा या अनुकल्पी वास-सुविधा का आबंटन स्वीकार कर लिया जाता है तो अनुज्ञप्ति फीस का दायित्व अधिभोग की तारीख से अथवा आबंटन की प्राप्ति की तारीख से आठवें दिन से, जो भी पूर्वतर है प्रारम्भ होगा ।

जो अधिकारी आबंटन स्वीकार करने के पश्चात् उस वास-सुविधा का कब्जा आबंटन-पत्र की प्राप्ति की तारीख से आठ दिन के भीतर नहीं लेता उससे उस तारीख से बारह दिन की अवधि तक की अनुज्ञप्ति फीस ली जाएगी, परन्तु इसमें की कोई बात उस दशा में लागू नहीं होगी जब केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग यह प्रमाणित कर दे कि वास-सुविधा अधिभोग के योग्य नहीं है और उसको परिणामस्वरूप अधिकारी पूर्वोक्त अवधि के भीतर वास-सुविधा को अधिभोग में नहीं लेता है ।

(2) जहां एक निवास-स्थान के अधिभोगी किसी अधिकारी को दूसरा निवास स्थान आबंटित कर दिया जाता है और वह नए निवास-स्थान का अधिभोग प्राप्त कर लेता है तो पहले निवास-स्थान का आबंटन नए निवास-स्थान का अधिभोग प्राप्त करने की तारीख से रद्द हुआ समझा जाएगा । तथापि, निवास-स्थान बदलने के लिए वह पहले निवास-स्थान को उस दिन तथा उसके बाद के एक दिन तक, बिना अनुज्ञप्ति फीस दिए, अपने पास रख सकता है ।

परन्तु यदि पहला निवास-स्थान पूर्वोक्त के अनुसार पश्चात्वर्ती तारीख तक खाली नहीं किया जाता है, तो अधिकारी उस तारीख से जिसको वह पश्चातवर्ती निवास-स्थान का कब्जा लेता है, उस निवास-स्थान, सेवाओं और फर्नीचर के उपयोग और अधिभोग के लिए उतनी नुकसानी और उद्यान प्रभारों का संदाय, उतनी बाजार अनुज्ञप्ति फीस के बराबर करने के लिए दायी होगा, जितनी सरकार समय-समय पर अवधारित करे ।

निवास-स्थान के खाली किए जाने तक अधिकारी का अनुज्ञप्ति फीस देने का वैयक्तिक दायित्व तथा अस्थायी अधिकारियों द्वारा प्रतिभू किया जाना—अनु०नि० 316-कध-13 :

(1) जिस अधिकारी को निवास-स्थान का आबंटन किया जाए उस पर उसकी अनुज्ञप्ति फीस का तथा उस नुकसान का दायित्व होगा जो उचित टूट-फूट के अतिरिक्त है और जो उस निवास-स्थान को अथवा सरकार द्वारा उसमें दिए गए फर्नीचर, फिक्सचर, फिटिंग या सेवा-व्यवस्था को उस अवधि के दौरान पहुंचती है जब निवास-स्थान उसे आबंटित कर दिया जाता है और आबंटित बना रहता है या, यदि आबंटन इन नियमों के किसी उपबन्ध के अधीन रद्द कर दिया गया है वहां, जब तक निवास-स्थान तथा उससे संलग्न उपगृह खाली करके उनका पूर्णतः खाली रूप में कब्जा सरकार को वापस नहीं कर दिया जाता ।

(2) यदि वह अधिकारी जिसे निवास-स्थान आबंटित किया गया है, न तो स्थायी सरकारी सेवक है और न स्थायीवत् तो वह केन्द्रीय सरकार द्वारा उस निमित्त विहित प्ररूप में, एक प्रतिभू सहित प्रतिभूति पत्र निष्पादित करेगा । यह प्रतिभू केन्द्रीय सरकार के अधीन सेवा करने वाला स्थायी सरकारी सेवक होना चाहिए । यह प्रतिभूति-पत्र अनुज्ञप्ति फीस तथा अन्य ऐसे प्रभारों के संदाय के लिए होगा जो उस निवास-स्थान और अन्य सेवाओं की बाबत तथा उसके बदले में दिए गए किसी अन्य निवास-स्थान की बाबत उसके द्वारा देय है ।

(3) यदि प्रतिभू सरकारी सेवा में नहीं रह जाता या दिवालिया हो जाता है या किसी अन्य कारण से उपलब्ध नहीं रह जाता है तो अधिकारी किसी अन्य प्रतिभू द्वारा निष्पादित एक नया बन्धपत्र उस घटना या तथ्य की जानकारी प्राप्त होने की तारीख से तीस दिन के भीतर देगा, और यदि वह ऐसा नहीं करता है तो, जब तक कि संपदा निदेशक अन्यथा विनिश्चय न करे, उस निवास-स्थान का उसे आबंटन उस घटना की तारीख से रद्द किया गया समझा जाएगा ।

आबंटन का अभ्यर्पण और सूचना की अवधि—अनु०नि० 317-कध-14 :

(1) अधिकारी ऐसी सूचना दे कर, जो निवास-स्थान को खाली करने की तारीख से कम से कम दस दिन पूर्व सम्पदा निदेशक के पास पहुंच जाए, किसी भी समय आबंटन को अभ्यर्पित कर सकता है । निवास-स्थान का आबंटन उस दिन के पश्चात जिसको पत्र संपदा निदेशक को प्राप्त होता है, ग्यारहवें दिन से या पत्र में विनिर्दिष्ट तारीख से, जो भी पश्चातवर्ती है रद्द किया गया समझा जाएगा । यदि अधिकारी सम्यक् सूचना न दे तो वह दस दिन की, अथवा दस दिन की सूचना देने में जितने दिन की कमी है उतने दिन की अनुज्ञप्ति फीस देने के लिए उत्तरदायी होगा, परन्तु संपदा निदेशक कम अवधि की सूचना स्वीकार कर सकता है ।

(2) उपनियम (1) के अधीन निवास स्थान अभ्यर्पित करने वाले अधिकारी के संबंध में, उसी स्टेशन पर सरकारी वास-सुविधा का आबंटन करने के लिए ऐसे अभ्यर्पण की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक पुनः विचार नहीं किया जाएगा ।

निवास-स्थान बदलना—अनु०नि० 317-कध-15 :

(1) जिस अधिकारी को इन नियमों के अधीन निवास स्थान का आबंटन किया गया है वह यह आवेदन कर सकता है कि उसे उसके बदले में उसी टाइप का अथवा उस टाइप का जिसका पात्र वह अनु० नि० 317—कध—5 के अधीन है (जो भी निम्नतर है) निवास स्थान दिया जाए । किसी अधिकारी को आबंटित एक टाइप का निवास-स्थान एक बार से अधिक बदलने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी ।

(2) बदली के लिए सम्पदा निदेशक द्वारा विहित प्ररूप में किए गए सभी आवेदन किसी कलेण्डर मास के जो उन्नीसवें दिन तक प्राप्त हो जाते हैं, अगले मास की प्रतीक्षा-सूची में सम्मिलित किए जाएंगे । इस नियम के प्रयोजनों के लिए, वे अधिकारी जिनके नाम पूर्ववर्ती मास की प्रतीक्षा सूची में सम्मिलित किए गए हैं समुच्चयित रूप से उन अधिकारियों से ज्येष्ठ होंगे जिनके नाम पश्चातवर्ती मास की सूची में सम्मिलित किए जाते हैं । किसी विशिष्ट मास की सूची में सम्मिलित किए गए अधिकारियों की परस्पर ज्येष्ठता उनकी पूर्विकता तारीखों के क्रम से अवधारित की जाएगी ।

(3) बदली का अवसर उपनियम (2) के अनुसार अवधारित ज्येष्ठता क्रम में तथा अधिकारियों की अपनी पसन्द का यथा संभव ध्यान रखते हुए दिया जाएगा :

परन्तु सेवानिवृत्ति की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती छह मास की अवधि के दौरान कोई निवास-स्थान बदलने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी ।

(4) यदि कोई अधिकारी निवास-स्थान बदलने की प्रस्थापना या आबंटन जारी किए जाने के पांच दिन के अंदर उसे स्वीकार नहीं करता तो उसके नाम पर उस टाइप के निवास-स्थान के परिवर्तन के लिए पुनः विचार नहीं किया जायगा ।

(5) जो अधिकारी, निवास-स्थान को बदली स्वीकार करने के पश्चात उसका कब्जा नहीं लेता उससे ऐसे निवास स्थान के लिए अनु० नि० 317—कध—12 के उपनियम (1) के उपबन्धों के अनुसार अनुज्ञप्ति की फीस ली जाएगी, जो उस निवास स्थान के लिए, जो पहले से उसके कब्जे में है, और जिसका आबंटन बराबर बना रहेगा, मू०नि० 45-क के अधीन प्रसामान्य अनुज्ञप्ति फीस के अतिरिक्त होगी ।

कुटुम्ब के सदस्य की मृत्यु की दशा में निवास-स्थान बदलना—अनु०नि० 317-कख-16 :

अनु०नि० 317-कख-15 में किसी बात के होते हुए भी, यदि अधिकारी के कुटुम्ब के किसी सदस्य की मृत्यु हो जाती है और वह निवास-स्थान बदलने के लिए आवेदन ऐसी घटना के तीन मास के भीतर करता है तो उसे निवास-स्थान बदलने की अनुज्ञा दी जा सकती है : परन्तु यह बदली उसी टाइप के निवास-स्थान में तथा उसी मंजिल पर होगी जिस टाइप का निवास स्थान उस अधिकारी को पहले से आबंटित है।

निवास-स्थानों का पारस्परिक विनिमय-अनु० नि० 317-कख-17 :

जिन अधिकारियों को इन नियमों के अधीन एक ही टाइप के निवास-स्थान आबंटित किए गए है, वे आवेदन कर सकते हैं कि उन्हें अपने निवास-स्थानों का पारस्परिक विनिमय करने की अनुज्ञा दी जाए। जब इस बात की उचित तौर पर प्रत्याशा हो कि दोनों अधिकारी ऐसे विनिमय के अनुमोदन की तारीख से कम से कम छह मास तक इन्दौर में कर्तव्यारूढ़ रहेंगे और पारस्परिक रूप से विनिमय में प्राप्त अपने निवास-स्थानों में रहेंगे तब पारस्परिक विनिमय की अनुज्ञा दी जा सकती है।

उन स्थानों के लिए स्थानान्तरण जहां कुटुम्ब नहीं रखा जा सकता—अनु०नि० 317-कख-18 :

यदि किसी अधिकारी का स्थानान्तरण किसी ऐसे स्थान को किया जाता है जहां उसे अपना कुटुम्ब साथ ले जाने के लिए सरकार द्वारा अनुज्ञा नहीं दी जाती या सलाह नहीं दी जाती और इन नियमों के अधीन उसे आबंटित निवास-स्थान उसकी संतान की वास्तविक शिक्षा संबंधी आवश्यकताओं के लिए कुटुम्ब द्वारा अपेक्षित है तो उसे, प्रार्थना करने पर, इन्दौर में अपनी संतान के चालू शैक्षणिक सत्र के अन्त तक मू०नि०45-क के अधीन अनुज्ञप्ति फीस के संदाय पर, निवास स्थान रखे रखने की अनुज्ञा दी जा सकती है।

निवास-स्थान का रख-रखाव—अनु० नि० 317-कख-19 :

जिस अधिकारी को निवास-स्थान का आबंटन किया गया है वह उसे और परिसरों को यथास्थिति केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा सम्बद्ध नगरपालिका को समाधानप्रद रूप में साफ सुथरा रखेगा। ऐसा अधिकारी उस निवास-स्थान से संलग्न किसी उद्यान, सेहन या चार-दिवारी में न तो सरकार या केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के विरुद्ध कोई वृक्ष, झाड़ी या पौधे उगाएगा और न ही किसी विद्यमान वृक्ष या झाड़ी को केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग की लिखित पूर्व अनुज्ञा के बिना काटेगा या छांटेगा। इस नियम के उल्लंघन में उगाए गए वृक्ष, पौधे या वनस्पति संबंधित अधिकारी की जोखिम पर उसके खर्च पर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग हटवा सकेगा।

निवास-स्थान को शिकमी देना और सहभोग—अनु०नि० 317-कख-20 :

(1) कोई अधिकारी अपने को आबंटित निवास-स्थान या उससे संलग्न उपगृहों, गैरेजों और अस्तबलों का सहभोग इन नियमों के अधीन निवास-स्थान के आबंटन के पात्र केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के साथ ही करेगा। सेवक-निवासों, उपगृहों, गैरेजों और अस्तबलों का उपयोग केवल उचित प्रयोजनों के लिए, जिनके अन्तर्गत आबंटिती के सेवकों का निवास भी है, या अन्य ऐसे प्रयोजनों के लिए किया जाएगा जिनकी सम्पदा निदेशक अनुज्ञा दे।

(2) कोई अधिकारी अपने सम्पूर्ण निवास-स्थान को शिकमी नहीं देगा :

परन्तु छुट्टी पर जाने वाला अधिकारी अपने निवास-स्थान में किसी अन्य अधिकारी को, जो सरकारी वास-सुविधा का सहभोग करने के लिए पात्र है, देखभाल करने वाले के रूप में, अनु०नि० 317-कख-11 (2) में विनिर्दिष्ट अवधिपर्यन्त (जो छह मास से अधिक की नहीं होगी) रख सकता है।

(3) जो अधिकारी अपने निवास-स्थान का सहभोग करे या उसे शिकमी दे वह ऐसा अपनी जोखिम और उत्तरदायित्व पर करेगा और उस निवास-स्थान की बाबत देय कोई अनुज्ञप्ति फीस देने के लिए और ऐसे किसी नुकसान के लिए वैयक्तिक रूप में उत्तरदायी बना रहेगा जो निवास-स्थान को या उसकी प्रतीमाओं या भूमियों को या सरकार द्वारा उसमें की गई सेवा व्यवस्थाओं को पहुंचे और जो उचित टूट-फूट के अतिरिक्त हो।

नियमों और शर्तों का भंग करने का परिणाम—अनु० नि० 317-कख-21 :

(1) यदि वह अधिकारी जिसे निवास-स्थान आबंटित किया गया है अप्राधिकृत रूप से निवास-स्थान शिकमी देता है या सहभोगी से अनुज्ञप्ति फीस ऐसा वर से लेता है जिसे सम्पदा निदेशक अत्यधिक समझता है अथवा निवास-स्थान के किसी भाग में कोई अप्राधिकृत निर्माण करता है अथवा निवास-स्थान या उसके किसी भाग का उपयोग उन प्रयोजनों से भिन्न प्रयोजनों के लिए करता है जिनके लिए वह है अथवा विद्युत् या जल के कनेक्शन को बिगाड़ता है अथवा इस प्रभाग के नियमों या आबंटन के निबन्धनों और शर्तों को भंग करता है अथवा किन्हीं ऐसे प्रयोजनों के लिए, जिन्हें संपदा निदेशक अनुचित समझे, निवास-स्थान या परिसर का उपयोग करता है या किए जाने का अनुज्ञा देकर उन्हें नुकसान पहुंचाता है अथवा स्वयं ऐसा आचरण करता है जो संपदा निदेशक की राय में उस अधिकारी के पड़ोसियों से शान्तिपूर्ण सम्बन्धों को बनाए रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला है अथवा आबंटन प्राप्त करने की दृष्टि से किसी आवेदन या लिखित कथन में कोई गलत जानकारी जानबूझ कर देता है तो संपदा निदेशक, ऐसी किसी अतिरिक्त कार्यवाही पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जो उस अधिकारी के विरुद्ध की जा सकती हो निवास-स्थान का आबंटन रद्द कर सकता है।

स्पष्टीकरण—इस उपनियम में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, "अधिकारी" पद के अन्तर्गत उसके कुटुम्ब का कोई सदस्य और ऐसे अधिकारी के माध्यम से दावा करने वाला कोई व्यक्ति भी है।

(2) यदि कोई अधिकारी उसे आबंटित निवास-स्थान को या उसके किसी भाग को या उससे संलग्न किसी उपगृह, गैरेज या अस्तबल को इन नियमों का उल्लंघन करके शिकमी देता है तो ऐसी किसी अन्य कार्यवाही पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जो उसके विरुद्ध की जा सकती हो, उससे उतनी बर्धित अनुज्ञप्ति फीस ली जा सकती है जो मूल नियम 45-क के अधीन मासिक अनुज्ञप्ति फीस के चार गुने से अधिक नहीं है। प्रत्येक मामले में इस बात का विनिश्चय कि कितनी अनुज्ञप्ति फीस वसूल की जाए और किस अवधि के लिए वसूल की जाए, सम्पदा निदेशक गुणागुण के आधार पर करेगा। इसके अतिरिक्त उस अधिकारी को भविष्य में ऐसी विनिर्दिष्ट अवधिपर्यन्त, जो सम्पदा निदेशक विनिश्चित करे, निवास-स्थान का सहभोग करने से विवर्जित किया जा सकता है।

(3) जहां आबंटिती द्वारा परिसर के अप्राधिकृत रूप से शिकमी दिए जाने के कारण आबंटन रद्द करने की कार्रवाई की जाती है वहां आबंटिती तथा उसके साथ उसमें निवास करने वाले किसी अन्य व्यक्ति को परिसर खाली करने के लिए साठ दिन का समय दिया जाएगा। परिसर खाली किए जाने की तारीख या आबंटन रद्द करने के आदेश की तारीख से, जो भी पूर्वतर है साठ दिन की अवधि समाप्त होने पर, आबंटन रद्द हो जाएगा।

(4) यदि निवास-स्थान का आबंटन ऐसे आचरण के कारण रद्द किया जाता है जो पड़ोसियों से शान्तिपूर्ण सम्बन्ध बनाए रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला है तो उस अधिकारी को संपदा निदेशक के विवेकानुसार उसी वर्ग का अन्य निवास-स्थान किसी अन्य स्थान में आबंटित किया जा सकता है।

(5) संपदा निदेशक इस नियम के उपनियम (1) से (4) तक के अधीन सभी कार्रवाइयां या कोई कार्रवाई करने के लिए तथा ऐसे अधिकारी को, जो नियमों का तथा उसे जारी किए गए अनुदेशों को भंग करता है, तीन वर्ष से अनधिक की अवधि के लिए वास-सुविधा के आबंटन के लिए अपात्र घोषित करने के लिए भी सक्षम होगा।

(6) यदि इस नियम के अधीन कोई शास्ति उप संपदा निदेशक की पंक्ति के किसी अधिकारी द्वारा अधिरोपित की जाती है, तो व्यथित व्यक्ति अपने या अपने नियोजक द्वारा शास्ति अधिरोपित करने वाले आदेशों की प्राप्ति के इक्कीस दिन के भीतर संपदा निदेशक या संपदा अतिरिक्त निदेशक को अभ्यावेदन कर सकेगा।

(7) शास्ति अधिरोपित करने वाला मूल आदेश तब तक वैध रहेगा जब तक वह अभ्यावेदन के परिणामस्वरूप उपान्तरित या विखंडित नहीं कर दिया जाता।

आबंटन के रद्द किए जाने के पश्चात् निवास-स्थान में बने रहना—अनु० नि० 317-कध-22 :

यदि कोई आबंटन इन नियमों के किसी उपबन्ध के अधीन रद्द कर दिया जाता है या रद्द कर दिया गया समझा जाता है और तत्पश्चात् वह निवास-स्थान उस अधिकारी के, जिसे वह आबंटित किया गया है या उसके माध्यम से दावा करने वाले व्यक्ति के अधिभोग में बना रहता है या बना रहा है वहां ऐसा अधिकारी उस निवास-स्थान सेवाओं, फर्नीचर के उपयोग और उपभोग के लिए उतनी नुकसानी और उद्धान प्रभार का देनदार होगा जो सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित बाजार अनुज्ञप्ति फीस के या उसके द्वारा दी जा रही अनुज्ञप्ति फीस के दो गुने के, इनमें से जो भी अधिक है, बराबर है :

परन्तु किसी अधिकारी को, विशेष दशाओं में, भू०नि० 45-क के अधीन मानक अनुज्ञप्ति फीस से दोगुना या भू० नि० 45-क के अधीन पूल की गई मानक अनुज्ञप्ति फीस से दो गुना, इनमें से जो भी अधिक है, देने पर, अनु० नि० 317-कध-11 (2) के अधीन अनुज्ञात अवधि से परे छह मास से अनधिक की अवधि तक, निवास-स्थान रख रखने की सम्पदा निदेशक द्वारा अनुज्ञा दी जा सकेगी।

इन नियमों के जारी किए जाने के पहले किए गए आबंटनों का बना रहना अनु० नि० 317-कध-23 :

निवास-स्थान के किसी ऐसे विधिमान्य आबंटन के बारे में जो इन नियमों के प्रारम्भ के ठीक पूर्व तत्समय प्रवृत्त नियमों के अधीन अस्तित्व में है, यह समझा जाएगा कि वह इन नियमों के अधीन सम्यक् रूप से किया गया आबंटन है और उस आबंटन और उस अधिकारी के सम्बन्ध में इन नियमों के सभी पूर्वगामी उपबन्ध, तदनुसार लागू होंगे।

नियमों का निर्वचन—अनु० नि० 317-कध-24 :

यदि इस प्रभाग के नियमों के निर्वचन की बाबत कोई प्रश्न उठता है तो उसका विनिश्चय केन्द्रीय सरकार करेगी।

नियमों का शिथिलीकरण—अनु० नि० 317-कध-25 :

सरकार ऐसे कारणों से जो लेखबद्ध किए जाएंगे इस प्रभाग के नियमों के सभी उपबन्धों को या उनमें से किसी को किसी अधिकारी या निवास-स्थान के मामले में या अधिकारियों के किसी वर्ग या निवास-स्थानों के किसी टाइप के बारे में शिथिल कर सकेगी।

शक्तियों या कृत्यों का प्रत्यायोजन—अनु० नि० 317-कध-26 :

(1) सरकार इस प्रभाग के नियमों द्वारा उसे प्रदत्त कोई शक्ति या सभी शक्तियां अपने नियंत्रणाधीन किसी अधिकारी को ऐसी शर्तों के अधीन, प्रत्यायोजित कर सकेगी, जो अधिरोपित करना वह ठीक समझे।

(2) सम्पदा निदेशक, लिखित रूप में साधारण या विशेष आदेश द्वारा यह निदेश दे सकेगा कि ऐसी शर्तों के, यदि कोई है, अधीन रहते हुए, जो आदेश में विनिर्दिष्ट की जाएं, इन नियमों के अधीन उसके द्वारा प्रोक्तव्य किसी शक्ति का प्रयोग अधीक्षण इंजीनियर/कार्यपालक इंजीनियर/सहायक इंजीनियर, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, इन्दौर या सम्पदा प्रबन्धक, सहायक सम्पदा प्रबन्धक, इन्दौर भी कर सकेगा।

[फा० सं० 12033(9)/76-नीति-II]

आर०डी० भाटिया, उप सम्पदा निदेशक

S.O. 3849.—In exercise of the powers conferred by rules 45 of the Fundamental Rules, the President hereby makes the following rules further to amend the Supplementary Rules, issued with the Government of India, Finance Department's letter No. 104-CSR, dated the 4th February, 1922 namely :—

In part VIII of the said rules, the following rules shall be inserted as Division XXVI-AS.

DIVISION XXVI—AS

SHORT TITLE AND APPLICATION—S.R. 317-AS-1

(1) The rules in this Division may be called the Allotment of Government Residence (General Pool in Indore) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

DEFINITIONS—S.R.-317-AS-2 :—

In these rules, unless the context otherwise require :—

(a) "allotment" means the grant of a licence to occupy a residence in accordance with the provisions of these rules ;

(b) "allotment year" means the year beginning on 1st January or such other period as may be notified by the President ;

(c) 'Indore' means the area falling within the Municipal limits of Indore which the Government may declare as conferring eligibility for the allotment of general pool accommodation ;

(d) 'Director of Estates' means the Director of Estates to the Government of India and includes and Additional, Deputy and Assistant Director of Estates ;

(e) 'eligible office' means a Central Government office the staff of which has been declared by the Central Government as eligible for Government accommodation under these rules ;

(f) 'emoluments' means the emoluments as defined in the Fundamental Rule 45-C, but excluding the Compensatory allowances ;

Explanation : —In the case of an officer who is under suspension the emoluments drawn by him on the first day of the allotment year in which he is placed under suspension, or, if, if he is placed under suspension on the first day of the allotment year, the emoluments drawn by him immediately before that date shall be taken as emoluments.

(g) 'family' means the wife or husband, as the case may be and children, step-children, legally adopted children, parents, brothers or sisters as ordinarily reside with and are dependant on the officer ;

(h) 'Government' means the Central Government unless the context otherwise requires ;

(i) 'priority date' of an officer in relation to a type of residence to which he is eligible under the provisions of S.R. 317-AS-5, means the earliest date from which he has been continuously drawing emoluments relevant to a particular type or a higher type in a post under the Central Government or State Government or on foreign service, except for periods of leave :

Provided that in respect of a type B, Type C or D residence, the date from which the officer has been continously in service under the Central Government or State Government ncluding the periods of foreign service shall be his priority date for that type.

Provided further that where the priority date of two or more officers is the same, seniority among them shall be determined by the amount of emoluments the officer in receipt of h'gher emoluments taking precedence over the officer in receipt of lower emoluments ; and where the emoluments are equal, by the length of service.

(j) 'licence fee' means the sum of money payable monthly in accordance with the provisions of the Fundamental Rules in respect of a residence allotted under these rules ;

(k) 'residence' means any residence for the time being under the administrative control of Director of Estates ;

(l) 'subletting' includes sharing of accommodation by an allottee with another person with or without payment of licence by such other person ;

Explanation : Any sharing of accommodation by an allottee with close relations shall not deemed to be subletting.

(m) 'temporary transfer' means a transfer which involves an absence for a period not exceeding four months ;

(n) 'transfer means a transfer from Indore to any other place or from an eligible office to an ineligible office in Indore and includes a transfer or reversion to service under a State Government or Union Territory Administration and also deputation to a post in an ineligible office or organisation ;

(o) 'type' in relation to an officer means the type of residence to which he is eligible under S.R. 317-AS-5.

INELIGIBILITY OF OFFICERS OWNING HOUSES FOR ALLOTMENT UNDER THESE RULES-S.R. 317-AS-3 :

(1) In this rule :—

(a) "adjoining municipality" means any municipality contiguous to a local municipality ;

(b) "house" in relation to any officer or member of his family means a building or part thereof used for residential purposes and situated with in the jurisdiction of a local municipality or any adjoining municipality.

Explanation : A building, part of which is used for residential purposes, shall be deemed to be a house the purposes of this clause notwithstanding that any part of it is used for non-residential purposes ;

(c) "local municipality" in relation to an officer means the municipality within whose jurisdiction his office is located ;

(d) "member of family" in relation to an officer means the wife or husband, as the case may be, or a dependent child of the officer.

(e) "municipality" includes a municipal corporation, a municipal committee or board, a town area committee, a notified area committee, and a cantonment board.

(2) No officer shall be eligible for allotment of Government residence under these rules if he or any other member of his family owns a house.

(3) If an officer in occupation of Government residence owns a house or any other member of his family owns a house, he shall surrender the Government residence in his occupation.

(4) Where an officer to whom sub-rule (3) is applicable does not surrender the Government residence as required under that sub-rule, he shall be liable to pay damages for use and occupation of the residence, services, furniture and garden charges, equal to the market licence fee as may be determined by Government from time to time.

(5) Notwithstanding anything in sub-rule (3) or sub-rule (4), where the house, owned by the officer to whom sub-rule (3) applies or by any other member of his family, is not comparable to the residence to which such officer, is otherwise entitled under these rules, then such officer may be allowed to retain the Government residence in his occupation on payment of licence fee under F. R. 45-A, if such officers offers the house so owned by him or by any other member of his family, on lease to the Director of Estates at such rent, for such period and on such other conditions relating to the leave as may be determined by the Director of Estates and undertakes to give vacant possession thereof to the Director within one week of the communication of the acceptance of the offer :

Provided that the Director may, if he considers it necessary so to do, having regard to the rent payable for the house, the locality in which it is situated, the availability of other houses for occupation by Government servants and other relevant circumstances and factors, refuse the offer as made as aforesaid :

Provided further that : where the officer concerned has made the offer aforesaid has been paying damages as provided in sub-rule (4) as from that date, he shall continue to pay such damages until his offer is accepted or, if his offer is refused, so long as he occupies the Government residence ;

(6) Where, after a Government residence has been allotted to an officer, he or any other member of his family constructs a house or otherwise becomes the owner of a house, such officer—

(a) shall notify the fact to the Director of Estates within a period of four weeks from the date on which he or such member becomes the owner of the house;

(b) shall be ineligible for retention of Government residence and surrender the Government residence in his occupation within six weeks from the said date.

Explanation.—For the purposes of clause (a) and (b), a person shall be deemed to become the owner of a house, as from the date the local body concerned gives a certificate of completion or the date of actual occupation of the house, whichever is earlier.

(7) The provisions of sub-rules (4) and (5) shall apply to any officer referred to in sub-rule (6) as they apply in relation to an officer referred to in sub-rule (3).

(8) Notwithstanding anything contained in this rule, Government may allot a residence to an officer, or if he is in occupation of such residence allow its retention, on payment of licence fee under F.R. 45-A or on rent free basis, as the case may be, in specific cases of hardship or in the public interest.

Allotment to Husband and Wife, Eligibility in case of Officers who are married to each other—S.R. 317—AS-4 :

(1) No officer shall be allotted a residence under these rules if the wife or the husband, as the case may be, of the officer has already been allotted a residence, unless such residence is surrendered.

Provided that this sub-rule shall not apply where the husband and wife are residing separately in pursuance of an order of judicial separation made by any court.

(2) Where two officers in occupation of separate residence allotted under these rules marry each other, they shall, within one month of the marriage, surrender one of the residences.

(3) If a residence is not surrendered, as required by sub-rule (2), the allotment of the residence of the lower type shall be deemed to have been cancelled on the expiry of such period and if the residences are of the same type, the allotment of such one of them, as the Director of Estates may decide, shall be deemed to have been cancelled on the expiry of such period.

(4) Where both husband and wife are employed under the Central Government, the title of each of them to allotment of a residence under these rules shall be considered independently.

(5) Notwithstanding anything contained in sub-rules (1) to (4) :—

(a) If a wife or husband, as the case may be, who is an allottee of a residence under these rules, is subsequently allotted a residential accommodation at the same station from the pool to which these rules do not apply, she or he, as the case may be, shall surrender any one of the residences within one month of such allotment.

Provided that this clause shall not apply where the husband and wife are residing separately in pursuance of an order of judicial separation made by any court.

(b) Where two officer, in occupation of separate residences at the same station, one allotted under these rules and another from a pool to which these rules do not apply, marry each other, any one of them shall surrender any one of the residences within one month of such marriage ;

(c) If a residence is not surrendered as required under clause (a) or clause (b) the allotment of the residence in the general pool shall be deemed to have been cancelled on the expiry of such period.

Classification of Residences—S.R. 317—AS-5

Save as otherwise provided by these rules, an officer will be eligible for allotment of a residence of the type shown in the Table below :—

Type of Residence	Category of officer or his monthly emoluments as on such date as may be specified by the Central Government for the purpose of the allotment year concerned
A	Less than Rs. 260/-
B	Less than Rs. 500/- but not less than Rs. 260/-
C	Less than Rs. 1000/- but not less than Rs. 500/-
D	Less than Rs. 1500/- but not less than Rs. 1000/-
E	Rs. 1500/- and above.

Applications for Allotment S.R. 317—AS-6

(1) Every Government officer in occupation of Government accommodation shall submit his application, in such form and manner and by such date, as may be specified by the Director of Estates in this behalf.

(2) In the case of officers not in occupation of Government accommodation, the Director of Estates shall invite applications in such form and manner and before such date as may be specified by him.

(3) An officer joining duty in Indore on first appointment or on transfer may submit his application to the Director of Estates within a month of his joining duty.

(4) Applications received under sub-rule (3) on or before the 20th day of a calender month shall alone be considered for allotment in the succeeding month.

ALLOTMENT OF RESIDENCES AND OFFERS—S.R. 317-AS-7 ;

(1) Save as otherwise provided in these rules, a residence on failing vacant, will be allotted by the Director of Estates preferably to an applicant desiring a change of accommodation in that type, under the provisions of S. R. 317-AS-15 and if not required for that purpose, to an application without accommodation in that type having the earliest priority date for that type of residence subject to the following conditions :—

(i) The Director of Estates shall not allot a residence of a type higher than that to what the applicant is eligible under S.R. 317-AS-5 ;

(ii) The Director of Estates shall not compel any applicant to accept a residence of a lower type than that to what he is eligible under S. R. 317-AS-5 ;

(iii) The Director of Estates, on request, from an applicant for allotment of a lower category residence, might allot to him a residence, next below the type for which the applicant is eligible under S. R. 317-AS-5 on the basis of his priority date for the same.

(2) The Director of Estates may cancel the existing allotment of an officer and allot to him an alternative residence of the same type or in emergent circumstances an alternative residence of the type next below the type of residence in occupation of the officer if the residence in occupation of the officer is require to be vacated.

(3) A vacant residence may, in addition to an allotment to an officer under sub-rule (1) above, be offered simultaneously to other eligible officers in order of their priority dates.

MAINTENANCE OF SEPARATE POOLS FOR CERTAIN CATEGORIES OF OFFICERS—S.R. 317-AS-8 :

(1) Notwithstanding anything contained in these rules, a Lady Officers' Pool may, if considered necessary by the Director of Estates, be maintained separately for married lady officers and for single lady officers.

EXPLANATION : In this sub-rule,

(a) "Married lady officer" means a lady officer whose marriage is subsisting and who is not judicially separated from her husband ;

(b) "single lady officer" means a lady officer who is not a married lady officer.

(2) The number and types of residences to be placed in these pools shall be determined by the Government from time to time.

(3) The officer shall be entitled to allotment of accommodation in the said pools in the next type below the type to which they are entitled under the provisions of S.R.-317-AS-5.

(4) The inter se seniority of the officers eligible for the allotment of residences under this rule shall be determined on the basis of the priority date on which each such officer because eligible for the type of residence in the pool.

OUT-OF-TURN ALLOTMENTS—S.R. 317-AS-9 :

No out-of-turn allotment shall be made.

NON-ACCEPTANCE OF ALLOTMENT OR OFFER OR THE FAILURE TO OCCUPY THE ALLOTTED RESIDENCE AFTER ACCEPTENCE—S.R. 317-AS-10 :

(1) If any officer fails to accept the allotment of a residence within five days or fails to take possession of that residence after acceptance within eight days from the date of receipt of the letter of allotment he shall not be eligible for another allotment for a period of one year from the date of the allotment letter.

(2) If an officer occupying a lower type residence is allotted or offered a residence of the type for which he is eligible under S. R. 317/-AS-5 or for which he has applied under S.R. 317-AS-7 (1)(iii), he may, on refusal of the said allotment or offer of allotment, be permitted to continue in the previously allotted residence on the following conditions, namely :—

(a) that such an officer shall not be eligible for another allotment for the remaining period of the allotment year in which he has declined the allotment or offer;

(b) while retaining the existing residence, he shall be charged the same license fee which he would have had to pay under F. R. 45-A in respect of the residence so allotted or offered or the licence fee payable in respect of the residence already in his occupation, whichever is higher.

PERIOD FOR WHICH ALLOTMENT SUBSISTS AND THE CONCESSIONAL PERIOD FOR FURTHER RETENTION—S.R. 317-AS-11 :

(1) An allotment shall be effective from the date on which it is accepted by the officer and shall continue in force until;

(a) The expiry of the concessional period permissible under sub-clause (2) after the officer ceases to be on duty in an eligible office in Indore ;

(b) It is cancelled by the Director of Estates or is deemed to have been cancelled under any provision in these rules ;

(c) it is surrendered by the officer ; or

(d) the officer ceases to occupy the residence.

(2) A residence allotted to an officer may, subject to sub-rule (3) be retains on the happening of any of the events specified in column 1 of the Table below for the period specified in the corresponding entry in column 2 thereof, provided that the residence is required for bona fide use of the officer or members of his family :—

TABLE

Events	Permissible period for retention of the residence
(i) Resignation, dismisal or removal from service, termination of service or unauthorised absence without permission.	1 month.
(ii) Retirement or terminal leave.	2 months.
(iii) Death of the allottee.	4 months.
(iv) Transfer to a place outside Indore.	2 months.
(v) Transfer to an in eligible office in Indore.	2 months.
(vi) On proceeding on foreign service in India.	2 months.
(vii) Temporary transfer in India or transfer to a place outside India.	4 months.
(viii) Leave (other than leave preparatory to retirement refused leave, terminal leave, medical leave, maternity leave or study-leave.	for the period of leave but not exceeding 4 months.
(viii) (a) Maternity leave.	for the period of maternity leave plus the leave granted in continuation subject to a maximum of 5 months.
(ix) Leave preparatory to retirement or refused leave granted under F.R. 86 or earned leave granted to Government servants who retired under F.R. 56 (j).	for the full period of leave on full average pay subject to a maximum of 180 days in the case of leave preparatory to retirement and 4 months in other cases.
(x) Study leave in or outside India.	(a) In case the officer is in occupation of accommodation below his entitlement, for the entire period of study leave. (b) In case the officer is in occupation of his entitled type accommodation, for the period of study leave but not exceeding 6 months provided that where the study leave extends beyond six months, he may be allotted alternative accommodation, one type below his entitlement, on the expiry of six months or from the date of commencement of the study leave, if he so desires.
(xi) Deputation outside India	For the period of Deputation but not exceeding 6 months.
(xii) Leave on medical grounds	Full period of leave.
(xiii) On proceeding on training	Full period of training.

Explanation—I : Where an officer on transfer or foreign service in India is sanctioned leave and avails of it before joining duty at the new office, he may be permitted to retain the residence for the period mentioned against items (iv), (v), (vi) and (vii) or for the period of leave, whichever is more.

Explanation—II : Where an order of transfer or foreign service in India is issued to an officer while he is already on leave, the period permissible under the Explanation—I shall count from the date of issue of such order.

(3) Where a residence is retained under sub-rule (2) the allotment shall be deemed to be cancelled on the expiry of the admissible concessional periods unless immediately on the expiry thereof the officer resumes duty in an eligible office in Indore.

(3A) Where an officer is on medical leave without pay and allowances, he may retain his residence by virtue of the concession under item (xii) of the Table below sub-rule (2), provided he remits the licence fee for such residence in cash every month and where he fails to remit such licence fee for more than two months, the allotment shall stands cancelled.

(4) An officer who has retained the residence by virtue of the concession under item (i) or item (ii) of the Table sub-rule (2) shall, on re-employment in an eligible office, within the period specified in the said Table, be entitled to retain that residence and he shall also be eligible for any further allotment of residence under these rules :

Provided that if the emoluments of the officer on such re-employment do not entitle him to the type of residence occupied by him, he shall be allotted a lower type of residence.

(5) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2) or sub-rule (3) or sub-rule (4), when an officer is dismissed or removed from service or when his services have been terminated and the Head of the Department in respect of the office in which such officer was employed immediately before such dismissal, removal or termination is satisfied that it is necessary or expedient in the public interest so to do, he may require the Director of Estates to cancel the allotment of the residence made to such officer either forthwith or with effect from such date prior to the expiry of the period of one month referred to in item (i) of the Table below sub-rule (2) as he may specify and the Director of Estates shall act accordingly.

PROVISIONS RELATING TO LICENCE FEE—G.R. 317-AS-12 :—

(1) Where an allotment of accommodation or alternative accommodation has been accepted, the liability for licence fee shall commence from the date of occupation or the eighth day from the date of receipt of the allotment, whichever is earlier.

An officer who after acceptance, fails to take possession of that accommodation within eight days from the date of receipt of the allotment letter, shall be charged licence fee from such date upto a period of twelve days, provided that nothing contained herein shall apply where the Central Public Works Department certified that the accommodation is not fit for occupation and as a result thereof the officer does not occupy the accommodation within the period aforesaid.

(2) Where an officer who is in occupation of a residence, is allotted another residence and he occupies the new residence, the allotment of the former residence shall be deemed to be cancelled from the date of occupation of the new residence. He may however, retain the former residence without payment of licence fee for that day and the subsequent day for shifting :

Provided that if the former residence is not vacated by the subsequent date as aforesaid, the officer will be liable to pay damages for use and occupation of the residence, services, furniture and garden charges, equal to the market licence fee as may be determined by the Government from time to time, with effect from the date he takes possession of the letter residence.

PERSONAL LIABILITY OF THE OFFICER FOR PAYMENT OF LICENCE FEE TILL THE RESIDENCE IS VACATED AND FURNISHING OF SURETY BY TEMPORARY OFFICERS—S.R. 317-AS-13

(1) The officer to whom a residence has been allotted shall be personally liable for the licence fee thereof and for any damage beyond fair wear and tear caused thereto or to the furniture, fixtures of fittings or services provided therein by Government during the period for which the residence has been and remains allotted to him, or where the allotment has been cancelled under any of the provisions of these rules, until the residence alongwith the out-houses appurtenant thereto have been vacated and full vacant possession thereof has been restored to Government.

(2) Where the officer to whom a residence has been allotted is neither a permanent nor a quasi-permanent Government servant, he shall execute a security bond in the form prescribed in this behalf by the Central Government with a surety who shall be a permanent Government servant serving under the Central Government for due payment of licence fee and other charges due from him in respect of such residence and services and any other residence provided in lieu.

(3) If the surety ceases to be in Government service or becomes insolvent or ceases to be available for any other reasons, the officer shall furnish a fresh bond executed by another surety within thirty days from the date of his acquiring knowledge of such event or fact; and if he fails to do so, the allotment of residence to him shall, unless otherwise decided by the Director of Estate, be deemed to have been cancelled with effect from that date of that event.

SURRENDER OF ALL ALLOTMENT AND PERIOD OF NOTICE—S.R. 317-AS-14

(1) An officer may at any time surrender an allotment by giving intimation so as to reach the Director of Estates at least 10 days before the late of vacation of the residence. The allotment of the residence shall be deemed to be cancelled with effect from the eleventh day after the day on which the letter is received by the Director of Estates or the date specified in the letter, whichever is later. If he fails to give due notice he shall be responsible for payment of licence fee for ten days or the number of days by which the notice given by him falls short of ten days, provided that the Director of Estates may accept a notice for a short period.

(2) An officer who surrender the residence under sub-rule (1) shall not be considered again for allotment of Government accommodation at the same station for a period of one year from the date of such surrender.

CHANGE OF RESIDENCE—S.R. 317-AS-15

(1) An officer to whom a residence has been allotted under these rules may apply for a change to another residence of the same type or a residence of the type to which he is eligible under S.R. 317-AS-5, whichever is lower. Not more than one change shall be allowed in respect of one type of residence allottted to the officer.

(2) All applications for change made in the form prescribed by the Director of Estates and received upto the 19th day of a calender month shall be included in the waiting list in the succeeding month. For purposes of this rule the officers whose names are included in the waiting list in an earlier month shall be senior en block to those whose names are included in the list in subsequent months. The inter se seniority of the officers included in the list in any particular month shall be determined in the order of their priority dates.

(3) Change shall be offered in order of seniority determined in accordance with sub-rule (2) and having regard to the officers' preferences as far as possible :

Provided that no change of residence shall be allowed during the period of six months immediately proceeding the date of superannuation.

(4) If an officer fails to accept a change of residence offered to him within five days of the issue of such offer or allotment, he shall not be considered again for a change of residence of that type.

(5) An officer, who after accepting a change of residence fails to take possession of the same, shall be charged licence fee for such residence in accordance with the provisions of sub-rule (1) of S.R. 317-AS-12 in addition to the normal licence fee under F.R. 45-A for the residence already in his possession, the allotment of which shall continue to subsist.

CHANGE OF RESIDENCE IN THE EVENT OF DEATH OF A MEMBER OF THE FAMILY—S.R. 317-AS-16

Notwithstanding anything contained in S.R. 317-AS-16 an officer may be allowed a change of residence on the death of any member of his family if he applies for a change within three months of such occurrence, provided that the change will be given in the same type of residence and on the same floor as the residence already allotted to the officer.

MUTUAL EXCHANGE OF RESIDENCES—S.R. 317-AS-17

Officer to whom residences of the same type have been allotted under these rules may apply for permission to mutually exchange their residences, Permission for mutual exchanges may be granted if both the officers are reasonably expected to be on duty in Indore and to reside in their mutually exchanged residences for at least six months from the date of approval of such exchange.

TRANSFER TO NON-FAMILY STATIONS—S.R. 317-AS-18

If an officer is transferred to a station where he is not permitted or advised by Government to take his family with him and the residence allotted to him under these rules is required by the family for the bona fide educational needs of his childern he may be allowed, on request, to retain the residence on payment of licence fee under F.R. 45-A, till the end of current academic session of his childern in Indore.

MAINTENANCE OF RESIDENCE—S.R. 317-AS-19

The officer to whom a residence has been allotted shall maintain the residence and premises in a clean condition to the satisfaction of the Central Public Works Department and the concerned municipal authority, as the case may be. Such officer shall not grow any trees, shrubs or plants contrary to the instructions issued by the Government or Central Public Works Department nor cut or lop off any existing tree or shurbs in any garden, coutryard or compound attached to the residence save with the prior permission in writing of the Central Public Works Department. Trees, plantations or vegetation, grown in contravention of this rule may be caused to be removed by the Central Public Works Department at the risk and cost of the officer concerned.

SUBLETTING AND SHARING OF THE RESIDENCES—S.R. 317-AS-20

(1) No officer shall share the residence allotted to him or any of the out-houses, garages and stables appurtenant thereto except with the employees of the Central Government eligible for allotment of residences, under these rules. The servants' quarters, out-houses, garages and stables may be used only for the bona fide purposes including residence of the servants of the allottee or for such other purposes as may be permitted by the Director of Estates.

(2) No officer shall sublet the whole of his residence :

Provided that an officer proceeding on leave may accommodate, in the residence any other officer eligible to share Government accommodation, as a caretaker, for the period specified in S. R. 317-AS-11 (2), but not exceeding six months.

(3) Any officer who shares or sublets his residence shall do so at his own risk and responsibility and shall remain personally responsible for any licence fee payable in respect of the residence and for any damage caused to the residence and its precincts or grounds or services provided therein by Government beyond fair wear and tear.

Consequences of Breach of Rules and Conditions—S.R.317-AC-21 :

(1) If an officer to whom a residence has been allotted unauthorisedly sublets the residence or charges (licence fee) from the sharer at a rate which the Director of Estates considers excessive or erects any unauthorised structure in any part of the residence or uses the residence or any portion thereof for any purposes other than that for which it is meant or tampers with the electrical or water connection or commits any other breach of the rules in this Division or/of the terms and conditions of the allotment or uses the residence or premises or/permits or suffers the residence or premises to be used for any purpose which the Director of Estates considers to be improper or conducts himself in a manner which in the opnion of the Director of Estates is prejudicial to the maintenance of harmonious relations with his neighbours or has knowingly furnished incorrect information in any application or written statement with a view to securing the allotment, the Director of Estates may, without prejudice to any other disciplinary action that may be taken against him, cancel the allotment of the residence.

EXPLANATION

In this sub-rule the expression 'officers' includes, unless the context otherwise require, a member of his family and any person claiming through the officer.

(2) If an officer sublets a residence allotted to him, for any portion thereof or any of the out-houses, garages or stables appurtenant thereto, in contravention of these rules, he may, without prejudice to any other action that may be taken against him be charged enhanced licence fee not exceeding 4 times the standard licence fee under F.R. 45-A. The quantum of licence fee to be recovered in each case will be decided by the Director of Estates, on merits. In addition the officer may be debarred from sharing the residence for a specified period in future as may be decided by the Director of Estates.

(3) Where action to cancel the allotment is taken on account of unauthorised sub'etting of the residence by the allottee, a period of sixty days shall be allowed to the allottee, and any other person residing with him therein to vacate the premises. The allotment shall be cancelled with effect from the date of vacation of the premises or expiry of the period of sixty days from the date of the orders for the cancellation of the allotment, whichever is earlier.

(4) Where the allotment of residence is cancelled for conduct prejudicial to the maintenance of harmonious relations with neighbours, the officer at the discretion of the Director of Estates may be allotted another residence in the same class at any other place.

(5) The Director of Estates shall be competent to take all or any of the actions under sub-rule (1) to (4) of this rule and also to declare the officer who commits a breach of the rules and instructions issued to him, to be ineligible for allotment of residential accommodation for a period not exceeding three years.

(6) Where any penalty under this rule is imposed by any officer of the rank of Deputy Director of Estates, the aggrieved person, may within twenty-one days of the receipt of the orders by him or his employer imposing the penalty, file a representation to the Director of Estates or the Additional Director of Estates.

(7) The original order imposing the penalty shall stand unless it is modified or rescinded as a result of the representation.

OVERSTAYAL IN RESIDENCE AFTER CANCELLATION OF ALLOTMENT—S.R. 317-AS-22

Where, after an allotment has been cancelled or is deemed to be cancelled under any provision contained in these rules, the residence remains or has remained in occupation of the officer to whom it was allotted or of any person claiming through him, such officer shall be liable to pay damages for use and occupation of the residence, services, furniture and garden charges, equal to the market licence fee as may be determined by Government from time to time or twice the licence fee he was paying whichever is higher:

Provided that an officer, in special cases, may be allowed by the Director of Estates to retain a residence on payment of twice the standard licence fee under F.R. 45-A, or twice the pooled standard licence fee under F.R. 45-A, or twice the licence fee he was paying whichever is highest for a period not exceeding six months beyond the period permitted under S.R. 317-AS—11(2).

CONTINUANCE OF ALLOTMENT MADE PRIOR TO THE ISSUE OF THESE RULES-S.R. 317-AS-23 :

Any valid allotment of a residence which is subsisting immediately before the commencement of these rules shall be deemed to be an allotment duly made under these rules and all the preceding provisions of these rules shall apply in relation to that allotment and that officer accordingly.

INTERPRETATION OF RULES-S.R. 317-AS-24 :

If any question arises as to the interpretation of the rules in this Division it shall be decided by the Central Government.

RELAXATION OF RULES-S.R. 317-AS-25 :

The Government may for reasons to be recorded in writing relax all or any of the provisions of the rules in this Division in the case of any officer or residence or class of officers or type of residences.

DELEGATION OF POWERS OR FUNCTIONS-SR 317-AS-26 :

(1) The Government may delegate any or all the powers conferred upon it by the rules in this Division to any officer under its control, subject to such conditions as it may deem fit to impose.

(2) The Director of Estates may, by general or special order in writing, direct that subject to such conditions, if any, as may be specified in the order, any power exercisable by him under these rules shall be exercisable also by the Superintending Engineer/Executive Engineer/Assistant Engineer, Central Public Works Department, Indore or the Estate Manager, Assistant Estate Manager, Indore.

[File No. 12033(9)/76-Pol. II]
R. D. BHATIA, Dy. Director of Estates (D&P)

दिल्ली विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली 24 नवम्बर, 1979

का०आ० 3850.—केन्द्रीय सरकार दिल्ली मुख्य योजना में निम्नलिखित संशोधन करने का विचार कर रही है, एतद्द्वारा जिसे सार्वजनिक सूचना हेतु प्रकाशित किया जाता है। इस संशोधन के सम्बन्ध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति या सुझाव देना हो तो वे अपने आपत्ति या सुझाव इस सूचना के 3 दिन के भीतर सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, 5 वी मंजिल, विकास मीनार, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली के पास लिखित रूप में भेज दें। जो व्यक्ति अपनी आपत्ति या सुझाव दें, वे अपना नाम एवं पूरा पता लिखें।

संशोधन :

"पटपड़गंज मार्ग के पश्चिम में गाव घरोंदा, नीम का बांगड के खसरा सं० 368 की भूमि जिसका क्षेत्रफल लगभग 3 35 हैक्ट० (7 5 एकड़) है, का भूमि उपयोग "कृषि" (हरित पट्टी) से "सार्वजनिक एवं अर्द्ध सार्वजनिक" (सांस्थानिक) में परिवर्तित किए जाने का प्रस्ताव है"।

2. शनिवार को छोड़कर और सभी कार्यशील दिनों में दि० वि० प्रा० के कार्यालय (मुख्य योजना अनुभाग) 10वीं मंजिल, विकास मीनार, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली में उक्त अवधि के दौरान प्रस्तावित संशोधन का मानचित्र निरीक्षण हेतु उपलब्ध होगा।

[सं० एफ० 20(1)/78 एम०पी०]

हरी राम गोयल, सचिव,

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 24th November, 1979

S.O. 3850.—The following modification, which the Central Government proposes to make to the Master Plan for Delhi is hereby published for Public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send his objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, 5th Floor, Vikas Minar, Indraprastha Estate, New Delhi, within 30 days from the date of this notice. The person making the objection/suggestion should also give his name and full address :

Modification :

"The land use of an area measuring about 3.035 Hects. (7.5 acres), situated on the West of Patparganj Road, bearing Khasra No. 368, Village G-haronda, Neemka Banger, is proposed to be changed from 'Agricultural' (Green Belt) to 'Public and Semi-Public Facilities' (Institutional)".

2. The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Authority (Master Plan Section), 10th Floor, Vikas Minar, Indraprastha Estate, New Delhi on all working days except Saturdays, within the period referred to above.

[No. F. 20(1)/78-M.P.]

H. R. GOEL, Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1979